- जबलपुर, सोमवार
  दिनांक 16 मार्च 2026
- वर्ष 31 अंक 259
- पृष्ठ 12
- मूल्य ₹ 3.00

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

'तरक्की की दौड़ में
उसी का जोर चल गया, बना के
रास्ता जो भीड़ से निकल गया'

2 12 किमी दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में...

5 पत्रकार की शिकायत पर...

7 जंग रोकने की शर्तें...

11 दक्षिण के द्वार नेपानगर को...

वोटयुद्धः 5 राज्यों में चुनाव का ऐलान

20 दिन में 17.4 करोड़ वोटर चुनेंगे 824 विधायक

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने रविवार को 5 राज्यों यानी असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है। 5 राज्यों में से 4 राज्यों के चुनाव एक ही चरण में होंगे लेकिन पश्चिम बंगाल में दो चरणों में चुनाव होगा। लेकिन सभी राज्यों के चुनावी नतीजे एक साथ 4 मई को आएंगे। मतदान की पहली तारीख 9 अप्रैल है और आखिरी वोटिंग डेट 29 अप्रैल तय की गई है। यानी 20 दिनों में 5 राज्यों की किस्मत का फैसला मतपेटी में कैद हो जाएगा।

5 राज्यों का चुनाव शेड्यूल

राज्य	सीटें	बहुमत	फेज	वोटिंग
प. बंगाल	294	148	2	23 और 29 अप्रैल
तमिलनाडु	234	118	1	23 अप्रैल
असम	126	64	1	9 अप्रैल
केरल	140	71	1	9 अप्रैल
पुडुचेरी	30	16	1	9 अप्रैल

असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा की वोटिंग 9 अप्रैल को संपन्न हो जाएगी। और नतीजे 4 मई को आएंगे। अब अगर इन तीनों राज्यों की सीटवार स्थिति देखें तो केरल में विधानसभा की कुल 140 सीटें हैं। बहुमत का आंकड़ा 71 है। अभी केरल में लेफ्ट का शासन है। वहीं, असम की बात करें तो यहां विधानसभा की कुल 126 सीटे हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। यहां भी 9 अप्रैल को वोटिंग है। मौजूदा समय में यहां बीजेपी की सरकार है और हिमंता विस्वा मौजूदा सीएम हैं। यहां पिछले 10 साल से भाजपा सत्ता में है। पुडुचेरी की बात करें तो 2021 में कांग्रेस सरकार गिरने के बाद एआईएनआरसी-बीजेपी गठबंधन ने सत्ता हासिल की और एन. रंगास्वामी एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। यहां विधानसभा की कुल 30 सीटें है जो देश की सबसे कम सीटों वाली विधानसभा भी है। यहां बहुमत का आंकड़ा 16 है। यहां भी 9 अप्रैल को वोटिंग होगी। तमिलनाडु में विधानसभा की कुल 234 सीटें हैं। बहुमत का आंकड़ा 118 है। 1967 के बाद से तमिलनाडु की राजनीति मुख्य रूप से एआईएडीएमके और डीएमके के बीच घूमती रही है। फिलहाल तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुवाई वाली डीएमके सरकार है, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आई। तमिलनाडु में इस बार एक ही चरण में वोटिंग है लेकिन ये वोटिंग 23 अप्रैल को है। और नतीजे 4 मई को आएंगे।

पश्चिम बंगाल : दो चरण में मतदान

बंगाल की बात करें तो इन 5 राज्यों में सबसे ज्यादा सीटें पश्चिम बंगाल में ही हैं। यहां विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। बहुमत का आंकड़ा 148 है। यहां अभी तृणमूल कांग्रेस की सरकार है और ममता बनर्जी सीएम हैं। इस राज्य में दो चरणों में चुनाव होने हैं। पहले चरण में 152 सीटों पर वोटिंग होगी। ये मतदान 23 अप्रैल को होगा, जब तमिलनाडु में भी वोटिंग हो रही होगी। वहीं, बंगाल में दूसरे और आखिरी चरण की वोटिंग 142 सीटों पर 29 अप्रैल को होगी। सभी 294 सीटों का नतीजा 4 मई को आएगा।

कुल 824 विधायक चुने जाएंगे

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव लोकतंत्र का पर्व है। उन्होंने कहा कि इन 5 राज्यों में इस बार कुल 17.4 करोड़ मतदाता हैं और कुल 824 सीटों पर वोटिंग होनी है। बता दें कि 17.4 करोड़ मतदाता, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल आबादी के बराबर हैं। इस बार 20 से ज्यादा देशों के चुनाव आयोगों से आए मेहमान चुनाव देखने के लिए यहां आ रहे हैं।

इस बार का चुनाव क्यों है खास

इस बार इन 5 राज्यों का विधानसभा चुनाव इसलिए भी खास है क्योंकि एसआईआर को लेकर सबसे ज्यादा बवाल पश्चिम बंगाल और असम में ही देखने को मिला था। यानी एसआईआर के बाद इन राज्यों में चुनाव है जो कई मायनो में खास माना जा रहा है। वहीं, इस बार पश्चिम बंगाल में केवल 2 चरणों में ही वोटिंग हो रही है। ऐसा करीब 3 दशक बाद देखने को मिला है। वरना पश्चिम बंगाल में 8 चरणों में भी चुनाव कराए गए हैं।

5 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

भारत निर्वाचन आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के साथ-साथ छह राज्यों में होने वाले उपचुनावों का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। इन छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इस सीटों में सबसे अहम सीट महाराष्ट्र की बारामती सीट है। गोवा, कर्नाटक, नागालैंड, त्रिपुरा में 9 अप्रैल को वोटिग होगी, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इन राज्यों में भी 4 मई को मतगणना होगी।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

कांशीराम को दिया जाए 'भारत रत्न'

नई दिल्ली। लोकसभा सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर बसपा के जनक कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की है। सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा कि मैं आपको यह पत्र उन्हें मरणोपरांत 'भारत रत्न' देने के अनुरोध के साथ लिख रहा हूं। राहुल ने आगे लिखा कि कांशीराम जी ने भारतीय राजनीति के स्वरूप को बदल दिया। अपने आंदोलनों के माध्यम से उन्होंने बहुजनों और गरीबों के बीच राजनीतिक जागरूकता पैदा की। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि उनका वोट, उनकी आवाज और उनका प्रतिनिधित्व बहुत महत्वपूर्ण है और यह देश समान रूप से सबका है। उनके प्रयासों के कारण ही बहुत से लोग जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में नहीं सोचा था, उन्होंने राजनीति को न्याय और समानता पाने के माध्यम के रूप में देखना शुरू किया। राहुल गांधी ने आगे कहा कि हमारा संविधान हर भारतीय के लिए समानता, सम्मान और भागीदारी का वादा करता है।कांशीराम जी ने समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े लोगों के लिए इन वादों को सार्थक बनाने में अपना जीवन समर्पित कर दिया। ऐसा करके उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की नींव को मजबूत किया और हमारी राजनीतिक व्यवस्था को अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाया। राहुल ने कहा कि कई वर्षों से, दलित बुद्धिजीवी, नेता और कार्यकर्ता कांशीराम जी को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग कर रहे हैं। मुझे आशा है कि सरकार इस अनुरोध पर गंभीरता से विचार करेगी।

पद्म पुरस्कार-2027 के लिए नॉमिनेशन शुरू

नई दिल्ली। पद्म पुरस्कार-2027 के लिए नॉमिनेशन और सिफारिश की प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो गई हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) के अवसर पर की जाएगी। गृह मंत्रालय के अनुसार, पद्म पुरस्कारों के लिए नॉमिनेशन की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। सभी नॉमिनेशन और सिफारिशें सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी। इसके लिए आवेदन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर जमा करना होगा। पद्म पुरस्कार भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं।

सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी आतंकी को किया ढेर

बारामूला। उत्तरी कश्मीर के उड़ी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम बनाते हुए एक आतंकी को मार गिराया। अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि की। विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दी गई सूचना के बाद 14-15 मार्च 2026 की दरमियानी रात को उरी सेक्टर के बुच्छर इलाके में सुरक्षा बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। मारे गए आतंकी के पास से युद्ध जैसे हथियार और सामग्री बरामद हुई है, जिसमें एक एके राइफल, पिस्तौलें और भारी मात्रा में गोला-बारूद शामिल है।

ड्रग्स पार्टी: सांसद और दो पूर्व विधायक हिरासत में

हैदराबाद। हैदराबाद के मोइनाबाद में शनिवार देर रात पुलिस ने एक फार्म हाउस में छापा मारा। पुलिस को सूचना मिली थी कि फार्महाउस में ड्रग पार्टी चल रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छापा मारकर 11 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें आंध्र प्रदेश के टीडीपी सांसद पुट्टा महेश कुमार यादव, बीआरएस नेता पायलट रोहित रेड्डी और राजस्थान के एक पूर्व विधायक शामिल बताए जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस को फार्महाउस से लगभग दो ग्राम कोकीन मिली। जांच में रोहित रेड्डी और राजस्थान के पूर्व विधायक का कोकीन टेस्ट पॉजिटिव आया। वहीं टीडीपी सांसद पुट्टा महेश कुमार यादव का टेस्ट नेगेटिव पाया गया।

इंदौर और जबलपुर की तर्ज पर सभी नगरीय निकायों में बनेंगे गीता भवन

100 निकायों में भूमि उपलब्ध, 4 शहरों में ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर और जबलपुर की तर्ज पर प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन बनाएँ जा रहे हैं। गीता भवन के माध्यम से दार्शनिक वातावरण निर्मित करने का प्रयास है। इन केन्द्रों में युवा पीढ़ी को गीता के निष्काम कर्म और भारतीय मूल्यों से जोड़ने और शोधार्थियों के लिए विशेष संसाधन उपलब्ध कराना गीता भवन का मुख्य उद्देश्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को विस्तार देने के लिए गीता भवन परियोजना को अब वृहद स्वरूप प्रदान किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी 413 शहरों में गीता भवन निर्माण की योजना के लिए 5 वर्षीय कार्ययोजना के वर्ष 2026-27 के लिए 60 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में भारतीय दर्शन, कला और साहित्यिक विमर्श के लिए एक आधुनिक अवसंरचना तैयार करना है। इंदौर और जबलपुर में निर्मित गीता भवन की सफलता को आधार मानते हुए अब इस मॉडल को पूरे प्रदेश में लागू किया जा रहा है। योजना के क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए विभाग ने चार प्रमुख शहरों में ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स को तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इनमें रीवा (5 करोड़ रुपये), छिंदवाड़ा (2.5 करोड़ रुपये), कटनी (2.4 करोड़ रुपये) तथा खंडवा (2 करोड़ रुपये) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 6 नगर निगमों सहित 100 नगर पालिकाओं में ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है, जिनकी डीपीआर को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शेष 313 नगरीय निकायों में भी भूमि का चिन्हांकन कर लिया गया है और जिला कलेक्टरों के माध्यम से आवंटन की प्रक्रिया प्रचलन में है।

ओडिशा में ऑपरेशन लोटस की कोशिश

भुवनेश्वर। राज्यसभा चुनाव से पहले ओडिशा की राजनीति में हलचल मची हुई है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को दावा किया कि 2 लोगों को ओडिशा कांग्रेस के विधायकों को कथित तौर पर रिश्वत देने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ये विधायक यहां के पास एक रिसॉर्ट में ठहरे हुए हैं और यह सब बीजेपी के ऑपरेशन लोटस का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने ऑपरेशन लोटस की योजना बनाई है और ओडिशा के हर विधायक को 5 करोड़ रुपये देने की पेशकश कर रही थी। इन विधायकों को ओडिशा में 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनावों से पहले यहां लाया गया था। ओडिशा के एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बेंगलुरु में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि कुछ लोगों ने पार्टी के विधायकों को रिश्वत देने की कोशिश की और जब विधायकों ने यह पेशकश ठुकरा दी, तो उन्हें धमकाया। कर्नाटक कांग्रेस के

कांग्रेस विधायकों को रिश्वत देने की कोशिश में दो गिरफ्तार

प्रमुख शिवकुमार ने बताया कि निजी रिसॉर्ट में दो लोगों को ओडिशा कांग्रेस के विधायकों को खरीदने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा, चार लोग आए थे। सुरेश नाम के एक स्थानीय व्यक्ति ने उनकी मदद की। उन्होंने (एक विधायक से) ऑनलाइन संपर्क किया। सुबह वे हमारे विधायक को अपने साथ ले गए। उन्होंने कहा, हमारे विधायक ने हमें बताया कि उन्होंने हर वोट के लिए 5 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। जिसके जवाब में कांग्रेस विधायक ने कहा कि वे खरीद-फरोख्त में शामिल नहीं होंगे। शिवकुमार ने आगे कहा, चेक और बाकी सभी चीजें जब्त कर ली जानी चाहिए। पुलिस थाने में शिकायत दर्ज की जाएगी। उसके बाद, जो भी कानूनी कार्रवाई ज़रूरी होगी, वह की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा, आरोपियों ने रिश्वत देने की बात मान ली है और बाकी लोगों का पता लगाने की प्रक्रिया चल रही है। यह बीजेपी के दोस्तों द्वारा कर्नाटक में चलाया गया महान ऑपरेशन लोटस है।

महंगा होने जा रहा है फास्टैग एनुअल पास

नई दिल्ली। पिछले साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुरू किए गए 3000 रुपये के फास्टैग एनुअल पास को इतना प्रसिद्धि मिली कि 50 लाख से अधिक लोगों ने इसका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। लेकिन अब फास्टैग का एनुअल पास खरीदने के लिए आपको थोड़ी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए फास्टैग की एनुअल फीस में बदलाव किया है। 12 मार्च को इस संबंध में एक आदेश जारी किया गया। इसके मुताबिक, वार्षिक पास के लिए अब 3000 रुपये की जगह 3075 रुपये देने होंगे। यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल से लागू

1 अप्रैल से 3000 की जगह 3075 रुपये देने होंगे

हो जाएगी। दरअसल फास्टैग एनुअल पास को नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले लोगों का अनुभव बेहतर बनाने के लिए पेश किया गया था। जिन गाड़ियों में एनुअल पास एक्टिव होता है, उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित टोल प्लाजा से 200 बार तक गुजरने की अनुमति होती है। यह पास एक साल के लिए वैलिड होता है। इनमें से जो भी शर्त पहले पूरी हो जाए। यह सुविधा केवल निजी कारों, जीपों और वैन को मिलती है। इस पहल का उद्देश्य बार-बार टोल भुगतान करने की जरूरत को कम करना और पूरे नेशनल हाईवे नेटवर्क पर फास्टैग के जरिए डिजिटल टोल संग्रह के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देना था।

नेपाल: बस खाई में गिरी, 7 भारतीयों की मौत

***काठमांडू।** नेपाल में एक दर्दनाक सड़क हादसे में भारतीय श्रद्धालुओं से भरी बस पहाड़ी सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में सात भारतीय यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा शनिवार रात उस समय हुआ जब श्रद्धालु प्रसिद्ध मनकामना मंदिर के दर्शन करके वापस लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक बस काठमांडू से करीब 120 किलोमीटर पश्चिम में स्थित शाहिद लखन गांव के पास हादसे का शिकार हुई। बस सड़क से फिसलकर करीब 150 मीटर नीचे पहाड़ी ढलान में लुढ़कती हुई एक गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस के अनुसार हादसे में मारे गए सभी सात लोग भारतीय श्रद्धालु थे। घायलों में सात भारतीय यात्री शामिल हैं, जबकि दो अन्य घायल बस चालक और उसके सहायक हैं, जो नेपाल के रहने वाले हैं।*

प्रतिभा है तो मौके मिलते रहेंगे: चौधरी

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने स्किल विकास पर जोर दिया

आगरा।

संस्कृति, शिक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए आगरा हमेशा से महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। अब स्किल की दुनिया में यह शहर उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। यहां से युवा राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर स्किल और नवाचार पर एक साथ अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। ऐसे में इंडिया स्किल्स उत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता उत्तर भारत के युवाओं की स्किल को मजबूती देने का संदेश देती है। ऐसे मंचों से ही प्रतिभाएं निकलती हैं। कौशल में कोई बाधा नहीं होती, अगर प्रतिभा और मेहनत हो तो मौके बार-बार मिलते हैं। यह बातें केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कही। तारघर स्थित बीएसएनएल ग्राउंड में आयोजित हुए इस इस कार्यक्रम में केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी, कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल और उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इसमें उत्तर भारत के नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 360 से अधिक प्रतिभागी 63 विभिन्न कौशलों का हिस्सा बने।

शराब नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अब हाईकोर्ट के जज को बदलने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। वहीं आप नेता मनीष सिसोदिया ने भी हाईकोर्ट समन मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने हाईकोर्ट के समन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को केजरीवाल, सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को एक्साइज पॉलिसी केस में डिस्चार्ज (रिहा) कर दिया था। इसी दिन सीबीआई ने हाईकोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी। 9 मार्च को हाईकोर्ट ने सीबीआई की याचिका पर केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। 16 मार्च को मामले की सुनवाई होनी है। इस दिन केजरीवाल और सिसोदिया को कोर्ट में जवाब दाखिल करना है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की सीबीआई के एक्साइज पॉलिसी केस को जस्टिस स्वर्ण कांत शर्मा से किसी अन्य पीठ को ट्रांसफर करने की याचिका खारिज कर दी थी।

लक्षद्वीप में बन रहा दुनिया का पहला हाईब्रिड प्लांट

अब समंदर का पानी भी पी सकेंगे

कवरत्ती।

चारों ओर समुद्र से घिरे द्वीपों की दो सबसे बड़ी चुनौती होती हैं- पीने का मीठा पानी और सस्ती ऊर्जा। लक्षद्वीप में इन दोनों का समाधान समुद्र ही देने वाला है। राजधानी कवरत्ती में ऐसा प्लांट तैयार हो रहा है जो समुद्र के तापमान के अंतर से बिजली पैदा करेगा और उसी प्रक्रिया में समुद्री पानी को पीने के पानी में बदलेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) ने ऐसी क्रांतिकारी तकनीक पर काम शुरू किया है, जो इस साल के अंत तक दुनिया के लिए मिसाल बन जाएगी। यह दुनिया का पहला ऐसा हाइब्रिड प्लांट होगा जो समंदर की लहरों से शुद्ध पानी और चौबीसों घंटे बिजली भी पैदा करेगा। नया प्लांट ओशन थर्मल एनर्जी कन्वर्जन (ओटीईसी) तकनीक पर आधारित है। इसमें समुद्र की सतह का गर्म पानी व गहरे समुद्र का ठंडा पानी इस्तेमाल होगा। गर्म पानी को वैक्यूम में डालकर भाप बनाई जाएगी, यह भाप टरबाइन घुमाकर बिजली पैदा करेगी। फिर गहरे समुद्र से लाए गए ठंडे पानी से भाप को ठंडा करके मीठा पानी तैयार किया जाएगा। नया प्लांट रोजाना 1 लाख लीटर मीठा पानी बनाएगा और जरूरत की बिजली खुद पैदा करेगा। इसे चलाने के लिए डीजल या बिजली की जरूरत नहीं पड़ेगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस प्रोजेक्ट को भविष्य की 'ऊर्जा सुरक्षा' का आधार बताया है। लक्षद्वीप के 8 द्वीपों पर पहले से ही लो टेम्परेचर थर्मल डीसैलिनेशन तकनीक से पानी बनाया जा रहा है। इन प्लांट में समुद्री पानी को भाप बनाकर फिर ठंडा करके मीठा पानी तैयार किया जाता है। हालांकि इन्हें चलाने के लिए डीजल जनरेटर से बिजली देनी पड़ती थी।

1000 मीटर नीचे से लाएंगे पानी

कवरत्ती में बन रहे इनोवेटिव प्लांट का सबसे रोमांचक और जटिल हिस्सा है- गहरे समुद्र से ठंडा पानी लाना। इसके लिए वैज्ञानिकों की टीम करीब 3.8 किमी लंबी विशाल पाइपलाइन बिछा रही है। 900 मिमी व्यास वाली यह 'हाई डेंसिटी पॉलीएथीलीन' पाइपलाइन समुद्र के सीने को चीरकर 1000 मीटर नीचे से बर्फीला पानी ऊपर लाएगी। कवरत्ती के लैगून क्षेत्र में इसे वेल्डिंग कर समुद्र में लगाने का काम तेजी से चल रहा है।

रोटरी क्लब द्वारा अयोजित मानवता और सेवा के महाकुंभ का हुआ समापन

ब्रेन कैंसर हार्ट स्पाइन जैसी जटिल एवं गंभीर बीमारियों की जांच के साथ हुई सर्जरी, चिन्हित पंजीकृत मरीजों का आगे भी होगा इलाज

रोटरी राहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 21500 मरीजों का हुआ मुफ्त उपचार

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

रोटरी क्लब मण्डला मैकल एवं जबलपुर, राजकृष्ण तन्खा फाउण्डेशन तथा स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में शासकीय आईटीआई परिसर में आयोजित तीन दिवसीय आयोजित विशाल रोटरी राहत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का 15 मार्च को समापन हो गया। 13 मार्च से 15 मार्च तक चले इस स्वास्थ्य महाकुंभ में 21000 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए। इस शिविर की सफलता का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि शिविर में तीनों दिन मरीजों की खचाखच भीड़ लगी रही। शिविर में किडनी हार्ट न्यूरो ब्लड कैंसर सर्जरी थायराइड शारीरिक विकलांगता ईएनटी, यूरोलॉजी, महिलाओं एवं बच्चों के रोग के साथ कई जटिल रोगों की चिकित्सा के साथ परामर्श दिया गया साथ ही कई जटिल सर्जरी भी की गई। शिविर के समापन होने तक लोग जांच एवं इलाज करवाने आते रहे। शिविर में सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों के द्वारा परामर्श से लेकर सर्जरी एवं अनेक प्रकार के टेस्ट भी किए गए। पंजीकृत मरीजों का इलाज आगे भी चलता रहेगा। शिविर में आए लोगों को जांच के उपरांत निरूशुल्क दवाइयां चिरायु मेडिकल कॉलेज द्वारा वितरित की गई। संभाग में आयोजित यह नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एक व्यापक जन चिकित्सा अभियान बना, जिससे बड़ी संख्या में शहडोल संभाग की जनता लाभान्वित हुई। शिविर में देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों, संस्थाओं और सामाजिक संगठनों का विशेष योगदान रहा। शिविर में गंभीर रूप से चिन्हित रोगियों का आगे भी इलाज करवाया जाएगा। इन्हें देश के बड़े अस्पतालों में उपचार करवाने के लिए रोटरी क्लब का सहयोग मिलता रहेगा। तीन दिवस तक आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 21 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच के दौरान अनेक प्रकार की सर्जरी एवं चिकित्सा की गई। जिनमें ब्रेन के 22, स्पाइन की 80 एमआरआई, एसआर डायग्नोसिस के सहयोग से हुई। इस शिविर के संयोजक राजेश गुप्ता, एवं रोटरी क्लब की अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता एवं सचिव विनोद प्रधान द्वारा शिविर के संबंध के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि शिविर में 18344 पैथोलॉजी ब्लड चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं पैथ क्योर शहडोल द्वारा, 1980 एक्स रे, 592 सोनोग्राफी 109 टूडी इको, 335 ईसीजी, 38 मैमोग्राफी कैंसर की जांच, 156 महिलाओं के सर्वाइकल कैंसर की जांच, 185 ओरल कैंसर स्क्रीनिंग, 65 लंग्स कैपेसिटी टेस्ट एवं दंत चिकित्सा के 50 प्रोसीजर हुए। उन्होंने बताया कि इस शिविर में सुपर स्पेशलिस्ट डॉ विशाल कुंदनानी द्वारा 3 स्पाइन सर्जरी एवं 3 ज्वाइंट रिप्लेसमेंट ऑपरेशन डॉ प्रीतम अग्रवाल, डॉ आदित्य द्विवेदी द्वारा किए गए। नी एंड हिप रिप्लेसमेंट की 3 सर्जरी मुंबई के सर्जन डॉ देवनानी, 7 एंडोस्कोपी गैस्ट्रो सर्जन डॉ ललित निहाल, 2 ऑर्थोपेडिक ट्रामा ऑपरेशन घुटने और कंधों के 12 जॉइंट इंजेक्शन लगाए गए। यह सभी चिकित्सा जिले के आदित्य हॉस्पिटल में हुई। इसी के साथ 4 बायोप्सी और नेफ्रोलॉजी ईएनटी की चिकित्सा भी की गई। शिविर में आंख के मरीजों का ऑपरेशन जिला चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने किया। शिविर में 1438 फिजियोथैरेपी प्रोसीजर मुंबई की टीम द्वारा की गई। शिविर में विशेष रूप से चिरायु मेडिकल कॉलेज की टीम के 300 से भी अधिक स्टाफ उपस्थित रहे। इस टीम में चिरायु हॉस्पिटल के डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, पैथोलॉजिस्ट एवं अन्य विशेषज्ञ विशेष रूप से शामिल रहे। इनके साथ मेदांता द मेड सिटी गुरुग्राम, मणिपाल हॉस्पिटल नोएडा, बॉम्बे हॉस्पिटल, लीलावती हॉस्पिटल मुंबई, बालको कैंसर हॉस्पिटल रायपुर, श्री नारायण हॉस्पिटल रायपुर, अपोलो हॉस्पिटल, जबलपुर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, हितकारिणी मेडिकल कॉलेज जबलपुर, आदित्य हॉस्पिटल शहडोल, अमृता हॉस्पिटल, श्रीराम हॉस्पिटल, हातमी हॉस्पिटल के साथ जिला चिकित्सालय एवं बिरसा मुंडा चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल के चिकित्सा एवं स्टाफ, जिला चिकित्सालय की पैथोलॉजी एवं ब्लड बैंक की टीम का विशेष सहयोग मिला। शिविर को सफल बनाने में कम्युनिटी एक्शन मोटिवेशनल प्रोग्राम के एएमपी संस्था एवं कौशल्या कुंदनानी स्वास्थ्य फाउंडेशन द्वारा भी विशेष सहयोग रहा। राहत शिविर के संयोजक राजेश गुप्ता रोटरी क्लब के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता एवं सचिव विनोद प्रधान द्वारा जानकारी देते हुए बताया गयाकी तीन दिवस तक आयोजित रोटरी राहत निशुल्क स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में जिले समाजसेवी संस्थाओं, पैरामेडिकल, पुलिस, प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का विशेष सहयोग रहा।

विशेष रूप से सहयोग करने वालों में शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज, विवेकानंद पैरामेडिकल, आदित्य हॉस्पिटल, पैथ क्योर पैथोलॉजी, श्रीराम हॉस्पिटल, एसआर डायग्नोसिस, पुलिस विभाग, नगर पालिका परिषद शहडोल, स्काउट विभाग, शासकीय आईटीआई शहडोल, यातायात पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, पत्रकारों एवं मीडिया संस्थाओं एवं स्वयं सेवी संस्थाओं एवं महिलाओं के क्लब के साथ समाजसेवियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुई।

विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। संभागीय संयुक्त संचालक मनीषा लुंबा की उपस्थिति में विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन अंतर्गत दहेज प्रथा उन्मूलन, घरेलू हिंसा प्रतिषेध अधिनियम, बालिकाओं के स्वास्थ्य हेतु आवश्यक पोषण एवं विभागीय योजनाओं के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त संचालक मनीषा लुंबा एवं कॉलेज डायरेक्टर डॉ. हरीश गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। सहायक संचालक संजीता भगत ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि किसी महिला के साथ शारीरिक, मानसिक या आर्थिक किसी भी प्रकार की हिंसा होती है, तो वह वन स्टॉप सेंटर से नि:शुल्क सहायता प्राप्त कर सकती है। परियोजना अधिकारी सतवंत कौर हूरा ने विद्यार्थियों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं की दहेज प्रथा उन्मूलन विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कुमारी ऋचा सेन ने प्रथम, सीमा केवट ने द्वितीय तथा गायत्री अहिरवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वंदना पनिका पर्यवेक्षक, नम्रता यादव एचओडी, भानुप्रिया केसवर्कर, प्रमोद विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय को मिली डायलिसिस मशीन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। सांसद विवेक तंखा द्वारा जिला चिकित्सालय को डायलिसिस मशीन उपलब्ध कराई गई। इस मशीन का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा एवं सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ ने फीता काटकर किया। डायलिसिस मशीन उपलब्ध होने से अब किडनी से संबंधित मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा जिला चिकित्सालय में ही मिल सकेगी और उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी।

युवा कांग्रेस का गैस सिलेंडर प्रदर्शन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। सिलेंडर के बढ़े हुए दाम एवं सरकार द्वारा सिलेंडर की आपूर्ति न कर पाने के कारण आम जनमानस को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके विरोध में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम के मार्गदर्शन में युवा कांग्रेस विधानसभा जयसिंहनगर शेख साजिल सन्नी के नेतृत्व में युवा कांग्रेस ने सिलेंडर रख कर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उक्त कार्यक्रम में सुहैला आशु सत्यम अमन जीत सिंह सिद्धू सत्यम कुशवाहा समीर खान मुस्ता खान गौरव प्यासी शिवा बैगा राहुल शोन्धिया अभिन् सेन इमरान मुश्ताक खान आदित्य यादव सैफ खान बिलाल खान अखिल अरशद सुधनाशु साहिबान खान रशीद खान अखिल अरशद खान किशन बैगा संजीव भास्कर आकिब खान कैफा खान मुस्तकिल खान उबेश खान छोटू अनमोल गज्जु शिवम अंकित भारी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अंतर्गत कंचनपुर सेक्टर के ग्राम पंचायत पचगांव में प्रस्फुटन समितियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक सोहागपुर के तत्वाधान में नवांकुर संस्था सर्व मानव उत्थान जन कल्याण समिति द्वारा कंचनपुर सेक्टर के अंतर्गत ग्राम पंचायत पचगांव में ग्राम स्तर पर कार्यरत समस्त प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों की कार्यक्षमता बढ़ाने, ग्राम विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जन अभियान परिषद की योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला समन्वयक विवेक पांडेय उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक समन्वयक सोहागपुर प्रिया सिंह बघेल ने की कार्यक्रम में नवांकुर संस्था से लोकनाथ नामदेव विषय विशेषज्ञ केपी सिंह जयप्रकाश काछी परामर्शदाता आकांक्षा तिवारी एवं प्रस्फुटन समितियों से आए हुए पदाधिकारी व नवांकुर सखियों की उपस्थिति रहीं अत: मंचासीन अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात ब्लॉक समन्वयक सोहागपुर प्रिया सिंह बघेल ने प्रशिक्षण के विषय वस्तु पर जानकारी देते हुए प्रशिक्षण में उपस्थित प्रशिक्षार्थियो को जन अभियान परिषद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सामाजिक समरसता और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जयप्रकाश काछी एवं के . पी. सिंह द्वारा विषय वस्तु की जानकारी विस्तार से दी गई। प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में परिषद की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने एवं ग्राम विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नवांकुर सखियों ने भी प्रशिक्षण में उत्साह पूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय जी के द्वारा आओ बनाएं अपना मध्य प्रदेश के तहत 9 विषयों पर कार्य करने संबंधी जानकारी देते हुए स्वास्थ्य स्वच्छता जल संरक्षण अत: जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्य करने के विषय पर बताया गया इसके साथ ही स्वैच्छिकता सामूहिकता स्वावलंबन की दृष्टि से हम सभी को मिलकर कार्य करने के विषय पर बताया गया विकासखंड समन्वयक प्रिया सिंह बघेल के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों को एमपीजेएपी ऐप के माध्यम से ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों समितियों की बैठके गतिविधि समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले अभियानों को किस तरह से डैप में डाटा फीड करना है उसकी जानकारी दी गई इसके साथ ही पदाधिकारी,परामर्शदाता, नवांकुर संस्था के साथ पचगांव, जोधपुर, दूधी, लालपुर, कंचनपुर सहित सभी पांचो ग्राम के प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष-सचिव, सदस्य एवं नवांकुर सखियों की उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों द्वारा सभी प्रशिक्षार्थियो को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

अभियोजन अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों का एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) मीडिया सेल प्रभारी मनोज कुमार वर्मा, अभियोजन अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि संचालक, लोक अभियोजन संचालनालय म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार रविवार को नेचर कोर्टयार्ड, बायपास रोड डिण्डौरी में अभियोजन अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अभियोजन अधिकारियों के न्यायालयीन कार्य से संबंधित

विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही एससी/एसटी एक्ट, पॉकसो एक्ट एवं अन्य महत्वपूर्ण अधिनियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यशाला में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी जैसे डीएसपी, निरीक्षक, उपनिरीक्षक, सब-इंस्पेक्टर, आरक्षक एवं महिला आरक्षक सहित अन्य कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि न्यायालय, पुलिस और प्रशासन एक ही माला के मोती हैं तथा इन तीनों विभागों के समन्वय से ही समाज में न्याय व्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने एससी/एसटी एक्ट एवं पॉकसो एक्ट के प्रकरणों में संवेदनशीलता, विश्वास और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पुलिस और सेना की वर्दी का समाज में विशेष सम्मान है और उस सम्मान को बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं, जो आपसी समन्वय से समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कुमार सोनी ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए पॉकसो एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट के मामलों को गंभीरता के साथ पूर्ण विधिक प्रक्रिया के अनुसार संचालित किया जाना चाहिए।

खरगहना में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण सम्पन्न

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में ग्राम विकास को मजबूत बनाने और समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार, 10 मार्च 2026 को ग्राम खरगहना में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर क्रमांकङ्क05 की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य तथा नवांकुर सखी बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के पूजन के साथ हुई। इसके बाद स्वागत एवं परिचय सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों का परिचय कराया गया। ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे ने सभी सदस्यों और नवांकुर सखी बहनों की उपस्थिति लेकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। प्रशिक्षण सत्र के दौरान सेक्टरङ्क05 के मेंटर श्री खिलावन सिंह गौतम ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की परिकल्पना, सामूहिकता, सामाजिक भागीदारी और स्वावलंबन जैसे विषयों पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए।

कैमरे में कैद हुई धोखाधड़ी: पैसे लेते दिखे साहूकार, गहने देने के नाम पर पलटे,वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पीड़ित ने कहा मूलधन व ब्याज चुकाने को तैयार, फिर भी नहीं लौटा रहे जेवर

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में गिरवी रखे गए गहना-जेवरात वापस न मिलने का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम देवरा, पोस्ट मुड़की निवासी लक्ष्मण दुबे ने कोतवाली थाने में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि वर्ष 2016 में पारिवारिक संकट के चलते उन्होंने गोलू जैन और बबलू जैन के पास अपने गहने गिरवी रखकर 2 लाख 50 हजार रुपये का कर्ज लिया था। अब पूरा कर्ज और ब्याज चुकाने के बावजूद भी उन्हें उनका सामान वापस नहीं मिल रहा है।

पीड़ित लक्ष्मण दुबे ने बताया कि वर्ष 2016 में उनके छोटे भाई ज्ञानेश्वर दुबे आग से गंभीर रूप से झुलस गए थे। उनके इलाज के लिए तत्काल पैसों की जरूरत पड़ी, जिसके चलते उन्होंने गोलू और बबलू जैन के पास अपने गहना-जेवरात गिरवी रखकर 2 प्रतिशत मासिक ब्याज की दर से 2,50,000 रुपये उधार लिए थे।

लक्ष्मण दुबे के अनुसार उन्होंने समय-समय पर किस्तों में रकम लौटाई। वर्ष 2020 में 30 हजार रुपये, वर्ष 2021 में 25 हजार रुपये और वर्ष 2022 में 20 हजार रुपये नगद लौटाकर कुल 75 हजार रुपये वापस कर दिए। इसके बाद 22 फरवरी 2026 को उन्होंने मूल और ब्याज सहित कुल लगभग 7 लाख रुपये का भुगतान कर दिया, जिसमें 7 लाख रुपये नगद और 20 हजार रुपये का चेक भी शामिल है। पीड़ित का आरोप है कि इतनी बड़ी रकम चुकाने के बाद भी गिरवी रखे गए गहने पूरी तरह वापस नहीं किए गए। उन्हें केवल कुछ आधे-अधूरे जेवर लौटाए गए, जबकि बाकी गहनों को देने से टालमटोल किया जा रहा है।

लक्ष्मण दुबे ने बताया कि पिछले दो वर्षों से वे कई बार गोलू जैन और बबलू जैन से संपर्क कर गिरवी गहनों का हिसाब करने और उन्हें वापस लेने की बात कर चुके हैं, लेकिन हर बार बहाना बनाकर टाल दिया जाता है। 29 जनवरी 2026 को उन्होंने गोलू और बबलू जैन के परिजनों से भी इस संबंध में चर्चा की, लेकिन वहां से भी कोई समाधान नहीं निकल पाया।

पीड़ित ने कोतवाली थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर मांग की है कि बबलू जैन के पास गिरवी रखे उनके गहना-जेवरात का सही हिसाब कराकर उन्हें वापस दिलाया जाए। उनका कहना है कि थाने में शिकायत करने के बाद फिलहाल मामले में जांच कराने की बात कही जा रही है। इधर इस पूरे लेनदेन से जुड़े कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में बबलू जैन लाखों रुपये नगद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में गहनों की मांग करने पर लेनदेन से ही इंकार करते नजर आ रहे हैं।

पिकअप गाड़ी के पैसों को लेकर विवाद, युवक के घर पहुंचकर गाली-गलौज, समनापुर थाने में शिकायत

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) समनापुर थाना क्षेत्र में पिकअप गाड़ी के लेन-देन को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने थाने में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने गाड़ी में पैसा लगाने का दावा करते हुए उसके घर पहुंचकर गाली-गलौच की और पैसे की मांग करते हुए विवाद किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नान डिंडौरी निवासी रामभजन पिता गणेश प्रसाद राठौर (29 वर्ष) ने समनापुर थाना में दिए आवेदन में बताया कि 13 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1 बजे भवानी ढाबा निवासी गोलू और झांकी निवासी उसका एक साथी उसके घर पहुंचे। दोनों ने पिकअप गाड़ी में करीब 70 हजार रुपये लगाए जाने का दावा करते हुए पैसे वापस करने की मांग की और इस दौरान गाली-गलौच करने लगे।आवेदन में उल्लेख है कि पिकअप गाड़ी को लेकर पहले आपसी लेन-देन हुआ था। आरोपी पक्ष ने गाड़ी कुछ समय तक चलाई भी, लेकिन गाड़ी की लगभग 17,500 रुपये की किस्त जमा नहीं की। जब किस्त और बकाया राशि की मांग की गई तो विवाद की स्थिति बन गई। पीड़ित ने अपने आवेदन में बताया कि उसने उक्त पिकअप गाड़ी करीब 80 हजार रुपये में बेची थी, लेकिन अब तक पूरा भुगतान नहीं किया गया है। इस मामले में बिनोद कुमार परस्ते और मंजु सिंह ठाकुर को गवाह बताया गया है और पुलिस से जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की गई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बम्हनी, जनपद पंचायत समनापुर

दिनांक : 15/03/2026

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बम्हनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बम्हनी बाजार की नीलामी की जानी है। उक्त नीलामी दिनांक 21/03/2026, दिन शनिवार को ग्राम पंचायत भवन बम्हनी में प्रात: 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने हेतु 10,000 (दस हजार रुपये) की जमानत राशि जमा कर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी में सबसे अधिक बोली लगाने वाले व्यक्ति को बाजार का अधिकार प्रदान किया जाएगा। चयनित बोलीदाता को नीलामी की पूरी राशि एकमुश्त जमा करनी होगी। ग्राम पंचायत को नीलामी से संबंधित नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन करने अथवा नीलामी निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सरपंच — रतिराम

सचिव — गेंद सिंह परस्ते

ग्राम पंचायत बम्हनी, जनपद पंचायत समनापुर

आजू-बाजू वालों को योजनाओं की बौछार, सिहोरावासी करते रह गए इंतजार

सिहोरा जिला आंदोलन समिति ने मुख्यमंत्री को याद दिलाया वादा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

सिहोरा जिला आंदोलन के अंतिम चरण में भोपाल गए प्रतिनिधिमंडल से मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि वे जल्द ही सिहोरा आएंगे। लेकिन 26 दिसंबर को किए वादे को 3 माह होने को है। सिहोरा वासी मुख्यमंत्री के सिहोरा आने का इंतजार ही कर रहे है। उक्त बांते कहते हुए सिहोरा आंदोलन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इन तीन महीने में दर्जनों बार जबलपुर और कटनी क्षेत्र में मुख्यमंत्री मोहन यादव के होते दौरे और करोड़ों की होती विकास योजनाओं की घोषणाएं सिहोरा क्षेत्र की उपेक्षा को प्रमाणित कर रही है।

बतां दें कि विगत 26 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री निवास में सिहोरा जिला के संबंध में वार्ता करने गए प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पर तंज कसते हुए कहा था कि सिहोरा भी मध्यप्रदेश में है।

इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद सिहोरा के प्रतिनिधिमंडल से सिहोरा आने का वादा किया और विधायक संतोष बरकड़े को कार्यक्रम बनाने का निर्देश दिया था। तीन माह के लगभग होने को है मुख्यमंत्री के सिहोरा आगमन की कोई जानकारी नहीं है।

सिहोरा की उपेक्षा के गहरे होते घाव

लगातार भाजपा के पक्ष में भारी मतदान के बाद भी अपेक्षित विकास न होने से अपनी नाराजगी सिहोरा की जनता ने सिहोरा जिला आंदोलन में बढ़ चढ़कर दिखाई। 3 दिसंबर से चला आंदोलन 26 दिसंबर को मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ था। ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि इस पनपे आक्रोश को मुख्यमंत्री स्वयं सिहोरा आकार समाप्त करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ।उपेक्षा के घाव और गहरे होते जा रहे है। जिला का सपना लिए मुख्यमंत्री की ओर टकटकी लगाए सिहोरा वासी हैरान है कि जबलपुर कटनी दर्जनों बार आकार करोड़ों की विकास योजनाओं का शुभारंभ करने वाले मुख्यमंत्री सिहोरा क्यों नहीं आ रहे है। सरकार के एजेंडे में न तो कभी सिहोरा था और न ही अब दिखाई दे रहा है। लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के अनिल जैन, विकास दुबे, कृष्ण कुमार कुरेरिया,मानस तिवारी, संतोष पांडे, संतोष वर्मा, अमित बक्शी, सुशील जैन, नितेश खरया, रामजी शुक्ला, प्रदीप दुबे, नवीन शुक्ला, नंदू परोहा आदि ने मुख्यमंत्री से वादा निभाते हुए सिहोरा आगमन की बात कही है।

ट्रांसमिशन प्रोटेक्शन सिस्टम पर कर्मचारियों ने ली तकनीकी जानकारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के परीक्षण संभाग, सिंगरौली के संभागीय कार्यालय में रिले प्रोटेक्शन सामान्य परिचय विषय पर एक उपयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य ट्रांसमिशन सिस्टम की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की तकनीकी जानकारी को अद्यतन करना था। कार्यक्रम का आयोजन कार्यपालन अभियंता श्री बिजक कुमार प्रिये के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण सत्र में विशाल भालाधरे (सहायक अभियंता-परीक्षण) सहित अन्य विशेषज्ञों ने रिले प्रोटेक्शन प्रणाली, उसके संचालन, महत्व तथा ट्रांसमिशन सिस्टम की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर संभाग के सभी सहायक अभियंता (सबस्टेशन), कनिष्ठ अभियंता (सबस्टेशन), सबस्टेशन प्रभारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नागरिक सुरक्षा क्षमता संवर्धन योजना प्रशिक्षण में जिनसार के विद्यार्थियों ने लिया भाग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला कलेक्टर एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा के बैनर तले होमगार्ड जबलपुर द्वारा एनएसएस के स्वयं सेवको को केन्द्र सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी योजना नागरिक सुरक्षा क्षमता सर्वधन योजना के अर्न्तगत लगातार विभिन्न चरणो में प्रशिक्षित किया जा रहा है। भोपाल में 16 से 18 मार्च तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन मप्र के गृह विभाग द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का उददेश्य छात्राओ को आपदा प्रबन्धन हेतु तैयार करना है जिससे वे आपातकाल में सेना के साथ कन्धा से कन्धा मिलाकर देश की सेवा कर सके। इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए जबलपुर इन्स्टीट्यूट आफ नर्सिंग साइंस के एनएसएस के स्वयंसेवको का दल प्राचार्य प्रो प्रिन्सी साजी के मार्गदर्शन कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनूप तिवारी के निर्देशन तथा महाविद्यालय की अध्यापिकाओ मार्टिना पाल एवं अन्नू कुशवाहा की अगुवाई में रवाना हो गया है। भोपाल में दिनांक आज 16 मार्च को पुलिस मुख्यालय में प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरूआत होगी कार्य में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव छात्राओ को सम्बोधित करेंगे। कार्यशाला में डीजीपी पुलिस, डीजी होमगार्ड मप्र अपना उदबोधन देगे। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सम्पूर्ण मप्र से आये स्वयंसेवको को आपदा प्रबन्ध का प्रशिक्षण विषेशज्ञो द्वारा दिया जावेगा।

समाज को संगठित करने के लिए परिचय सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण

विश्वकर्मा समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। श्री विश्वकर्मा महासंगठन मध्यप्रदेश द्वारा मानस भवन में आयोजित विश्वकर्मा समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार को सफ लतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में लगभग 150 युवक-युवतियों ने मंच से अपना परिचय दिया, जबकि बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, परिजन एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम समाज में आपसी परिचय, एकता और वैवाहिक संबंधों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक प्रेरणादायी मिसाल बनकर सामने आया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री विश्वकर्मा के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद मंच पर एक-एक कर युवक-युवतियों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता, व्यवसाय, पारिवारिक पृष्ठभूमि और जीवन लक्ष्य के बारे में परिचय दिया। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के योग्य युवक.युवतियों को एक मंच प्रदान करना और विवाह योग्य युवाओं के लिए उचित जीवनसाथी के चयन की प्रक्रिया को सरल बनाना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ऐसे परिचय सम्मेलन समाज को संगठित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आयोजन के दौरान सांसद आशीष दुबे, विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय, अध्यक्ष रमेश विश्वकर्मा, एड ओ पी विश्वकर्मा, अरविंद विश्वकर्मा, रविंद्र विश्वकर्मा, रामबाबू विश्वकर्मा, शरद विश्वकर्मा, अजय गोविंद विश्वकर्मा, कमलेश विश्वकर्मा, अजय शर्मा, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, प्रियंक विश्वकर्मा, कृष्णा गोपाल विश्वकर्मा, महेश विश्वकर्मा, निरंजन विश्वकर्मा, ऋषि विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सिहोरा ज्वालामुखी द्वारा बाबाताल शिव मंदिर के मेले में आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी 13 मार्च को आयोजित की गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य संचालिका बीके कृष्णा दीदी उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी में आध्यात्मिक जीवन, आत्मा, परमात्मा और जीवन के रहस्यों से जुड़े चित्रों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शनी में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क प्रवेश रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर सकें।

सूदखोरों से भी दो कदम आगे बढ़ा बैंक ऑफ इंडिया!

बिना बताए ही कर्जदार की बढ़ा दी कई किश्तें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कोविद-21 संगठन ने पत्रकार वार्ता में बैंक ऑफ इंडिया पर बिना बताए कर्जदार की कई किश्तें बढ़ाने के आरोप लगाए हैं।

उन्होंने बताया कि पंचशील नगर निवासी रजनीश कपूर की विवशता भरी कहानी। उन्होंने वर्ष 2010 में बैंक ऑफ इंडिया की सदर शाखा से 9 लाख रुपये का गृह ऋण लिया था। उस समय तय हुआ था कि वे 15 वर्षों (180 किश्तों) में यह कर्ज चुका देंगे। दस वर्षों तक उन्होंने नियमित रूप से ईएमआई का भुगतान किया। फिर 2020 में जब वे ऋण समाप्त करने के लिए बैंक पहुंचे, तो उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। दरअसल बैंक ने बिना कोई पूर्व सूचना दिए, बिना उनकी सहमति लिए, किश्तों की संख्या बढ़ाकर 213 कर दी थी। रजनीश कपूर ने भरे कंठ से कहा कि बैंक ने मुझे कभी यह नहीं बताया कि ब्याज दर में बदलाव हुआ है। न ही ईएमआई बढ़ाने का विकल्प दिया, न ही अवधि बढ़ाने की कोई चर्चा की। यह सीधे-सीधे भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। 2020 में जब बाजार में होम लोन की दरें 7-8 प्रतिशत के आसपास थीं, उनके खाते से पौने 11 प्रतिशत तक ब्याज वसूला गया। साथ ही, बिना किसी कारण के 5,500 रुपये अनाधिकृत रूप से काट लिए गए।

जाने-अनजाने हस्ताक्षरों का खेल, जानबूझकर रखते हैं अंग्रेजी फार्म

कोविद-21 के संयोजक असीम त्रिवेदी ने इस पूरे प्रकरण को एक सुनियोजित धोखाधड़ी करार दिया और कहा कि सभी बैंकों में यही कहानी है। अनाप-शनाप ब्याज दरें, छिपे हुए चार्ज, बिना अनुमति बीमा थोपना, सेविंग अकाउंट से मनमानी कटौती-यह सब कुछ इतना भयावह है कि आम आदमी की समझ से बाहर है। बैंक जानबूझकर सभी फॉर्म केवल अंग्रेजी में रखते हैं, ताकि ग्राहक बिना समझे हस्ताक्षर कर दे और बाद में उन्हीं कागजों के सहारे उनका गला रेत दिया जाए। पत्रकार वार्ता में प्रशांत अवस्थी, शैलेश पाठक, वैभव पाठक, विनीत टेहेनगुनिया आदि उपस्थित रहे।

पुरस्कार पाकर खिल उठे चेहरे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चंचलबाई महिला महाविद्यालय के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि का दायित्व निभाते हुए नगर के सुप्रसिद्ध शिक्षाविद एवं साहित्यिक, सांस्कृतिक विधाओं में रुचि रखने वाले प्रो. एच.बी.पालन ने छात्राओं को आशीष वचन देते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि विज्ञान के नियम -अवलोकन, प्रयोग और निष्कर्ष को अपनाया जाए द्य चीजों को एवं स्थितियों को देखें, परखें,सीखें,अपनाएं और निरंतर क्रियाशील रहे द्य महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने महाविद्यालयएवं छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना कीद्य अध्यक्षीय उदबोधन में प्राचार्य डॉ.वंदना पाण्डेय ने विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभाओं की सराहना की तथा उन्हें सतत सदकार्यों में सक्रिय रहने प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन उपप्राचार्य डॉ. संजुल शर्मा एवं आभार प्रदर्शन सांस्कृतिक प्रभारी पूर्णिमा सोनी ने किया। पुरस्कार वितरण समारोह में कुल 67 मेडल प्रदान किए गए । मेडल एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली छात्राओं में शिवानी रजक, पलक जोशी, सोनाली चौधरी, श्रेया श्रीवास्तव मुस्कान नेखर, प्राची कुशवाहा, प्राची यादव एवं तनु आदि प्रमुख रहेद्य समारोह में डॉ. सुनीता खरे, जितेंद्र दरेकर, श्रेया पाठक, मनीष मेमने, मुकेश लाडंगे, चमन पासी एवं कु दुर्गेश की उपस्थिति रही।

किताबों का नहीं आत्मा का विषय है योग

महाकोशल महाविद्यालय में योग पर वैश्विक मंथन, 18 राज्यों के शोधार्थी हुए शामिल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, महाकोशल महाविद्यालय में भारतीय दर्शन और योग के माध्यम सेद्द जीवन जीने की कला और अनुशासन पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य विषय भारतीय दर्शन और योग: एक शारीरिक और मानसिक अनुशासन रखा गया। आज आयोजित प्रथम तकनीकी सत्र में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के योग विभागाध्यक्ष डॉ. भरत तिवारी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में शासकीय महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ. मोहितास शर्मा और इसी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मनोज शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। संगोष्ठी की शुरुआत में वक्ताओं ने वर्तमान समय में योग की प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए।

योग और भारतीय दर्शन का जीवन में महत्व

मुख्य अतिथि डॉ. भरत तिवारी ने सत्र को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि भारतीय दर्शन और योग को मात्र किताबी ज्ञान समझना उचित नहीं है, बल्कि यह वास्तविकता में जीवन जीने की एक श्रेष्ठ कला है।

संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन के प्रति शोधार्थियों में भारी उत्साह देखा गया। उन्होंने जानकारी दी कि दोनों तकनीकी सत्रों के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों को मिलाकर देश के 18 राज्यों से लगभग 100 शोध पत्रों का वाचन किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए लगभग 300 प्रतिभागियों ने अपना पंजीयन कराया था।

कार्यक्रम के दौरान मंच का कुशल संचालन डॉ. जागेश्वर प्रजापति द्वारा किया गया। संगोष्ठी के अंत में सभी आगंतुकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने किया।

इस गरिमामय आयोजन में डॉ. पवन तिवारी, डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. सुनील दत्त लखेरा, डॉ. कौशल सिंह गुर्जर, डॉ. मूर्तिदास यादव और डॉ. राजेश शामकुंवर की सक्रिय सहभागिता रही।

आधी रात को सड़कों पर उतरी पुलिस, अपराधियों में मचा हड़कंप

कांबिंग गस्त में एक ही रात में 280 वारंटों की तामीली

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आगामी त्यौहारों व सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देशन में जबलपुर पुलिस ने बीती रात एक बड़ा अभियान चलाया। शनिवार रात 9 बजे से रविवार तड़के 2 बजे तक चली इस विशेष कांबिंग गस्त में पुलिस ने जिले भर से 280 वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीमें बनाई गई, एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। इसके साथ ही क्राईम ब्रांच की टीमें भी लगाई गयी । टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान कई वर्षों से फरार 132 गैर म्यादी वारंटियों एवं 81 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 67 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। अधिकांश आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। इसके साथ ही कांबिंग गस्त के दौरान सक्रिय गुंडे बदमाशों को चेक करते हुए देर रात आने जाने वालों से रोक-टोक पूछताछ एवं रेलवे स्टेशन तथा बस स्टैंड के साथ-साथ मुसाफिरखाना में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग की गई।

25 साल के विजन को लेकर कार्य करना मेरी प्राथमिकता: डॉ अभिलाष पाण्डेय

जनता को समर्पित किए 12 ट्रांसफार्मर, 390 नए पोल और 20 किमी केबिल

जबलपुर स्वतंत्र मत)।

उत्तर मध्य विधानसभा में विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने रविवार को विकास कार्यों की वृहद श्रृंखला के अंतर्गत अनेक वार्डों में नई सौगातें प्रदान की, जिसमें प्रमुखता से उत्तर मध्य विधानसभा में विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ीकरण करना जिसके अंतर्गत नए ट्रांसफार्मर, नए पोल लगाना एवं शिफ्ट करना, केबिलीकरण करना आदि के कार्य करके लोगो को राहत पहुंचाने का कार्य किया गया। विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि दीनदयाल वार्ड स्थित विजयनगर संभाग के अंतर्गत अतिरिक्त ट्रांसफार्मर 200 केवीए के 4 एवं 100 केवीए के 5 स्थापित किए गए कुल लागत राशि 81 लाख 50 हजार है। डॉ पाण्डेय ने बताया कि योजना के अंतर्गत उत्तर विधानसभा के महाराजा अग्रसेन वार्ड राजीव गांधी बस्ती में एवं विवेकानंद वार्ड में 390 नवीन पोल स्थापना एवं केबल डाली जानी है जिसकी कुल लागत लगभग 1 करोड़ 41 लाख रुपए है। इसके साथ ही डॉ पाण्डेय ने बताया कि पश्चिम संभाग अंतर्गत तीन ट्रांसफार्मर जिसकी एक ट्रांसफार्मर की लागत 8 लाख रूपए है। जिसकी कुल लागत 24 लख रुपए है उनको भी जनता को समर्पित किया गया है, जिसका सीधा लाभ गोविंद वल्लभ पंत वार्ड,राजीव गांधी वार्ड,जवाहर गंज वार्ड एवं तिलक वार्ड को मिलेगा।डॉ पाण्डेय ने कहा कि हम आने वाले 25 वर्ष के विकास के लक्ष्य को लेकर कार्य कर रहे हैं जिसमें हमारा ध्यान विकास कार्यों को योजनाबद्ध रूप से एवं उनमें गुणवत्तापूर्ण कार्य हो इसमें है। इसी के साथ चेरिताल वार्ड में पारिजात बिल्डिंग के पास 12 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस दौरान मंडल अध्यक्ष सपन यादव, दिलीप पटेल, पुष्पराज पाण्डेय, अमर पटेल, पार्षद प्रतिभा भापकर आदि उपस्थित रहे।

खाद्य प्रतिष्ठानों पर इस्तेमाल हो रही थी घरेलू गैस, हुई ताबड़तोड़ कार्यवाही

शहर के अलग-अलग स्थानों पर जिला प्रशासन की टीम ने दी दबिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रसोई गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर सख्ती से लगाम लगाने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग की संयुक्त कार्यवाही रविवार को भी जारी रही। शहर में आधारताल तहसील के अंतर्गत रविवार को 11 घरेलू तथा 2 कमर्शियल रसोई गैस सिलेंडरों को जब्त किया गया है। संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन के नेतृत्व में विजय नगर चौपाटी में की गई आकस्मिक निरीक्षण की कार्यवाही में व्यावसायिक इस्तेमाल पाये जाने पर तीन घरेलू रसोई सिलेंडर को जब्त किया गया है। वहीं, जयप्रकाश नगर आधारताल में हॉकर के निवास से दो कमर्शियल और एक घरेलू रसोई गैस सिलेंडर जब्त किये गये हैं।

इन जगहों पर भी हुई कार्यवाही

इसी प्रकार आधारताल में अग्रवाल स्वीट्स से एक घरेलू रसोई गैस सिलेंडर, रानीताल स्थित जायका रेस्टोरेंट से एक घरेलू रसोई गैस सिलेंडर, रानीताल में ही श्रीराम रेस्टोरेंट से दो घरेलू रसोई गैस सिलेंडर तथा जय नगर स्थित अंशुल रेस्टोरेंट से तीन घरेलू रसोई गैस सिलेण्डर व्यावसायिक इस्तेमाल पाये जाने पर जब्त किये गये हैं।कार्यवाही में प्रभारी आपूर्ति नियंत्रक प्रमोद मिश्र, नायब तहसीलदार राजेश मिश्रा, कार्यालिक मजिस्ट्रेट नीतू बागरी, कनिष्ठ आपूर्ति नियंत्रक राजधर साकेत एवं गुंजन सिंह शामिल रहे।

धर्मांतरण के नाम पर हंगामा

दोनों पक्षों को पुलिस ने थाने लाया, जांच विवेचना शुरू

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र में कथित धर्मांतरण के आरोप में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल से जुड़े तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के अलावा कुछ स्थानीय लोगों ने रविवार को नगर के वार्ड क्रमांक 12 छतेरा में एक घर में पहुंचकर जमकर हंगामा किया। विरोध करने वाले लोगों ने क्रिश्चियन धर्म को मानने वाले लोगों के द्वारा की जा रही प्रार्थना सभा पर आपत्ति जताई और डायल 112 पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल यानी जिस घर में प्रार्थना हो रही थी वहां डायल 112 में तैनात पुलिस कर्मचारी की मौजूदगी में जमकर जय श्री राम के नारे लगाए गए। हिंदू धर्म के मानने वाले लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि क्रिश्चियन धर्म को मानने वाले लोगों के द्वारा उनके धर्मांतरण का विरोध करने पर भगवान श्री राम और राम भक्त हनुमान को गाली दी गई। जिसके बाद हिंदू धर्म को मानने वाले लोगों में भयंकर गुस्सा देखा गया। गुस्साई भीड़ उस घर के भीतर प्रवेश करने की कोशिश करने लगी जहां प्रार्थना हो रही थी। ऐसे में डायल 112 में तैनात पुलिस जवान ने थाने से सपंर्क कर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया। पुलिस ने प्रार्थना कराने के लिए नागपुर से आए पास्टर (आराधक) मनोज बोपचे और अन्य लोगों को अपने साथ सुरक्षित थाना लाया। वहीं प्रार्थना सभा में विरोध करने वाले लोगों को भी थाने बुलाया गया। दोनों ही पक्ष थाने पहुंचे जहां उनके कथन दर्ज किए गए। थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम के मुताबिक यह बात साबित नहीं हो पाई की प्रार्थना सभा में मौजूद लोगों के द्वारा किसी को प्रलोभन देकर उनका धर्मांतरण करवाया गया प्रार्थना सभा में मौजूद तमाम लोगों ने बताया कि वह स्वेच्छा से प्रार्थना सभा में एकत्रित हुए।

यह है पूरा मामला

वार्ड क्रमांक 12 छतेरा निवासी सोमकुमार उर्फ सोनू ठाकरे का परिवार करीब 10-12 वर्षों से क्रिश्चियन धर्म का अनुसरण कर रहा हैं। बीते कुछ वर्षों से उनके निवास पर प्रत्येक रविवार को प्रार्थना सभा का आयोजन होता है। रविवार 15 मई की सुबह करीब साड़े 10 बजे प्रार्थना सभा हुई जैसे ही यहां क्रिश्चियन धर्म के अनुयायी पहुंचे और प्रार्थना शुरू हुई। प्रार्थना के शुरू होते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी और स्थानीय लोग यहां पहुंचकर हंगामा करने लगे। जिन्होंने आरोप लगाया कि यहां पर प्रार्थना सभा के बहाने धर्मांतरण करवाया जा रहा है। हिंदू धार्मिक संगठन के पदाधिकारियों ने ही पुलिस को सूचना दी और पुलिस मौके पर पहुंची। बजरंग दल प्रखंड संयोजक निक्की ठाकुर के अनुसार उन्हें स्थानीय लोगों से शिकायत मिली थी कि सोनू ठाकरे के यहां बीते कुछ महीनों से प्रार्थना सभा में धर्मांतरण होता है और पीछे एक चर्च की स्थापना हो रही है। जिसकी थाने में सूचना की गई थी और आज यहां देखने के लिए आए थे कि यहां क्या हो रहा है तो यहां मौजूद महिलाओं ने हिंदू धर्म के भगवान को गाली-गलौज की गई। जब उनसे पूछा गया कि क्या किसी को धर्मांतरण करने के लिए प्रलोभन दिया गया और चर्च बनाना गलत बात है तो वह यह नहीं बता पाए कि किसे धर्मांतरण के लिए प्रलोभन दिया गया और उन्होंने पूरे दावे के साथ कहा कि यहां चर्च बनने नहीं दिया जाएगा। इसी वार्ड के सुभाष खड़से ने भी आरोप लगाया कि यहां धर्मांतरण होता है लेकिन किसी प्रलोभन दिया गया वह भी यह बात नहीं बता पाए। प्रार्थना सभा में आने वाली एक महिला अनुयायी माधुरी नागवंशी जो पेशे से एक शिक्षक है उन्होंने बताया कि उन्हें किसी प्रकार का कोई प्रलोभन नहीं दिया गया बल्कि स्वेच्छा से आ रही है। उनके जीवन में कोई परेशानी आने के बाद उन्होंने क्रिश्चियन धर्म को चुना। प्रार्थना सभा में बीसापुर से आने वाली ममता ठाकरे ने भी बताया कि उन्हें किसी प्रकार का कोई प्रलोभन नहीं दिया गया वह भी स्वेच्छा से ही क्रिश्चियन धर्म की अनुयायी बनी है।

यह भी जान लीजिए

भारतीय संविधान के तहत धर्म की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 25-28) है, जो हर नागरिक को अपनी पसंद का धर्म मानने, उसका पालन करने और प्रचार करने की पूरी आज़ादी देता है। वहीं किसी को धर्म बदलने के लिए मजबूर करने, बहलाने-फुसलाने या लालच देने पर 10 साल तक की सजा का प्रावधान है और भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 298/302 में अपराध पंजीबद्ध होता है।

इनका कहना है

धर्मांतरण कराने की पुलिस को शिकायत प्राप्त हुई थी जब दोनों ही पक्षों से कथन लिए गए तो यह बात स्पष्ट नहीं हो पाई कि किसी को पैसों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण करवाया जा रहा था। प्रार्थना सभा में आने वाले लोगों से भी बातचीत की गई।

धमेन्द्र कुसराम
थाना प्रभारी कटंगी

50 लाख की जबरन वसूली का आरोप ट्रेवल एजेंसी संचालक गिरफ्तार

पुलिस ने निकाला जुलूस, न्यायालय में किया पेश

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। शहर में जबरन वसूली और धमकी से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए ट्रेवल एजेंसी संचालक राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा को गिरफ्तार कर उसका रिक्रिएशन करते हुए जुलूस निकाला। पुलिस की इस कार्रवाई से शहर में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार 14 मार्च को गोंदिया रोड निवासी रमन गौतम ने कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके मकान स्थित गौतम कॉम्प्लेक्स में संचालित दो दुकानों के किरायेदार राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा (अंजली ट्रेवल्स) और धीरज जोतवानी (मॉम्स किचन) द्वारा उन पर मकान और दुकानों की रजिस्ट्री अपने नाम कराने का दबाव बनाया जा रहा था। पीड़ित के अनुसार भवन काफी जर्जर हो चुका है और नगरपालिका द्वारा उसे डिस्मेंटल करने का नोटिस भी दिया गया है। इस कारण उन्होंने दोनों किरायेदारों से दुकान खाली करने का अनुरोध किया था। आरोप है कि इसके बाद दोनों आरोपियों ने जगह खाली करने से इनकार कर दिया और उल्टा मकान की रजिस्ट्री अपने नाम कराने का दबाव बनाने लगे। जब रमन गौतम ने रजिस्ट्री से इंकार किया तो आरोपियों ने 50 लाख रुपये की अवैध मांग करते हुए रकम नहीं देने पर परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी। लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद प्रथम दृष्टया अपराध पाए जाने पर दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2), 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा शहर में अंजली ट्रेवल्स के नाम से ट्रेवल एजेंसी संचालित करता है और उस पर पहले से भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, कूट रचना, मारपीट और अन्य अपराधों से जुड़े कुल पांच प्रकरण पहले से दर्ज हैं, जबकि वर्ष 2024-25 में उसके खिलाफ 12 से अधिक शिकायतें विभिन्न पुलिस कार्यालयों में प्राप्त हो चुकी हैं। इन शिकायतों में सूदखोरी, ब्लैकमेलिंग, चेक के दुरुपयोग और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर संपत्ति हड़पने जैसे आरोप शामिल हैं। फिलहाल पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि दूसरे आरोपी धीरज जोतवानी से पूछताछ और जांच जारी है।

गौ-तस्करी का आरोप लगाकर की अड़ीबाजी

पीड़ितों ने थाने पहुंचकर की शिकायत, कानूनी कार्रवाई करने की रखी मांग

कटंगी (स्वतंत्र मत)। कटंगी शहर के साप्ताहिक मवेशी बाजार से कृषि कार्य के लिए मवेशी खरीदकर लेकर जा रहे एक युवक पर गौतस्करी करने का कथित आरोप लगाकर उसके साथ अड़ीबाजी कर पैसों की मांग करने का मामला प्रकाश में आया है। अड़ीबाजी करने वाले दो लोगों पर इस पूरे मामले में पीड़ित का बचाव करने के लिए आने वाले अनुसूचित जाति समाज के एक युवक के साथ कथित तौर पर जातिसूचक गाली-गलौज और मारपीट का भी आरोप है। इस घटना के बाद पीड़ितों ने कटंगी

थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाते हुए कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। टुईयापार निवासी पीड़ित आकाश कड़काड़े और मोहगांव निवासी मुकेश टांडेकर ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अतरी निवासी अंकित राहंगडाले और एक अन्य युवक ने अड़ीबाजी की जातिसूचक गाली-गलौज की और फिर मारपीट की है। घटना गत दिवस 13 मार्च दिन शुक्रवार की सुबह करीब साड़े 11 बजे ग्राम मोहगांव की बताई गई है। आकाश के मुताबिक वह अपने साथी जितेन्द्र के साथ कटंगी के साप्ताहिक मवेशी बाजार मवेशी खरीदने के लिए आया था। मवेशी खरीदकर पैदल मवेशी को हांकते हुए अपने घर की तरह वापस जा रहा था। इस दौरान मोहगांव में मुकेश टांडेकर के घर के बाजू में अंकित ने उसे रोका और बैलों की खरीदी-ब्रिक्री की पर्ची दिखाने कहा। आकाश के पर्ची दिखाने पर अंकित ने उसे कहा यह बैल कत्लखाने लेकर जा रहा है। 05 हजार रुपए देने पड़ेगे जब आकाश ने पैसा देने से इनकार किया तो अंकित और उसका साथी आकाश के बैलों के सामने अड़ गया। इस पूरी घटना के बीच में आकाश ने अपनी पहचान के मुकेश को घटनास्थल पर बुलाया। मुकेश को अंकित ने जातिसूचक शब्दों से गाली-गलौज कर मारपीट की है।

इस पूरे मामले में अंकित ने भी अपना पक्ष रखते हुए बताया कि उन्होंने किसी प्रकार की जातिसूचक गाली-गलौज नहीं की है। वह पूर्व में मवेशी बाजार का ठेका चला रहे थे जिस व्यक्ति को रोका गया था वह मसला पुराने पैसों का है।

घायल तेंदुए का सफल रेस्क्यू, उपचार के लिए कान्हा भेजा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। वन परिक्षेत्र बालाघाट सामान्य अंतर्गत बीट अगरवाड़ा के राजस्व क्षेत्र में घायल अवस्था में मिले एक तेंदुए का वन विभाग की टीम ने सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे उपचार के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार दिनांक 13 मार्च 2026 को सुबह लगभग 8 बजे सुरक्षा श्रमिकों द्वारा बीट अगरवाड़ा क्षेत्र में एक तेंदुए को घायल अवस्था में देखे जाने की सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन संरक्षक वनवृत्त बालाघाट श्री गौरव चौधरी एवं वन मंडल अधिकारी दक्षिण सामान्य बालाघाट श्री निथ्यानंतम एल के मार्गदर्शन में उप वन मंडल अधिकारी बालाघाट सामान्य

श्रीमती विनिता फूलबेल तथा वनक्षेत्रपाल बालाघाट सामान्य श्री हिमांशु राय के नेतृत्व में वन विभाग की रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

मौके पर पहुंचकर टीम ने स्थिति का आकलन किया। घायल तेंदुआ घनी झाड़ियों के बीच बैठा हुआ था। वन्यजीव और स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग की टीम ने तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर दी, ताकि तेंदुए को किसी प्रकार की हानि न पहुंचे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश भोपाल की अनुमति के बाद स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ जबलपुर से पहुंचे वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम ने तेंदुए को बेहोश करने के लिए ट्रैंकुलाइज़र गन का उपयोग किया। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात्रि 8:20 बजे करीब 1 से 2 वर्ष आयु की मादा तेंदुए को सुरक्षित ट्रैंकुलाइज कर सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया।

रेस्क्यू के बाद तेंदुए का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ जबलपुर के प्रोफेसर डॉ. सोमेश सिंह की टीम तथा जिला पशु चिकित्सालय बालाघाट के पशु चिकित्सक डॉ. बादल पटले के सहयोग से किया गया। बेहतर उपचार एवं चिकित्सीय देखरेख के लिए तेंदुए को कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला भेजा गया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि भविष्य में कहीं भी वन्यजीव दिखाई दें तो तुरंत वन विभाग को सूचना दें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम किया जा सके।

नेशनल लोक अदालत संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में वर्ष 2026 की प्रथम लोक अदालत एवं जन-जन तक न्याय सुलभ कराने के उद्देश्य की अवधारणा को साकार रूप प्रदान करने के लिए ए.डी.आर. सेंटर भवन जिला न्यायालय परिसर उमरिया में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा की अध्यक्षता में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उमरिया मोहन डावर के सक्रिय सहयोग से नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु 10 खण्डपीठों का गठन किया गया, जिसमें 07 जिला न्यायालय उमरिया में, तहसील न्यायालय बिरसिंहपुर पाली में 02 तथा तहसील न्यायालय मानपुर में 01 खण्डपीठ गठित की गई। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा द्वारा सरस्वती की छायाप्रति में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।जिला न्यायालय उमरिया के अंतर्गत मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में से कुल-प्रकरण लोक अदालत में रैफर किये गये, जिनमें से 16 प्रकरणों में कुल 5 प्रकरण निराकृत हुये एवं राशि 1240000 रूपये का एवार्ड पारित किया गया। धारा 138 के अंतर्गत 90 रैफर प्रकरणों में से 22 प्रकरण निराकृत हुए तथा 9600/- राशि रूपये के एवार्ड पारित किये गये। न्यायालय में लंबित आपराधिक समनीय मामलों में 581 प्रकरण रखे गये, जिसमें 139 प्रकरणों का निराकरण हुआ। वैवाहिक प्रकरणों के निराकरण हेतु कुल 4 प्रकरण रखे गये, जिसमें से 1 प्रकरण को राजीनामा के माध्यम से निराकृत किया गया और कुल 431 लोग लाभांवित हुए। अन्य प्रकरणों में 121 प्रकरण रखे गये, जिसमें 31 प्रकरणों को निराकरण किया गया तथा 4000 राशि रूपये का एवार्ड पारित किया गया।

प्रीलिटिगेशन स्तर पर बैंक रिकवरी के 1567 प्रकरण में से 37 प्रकरण का निराकरण किया गया तथा 446200 राशि रूपये बैंकों जमा हुई, इसी प्रकार नगरपालिका के जलकर के 165 प्रकरणों में से 77 प्रकरण निराकृत हुए और 317000 राशि रूपये की वसूली की गई। आयोजित नेशनल लोक अदालत सफल रही और न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में कमी आई।इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रियदर्शन शर्मा, अरूण प्रताप सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, अहमद रजा, द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश, रामसहारे राज, नोडल अधिकारी.तृतीय अपर जिला न्यायाधीश, श्री दीपक कुमार अग्रवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, वीणा खलखो, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड, मोहन डावर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उमरिया, आशीष धुर्वे, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड, सरफराज खान, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड, श्रीमती पल्लवी सिंह, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड, पुष्पराज सिंह, अध्यक्ष अधिवक्ता, पैनल अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के कर्मचारीगण एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे एवं उपस्थित समस्त जनों द्वारा अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया गया।

नौ माह पहले बने मानपुर बाईपास सड़क की पटरी नाली और गड्ढों में हुये तब्दील

मानपुर (स्वतंत्रमत)

मानपुर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुश्री मीना सिंह जी के कठिन प्रयास से मानपुर बाई पास रोड का चौड़ीकरण के सांथ निर्माण करवाया गया था। करोड़ों के लागत से यह सड़क जून-जुलाई 2025 में बनकर तैयार हुआ था। इस सड़क निर्माण के समय मुरुम के जगह रेतीली मिट्टी को बिछवाने की खबर जोरों से चल रहा था, जहां मिली भगत के ताकत से इस ठेकेदारी निर्माण कार्यों की जांच एवं कार्यवाही करने में लोक निर्माण विभाग के हांथ कांप रहे थे.! वहीं सड़क निर्माण के दूसरे महीने के वर्षात ने पूरी सच्चाई का उजागर कर दिया। इस सड़क के दोनो तरफ रेतीले मिट्टी से बने पटरी बह कर बड़े गहरे नाली और गड्ढों में बदल गये, कई जगह सड़क टूट गये, मिट्टी के बहने से कई जगह की सड़क खोखली होकर दबने लगी, जिसकी जानकारी यहां से जिला प्रशाषन तक को है, जहां पर शायद ध्यान किसी का न हो, इस सड़क के किनारे का हिस्सा खतपतवार लेंटाना के दबाव में छूपे हुये हैं। नियमतरू ग्यारंटी अविधि न्यूनतम 5 वर्ष तक इस सड़क का देखभाल और रखरखाव की पूरी जवाबदारी ठेकेदार की होती है, जिसके निरीक्षण की जवाबदारी निर्माण एजेंशी विभाग की होती है, जहां बड़े दुख की बात यह है कि निर्माण कार्य कितना ही घटिया अथवा गुणवत्ता विहीन हो अथवा निर्माण कार्य खण्डहर क्यों न हो गया हो, जिसका सीघ्र मरम्मत करवाना जरूरी हो, पर कमीशन और बंदरबाट के ताकत द्वारा सभी जवाबदारियों के होंठ और कलम में ताला जड़ देना कोई नई बात नहीं है, परिणाम स्वरूप जन्ता परेशान हो अथवा गाड़ी वाहन वाले हादसा से पीड़ित होते रहें, गरम पॉकिट के सामने सभी जवाबदारी और कर्तव्य किनारे कर दिये जाते हैं, तभी तो इस सड़के के पटरी को बहे कई महीने हो गये जो आज दिनांक तक नहीं भरवाई गई है। क्षेत्रीय जन द्वारा उक्त विषय को संज्ञान में लेकर सीघ्र पटरी भरवाये जाने की मांग लगातार की जा रही है।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिला मुख्यालय के कलेक्टर सभागार में विश्व उपभोक्ता दिवस पर कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपभोक्ताओ को उनके अधिकार के बारे में जागरूक किया गया तथा उपभोक्ता संबंधी कानून का उपयोग कैसे करना है के बारे मे जानकारी दी गई। अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन उमरिया द्वारा उपभोक्ताओं की तरफ से प्रतिनिधित्व किया गया एवं उन्हें उनके अधिकारों से अवगत कराया गया उपभोक्ता संगठन के जिला अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने उपभोक्ताओं को उनके अधिकार एवं उसका उपयोग कैसे करना है इसकी जानकारी दी,। उपभोक्ता संगठन सदस्य श्याम गुप्ता द्वारा उपभोक्ताओं के साथ हो रही वर्तमान में ठगी में अपनी चिंता व्यक्त की। अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन लगातार उपभोक्ताओं के हितों के लिए आवाज उठाता रहता है और आगे भी उपभोक्ता के हित में आवाज उठाने के लिये हमेशा तत्पर रहेगी। जिला आपूर्ति अधिकारी रोहित सिंह, सहायक कनिष्क आपूर्ति जागृति प्रजापति उपभोक्ता उत्थान संगठन के जिला अध्यक्ष अभिषेख अग्रवाल उपभोक्ता संगठन सदस्य श्याम गुप्ता खाद्य विक्रेता प्रबंधक मैनेजर एवं सभी कोटेदार वा उपभोक्ता मौजूद रहे।

अपने कृत्यों से शिक्षा जगत को कलंकित कर रहे डीपीसी!

उमरिया (स्वतंत्रमत)। स्वतंत्र मत द्वारा लगातार भ्रष्टाचार पर प्रहार किया जा रहा है। उसी कड़ी में जिले के डीपीसी के कारनामों को उजागर किया जा रहा है। एक ऐसा अधिकारी जिसको पैसों की इतनी भूख है जो उसके लिए कुछ भी कर सकता है और इन्ही कृत्यों के कारण कटनी से हटाया गया था और उमरिया भेज दिया गया, जिसके कृत्य कटनी के बाद उमरिया में भी जारी है जो जिले के लिए नासूर बन गए हैं और ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं जिससे शर्मिंदगी महसूस हो रही है, जिनके कंधों पर देश के भविष्य का निर्माण करना है वो उसे गर्त में ले जा रहे हैं। जिले में पदस्त डीपीसी केके डेहरिया अपने कृत्यों से जिले का मान तो घटा ही रहे हैं साथ ही साथ शिक्षा जगत को भी कलंकित कर रहे हैं! उनके सारे कृत्य नियमो के विपरीत और शिक्षा के क्षेत्र को शर्मसार करने वाले हैं.! शिक्षक जैसे पवित्र शब्द का मन मर्दन करने पर तुले हुए हैं और अपनी कारगुजारियों से जिले को बदनाम कर रहे हैं! बताया जाता है कि डीपीसी को पैसों की इतनी भूख है कि ये उसके लिए किसी भी स्तर पर जा सकते हैं। नियम कायदों की धज्जियां उड़ा ऐसी मिशाल पेश कर रहे हैं जिससे जिले का सम्मान धूमिल हो रहा है।

रात में जाते हैं छात्रावास - अपने रंगीन मिजाज के लिए प्रसिद्ध डीपीसी अधिकतर रात में आदिवासी कन्या छात्रावास जाते हैं जहाँ शाम के बाद पुरुषों का जाना वर्जित होता है जिसकी जानकारी अधिकारी को है लेकिन वे लगातार ऐसा कर रहे हैं.! वही सूत्रों ने बताया कि डीपीसी अधिकतर रात में हॉस्टल जाते हैं और हॉस्टल में लगे सीसीटीवी को उनके जाने पर बंद करवा दिया जाता है जिसकी पुष्टि छात्रावासों में लगे सीसीटीवी की फुटेज से मिल सकता है। 12 मार्च को जिले में प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान आये हुए थे उसी रात को डीपीसी 9 से 10 के बीच मे ताला छात्रावास गए और घंटो वहा रहे आखिर अधिकारी नियम के विपरीत काम क्यो कर रहे हैं।

कई वर्षों से एक ही हॉस्टल में जमी अधिक्षिका - नियम के अनुसार एक छात्रावास में अधीक्षिका 3 साल से ज्यादा नही रह सकती हैं लेकिन उसके बावजूद मानपुर, ताला, और तमन्नारा में कई सालों से एक ही अधीक्षिका जमी हुई है। सूत्रों ने बताया कि डीपीसी हर माह सभी अधिक्षिकाओ से 10 से 20 हजार रुपये लेते हैं और अधीक्षिका गरीब आदिवासी छात्राओ का पेट काटकर साहब को देने के लिए मजबूर हैं।

स्कूलों में बन रहे बालिका शौचालय में

कमीशन - जिले में सैकड़ों मिडिल स्कूलों में बालिका और विकलांगो के लिए शौचालय बन रहे हैं जिसमे प्रत्येक शौचालय के लिए सरकार ने 2 लाख 81 हजार रुपये दिए हैं जिसमे से प्रत्येक स्कूलों से 20 हजार रुपये मांगने के आरोप भी लग रहे है जिसकी जांच जरूरी है। वही सैकड़ों स्कूलों की मरम्मत के लिए भी लाखों रुपये आये थे जिसमें हेराफेरी के आरोप भी लगे हैं.! वही सूत्रों ने बताया कि हर बिल में आधा कमीशन मांगा जाता है जिससे कार्यालय के कर्मचारी भी डीपीसी से परेशान है.! इनके कारनामो की फेहरिस्त इतनी लंबी है जिसका उल्लेख एक बार मे किया जाना मुश्किल है.!कटनी जिले से अनियमितताओं, भ्रष्टाचार या प्रशासनिक विफलता के चलते डीपीसी (जिला परियोजना समन्वयक) को उनके पद से हटा दिया गया है। यह कार्रवाई जिले में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से की गई है। कारण शिकायतें, अनियमितताएं और अनुचित कार्यप्रणाली के कारण स्कूल शिक्षा विभाग में जवाबदेही तय करने हेतु यह कदम उठाया गया है।

क्या कहते हैं नियम - भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (धारा 17। और 13(1)(म)) के तहत, यदि कोई सरकारी अधिकारी आय से अधिक संपत्ति, घूसखोरी, या आधिकारिक पद के दुरुपयोग का दोषी पाया जाता है, तो उसे हटाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, ऐसे लोक सेवकों पर मुकदमा चलाने से पहले सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है।

भ्रष्टाचार के कारण हटाने..कार्रवाई की प्रक्रिया - जांच और प्रमाणरू 2018 के संशोधन के बाद, बिना जांच के कार्रवाई नहीं की जा सकती। भ्रष्ट अधिकारी को पद से निलंबित (ैनेचमदक) या बर्खास्त किया जा सकता है। कानूनी कार्यवाहीरू भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तारी और संपत्ति की कुर्की की जा सकती है।

वीसी में दिए गए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर मुख्य सचिव अनुराग जैन न वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कमिश्नर–कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के साथ पश्चिम–मध्य एशिया में युद्ध के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के दृष्टिगत एलपीजी सहित अन्य ईंधन की उपलब्धता की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में डीजीपी कैलाश मकवाना और एसीएस शिवशेखर शुक्ला एवं श्रीमती रश्मि अरूण शमी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एलपीजी गैस पर समीक्षा बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मंडला में घरेलू एलपीजी गैस के उपयोग एवं नियमानुसार वितरण व्यवस्था की समीक्षा के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में गैस की उपलब्धता समय पर वितरण तथा उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान गैस एजेंसियों को निर्देशित किया गया कि बुकिंग कराने वाले पात्र उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर गैस सिलेंडर की समय पर होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए। साथ ही उपभोक्ताओं को घर बैठे गैस बुकिंग की सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित करने तथा इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए।
अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बालिकाओं को नि:शुल्क टीका

मण्डला(स्वतंत्र मत)। भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से टीकाकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी बिछिया श्रीमती सोनाली देव के मार्गदर्शन में शासकीय हाईस्कूल मेंढ़ा, विकासखंड मवई में विशेष टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 122 बालिकाओं को नि:शुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई गई।

क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जन अभियान परिषद के अंतर्गत नवांकुर संस्था बजरंग शिक्षा समिति नारा द्वारा सेक्टर–5 में प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों के लिए क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण गुरुवार को ग्राम पंचायत भवन सिझौरा में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण के दौरान ब्लॉक समन्वयक कीर्ति कुरील ने प्रस्फुटन समितियों की भूमिका, उनके महत्व तथा नारी सशक्तिकरण के विषय में जानकारी दी। साथ ही जन अभियान परिषद द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रशिक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रतिभागियों को नोट भी कराया गया।

मिड डे मील में लापरवाही

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में प्रधानमंत्री पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत घोर लापरवाही की जा रही है सरकारी स्कूलों में इस योजना के अंतर्गत मध्यान भोजन बच्चों को समूहों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है लेकिन जानकारी मिल रही है कि समूह को समय पर राशन और राशि दोनों नहीं मिल पा रही है जबकि समूह की मांग है की प्रतिमाह राशन व राशि प्रदान की जाए राशन सामग्री चावल में गोलमाल की आशंका समूह जता रहे हैं किन–किन महीने का चावल दिया जा रहा है यह समूह को ठीक से पता नहीं चल पा रहा है इस विषय पर जांच की जाए कि कब से कब तक का चावल नहीं दिया गया है वह पूरा चावल समूह को प्रदान किया जाए और कब से कब तक की राशि नहीं दी गई है वह पूरी राशि भी तत्काल जमा की जाए ताकि मिड डे मील का कार्यक्रम ठीक तरह से क्रियान्वित हो सके ऐसी जन अपेक्षा है।

भालू के हमले से महिला घायल, उपचार जारी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

विकास खंड नैनपुर की ग्राम पंचायत चीज गांव निवासी चेतू बाई सुबह करीब 4 बजे महुआ बीनने जंगल गई हुई थी उसी समय पीछे से एक भालू ने हमला कर दिया । उस समय गांव के अन्य महिला पुरुष साथ में थे जिन्होंने अपनी जान में खेलकर महिला को बचाया । ओर सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती कराया। महिला को पीठ पर हल्की छोटे आई है। महिला का उपचार सिविल अस्पताल में कराया जा रहा है। वन विभाग की टीम अस्पताल पहुंच तत्कालीन सहायता राशि एक हजार रूपए दिया गया तथा प्रति दिन पांच हो रूपये देने की बात कही गई।

पत्रकार की शिकायत पर ककैया डोलोमाईट खदान के कर्मचारियों पर हुई एफआईआर लेकिन खनिज विभाग नहीं कर पाया सटीक जांच

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले भर में दर्जनों डोलोमाईट खदानों का संचालन हो रहा है। अधिकांश खदाने बम्हनी क्षेत्र में बताई जाती हैं इन खदानों से बड़ी मात्रा में डोलोमाईट निकाला जा रहा है। जहां पर भारी ब्लास्टिंग की जाती है। इस ब्लास्टिंग से आसपास के रहवासी परेशान हो गए हैं यहीं नही ओवरलोड वाहनों से सड़कों के परखच्चें उड़ गए हैं। तो दूसरी तरफ इन खदानों की नियमित जांच भी नही की जा रही हैं। जबकि सूत्रों के अनुसार खदानों से स्वीकृत क्षमता से अधिक डोलामाईट निकाला जा चुका है। जिम्मेदारों की मिलीभगत और राजनैतिक संरक्षण के चलते खदान संचालक मनमर्जी से खनन कर रहे हैं। ऐसी ही एक खदान की शिकायत पत्रकार के हाथ लगी और जब पत्रकार जांच पड़ताल करने पहुंचा तो उसे फंसाने के प्रयास किए गए और गुंडागर्दी का आतंक दिखाते हुए पत्रकार को बंधक बनाने से भी नही चुके यह पूरा खेल खदान संचालक की सह पर कर्मचारियों के द्वारा किया गया। बता दें कि ककैया डोलोमाईट माईन्स में पत्रकार के साथ किए गए अभद्र व्यवहार और बंधक बनाने के प्रयास पर खदान के कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। बम्हनी थाना के अंतर्गत ककैया डोलेमाईट माईन्स में बीते माह पत्रकार रामकुमार बघेल के साथ समाचार कवरेज के दौरान खदान के कर्मचारियों ने अभद्रता ही नही कि बल्कि मोबाईल कैमरा तोड़ने का प्रयास करते हुए बंधक बनाने कोशिश की थी जिसकी सूचना पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा को दी गई जहां से हस्ताक्षेप के बाद बम्हनी थाना प्रभारी और मंडला थाना प्रभारी सक्रिय हुए तब कहीं जाकर पत्रकार को खदान से बाहर आने मिला इस घटना से पत्रकार जगत में रोष था और पत्रकारों का एक दल पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करने पहुंचा जहां पर पुलिस अधीक्षक को अनेक प्रमाण प्रस्तुत किए गए। पुलिस अधीक्षक के दिशा–निर्देश और जांच पड़ताल के बाद बम्हनी थाना में संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पत्रकार को कथित रूप से बंधक बनाकर अभद्रता की गई उसका मोबाइल और कैमरा छीन लिया गया तथा वीडियो और फोटो डिलीट कर दिए गए। इतना ही नहीं पत्रकार की पहचान पत्र (आईडी) भी तोड़ दी गई और उसे घंटों तक मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। घटना के बाद पत्रकार की शिकायत पर पुलिस ने डोलोमाइट खदान के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। एफआईआर में उल्लेख है कि थाना बम्हनी मे सउनि के पद पर पदस्थ हूं। कि प्रार्थी रामकुमार उर्फ रोहित बघेल पिता कोदूदास बघेल उम्र 29 साल निवासी ग्राम स्वामी सीताराम वार्ड मंडला थाना मंडला जिला मंडला के द्वारा थाना बम्हनी मे एक लिखित आवेदन पत्र घटना के संबंध में प्रस्तुत किया था जिसके आवेदन पत्र कि जांच दौरान प्रार्थी रामकुमार उर्फ रोहित बघेल से पूछताछ कर कथन लेख किये गये जिसने अपने कथन पर बताया कि दिनांक 18.02.2026 के 03.30 बजे मै न्यूज के लिये फोटो एंव विडियो ग्राफी करने गया था जो मुझे फोटो खीचंते एंव विडियो ग्राफी करते हुए डोलामाईन्स के मैनेजर योगेशराज पटेल एंव अन्य कर्मचारियो द्वारा मेरे उपर हमला कर दिये तथा मेरा कैमरा एंव मोबाईल को छीनकर फोटो एंव विडियो ग्राफी की गयी को डिलीट कर दिये एक कर्मचारी ने फोन लेकर तोड़ने की कोशिश किया तथा अन्य कर्मचारियो ने मेरी आईडी को लेकर तोड़ दिये तथा मुझे घेराबंदी कर अपने आफिस में बंधक बनाकर बैठा दिये तब मैने घटना की बात फोन से अपने सीनियर एंव पुलिस अधिकारियो को बताया तब पुलिस अधिकारियो के द्वारा फोन करने पर योगेशराज पटेल व उसके साथियो द्वारा मुझे वंहा से जाने दिया गया बताया कि प्रार्थी का आवेदन पत्र अवलोकन एंव कथन के आधार पर योगेशराज पटेल व अन्य कर्मचारियो के विरूध्द धारा 130,127(2), 324(4), 3(5) बीएनएस का अपराध घटित करना पाये जाने से योगेशराज पटेल व अन्य कर्मचारीयो के विरूध्द अपराध पंजीवध्द कर विवेचना मे लिया गया। रोहित बघेल ने बताया कि दिनांक 18.02.2026 को बीजेगांव ग्राम पंचायत में स्थित प्राथमिक शाला बीजेगांव की खबर बनाने के लिये गया था उक्त खबर माईनिंग (ब्लास्टिंग) के संबंध में थी तभी खबर बनाने के दौरान मै विनोद अग्रवाल के माईनिंग (खदान) मे जानकारी संबंधित गया था तभी मैने ट्रक मे पत्थर भरते एक विडियो बनाया था तभी अचानक खदान का कर्मचारी योगेश नाम का व्यक्ति मेरे को खदान के अंदर बंधक बनाया मेरी विस्तार न्यूज की आईडी को तोड़ दी गयी मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया मेरे मोबाईल को जप्त कर लिया गया तथा मेरे साथ मारपीट करने की भी कोशिश की गयी खदान में मौजूद चार कर्मचारियो के द्वारा मोबाईल छीनते हुए झीका झपटी भी गई। अवैध खनन और अवैध ब्लास्टिंग की सूचना खनिज विभाग को दी गई थी जहां से जांच टीम खदान को पहुंची लेकिन सटीक जांच नही कर पाई कारण क्या था क्यों नही किया यह भी चर्चा का विषय बना है। जानकारों का कहना है कि खनिज विभाग में अपनो को बचाने का प्रयास अकसर दिखाई देता है गरीब कमजोर और बेरोजगारों के ट्रेक्टर आदि पकड़कर उन पर भारी भरकम जुर्माना कर दिया जाता है लेकिन धन्ना सेठ और जी हजूरी करने वाले ठेकेदारों पर कभी कार्यवाही नही होती है। शायद पैसे की ताकत या राजनैतिक पहुंच मसला जो भी हो लेकिन खदानों की जांच होनी ही चाहिए।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)

विगत दिवस गोंड़ी पब्लिक ट्रस्ट भवन में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की जिला शाखा की मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला शाखा अध्यक्ष बीके राय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में केडी दुबे, डीआर रघुवंशी, पूरन सिंह ठाकुर, हरी राम कछवाहा रहे। प्रारंभ में सुरेश चौधरी द्वारा गीत गायन तथा आर के एस चौहान ने गजल से कार्यक्रम का प्रारंभ किया। जिला शाखा अध्यक्ष बीके राय ने बैठक के एजेंडे पर कार्रवाई करते हुए बताया कि संगठन के प्रयासों से इस बार राज्य के कर्मचारियों के साथ ही पेंशनरों को भी तीन प्रतिशत महंगाई राहत घोषणा की गई है, जिसका हम स्वागत करते हैं। 17 मार्च को मैहर में आयोजित प्रांतीय सम्मेलन में जाने हेतु प्रतिनिधियों की रूपरेखा तय की गई। जिला अध्यक्ष बीके राय ने बताया कि समस्त विकासखंड शाखा अध्यक्ष तथा जिला शाखा आगामी बैठक में आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करेंगे। जिसमें सदस्यता को संगठन की शक्ति मानकर आगामी माह से सदस्यता अभियान प्रारंभ किया जाएगा। प्रत्येक सदस्य अपने साथ काम से कम एक सदस्य को जोड़ना सुनिश्चित करें। बैठक को डीआर रघुवंशी, हरिराम कछवाहा तथा पूरन सिंह ठाकुर ने संबोधित किया। बैठक में ईसाफ बैंक के प्रबंधक श्री चौहान ने बैंक की योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया की वरिष्ठ नागरिकों को हमारी बैंक द्वारा 8:30 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है ।अंत में दिवंगत हुए पेंशनर साथी स्व. दिनेश कुमार राय, यशवंत कुमार बर्वे तथा उद्यान विभाग में से सेवानिवृत शिशु चौरसिया की माता जी का निधन पर सभी ने 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। बैठक का संचालन श्री राम कुमार पाठक ने किया। अंत में जिला सचिव एन के शुक्ला द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ बैठक का समापन किया गया।

सीईओ ने केन्द्र का किया निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला क्रमांक 2 में हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने मूल्यांकन कार्य का जायजा लिया। उन्होंने केन्द्र में मूल्यांकन कार्य करने वाले शिक्षकों की ड्यूटी, बैठक व्यवस्था, माडल आन्सरशीट, मूल्यांकन कर्त्ताओं के जलपान, स्ट्रांगरूम और सुरक्षा व्यवस्था आदि की जानकारी ली। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने सीईओ को बताया कि इस मूल्यांकन केन्द्र में दसवीं तथा बारहवीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 9 कक्षों में किया जा रहा है। जिले के विद्यालयों से 232 शिक्षक इस कार्य में लगे हुए हैं। अभी तक बारहवीं की 46564 और दसवीं की 55065 उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा यहां भेजी गई हैं अभी और कॉपियां आनी शेष हैं। इस दौरान एपीसी मुकेश पाण्डे, बोर्ड परीक्षा प्रभारी महेंद्र श्रीवास एवं संबंधित शिक्षक मौजूद रहे।

वरदान आश्रम में विवाह सम्पन्न

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्र मत)

वरदान आश्रम अंजनिया में पंडित नीलू महाराज के मार्गदर्शन में विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। आश्रम से जुडे शिष्य का विवाह कराकर पंडित नीलू महाराज ने समाज को नई प्रेरणा दी है। बताया गया कि लड़का कलबोडी सिवनी का है जब वह चार महीने का था तभी उसकी मां निधन हो गया था और लड़की छिंदवाड़ा की थी जिसके पिता नहीं हैं। वर की सौतेली मां को भी लकवा मार गया है। उन बच्चों का सानंद विवाह वरदान आश्रम में कराया गया कल्पतरु माता जी ने भैंट आशीर्वाद देकर गुरु माता के रुप में विदा किया। वरदान आश्रम अंजनिया में यह तीसरा विवाह है जिसमें निर्धन बेटी के धर्म माता पिता बनकर सभी सामान सहित बिदा किया जाता है।

एचपीवी वैक्सीन के प्रति बालिकाओं ने दिखाया उत्साह

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। सर्वाइकल कैंसर से बालिकाओं के जीवन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एच पी वी वैक्सीन अभियान संचालित है। जिसमे 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को वैक्सीन के लिए चिन्हित किया गया है। नैनपुर में इस अभियान को अंजाम तक पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अलावा महिला बाल विकास विभाग का जमीनी अमला सक्रिय हो गया है। जाहिर है कि इस वैक्सीन से बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य के साथ आने वाले समय मे केंसर जैसी भयावह बीमारी से रोकथाम के लिए लोगो को विशेष रूप से जागरूक किया जा रहा है। नैनपुर एस डी एम आशुतोष महादेव ठाकुर ने कल संबंधित जमीनी अमले के साथ कार्य की समीक्षा की। नैनपुर में वेक्सीनेशन कार्य की धीमी प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए इस अभियान को सर्वोच्च प्रथमिकता देने की बात कही। कल रविवार को इंद्री, टाटरी, चिरईडोंगरी, भरभेली, पिंडरई, जामगांव, रमपुरी, निवारी सहित अन्य ग्रामो में बालिकाओं को वैक्सीन लगाई गई।

नैनपुर में लगाई गई लोक अदालत, 57 प्रकरणों के निराकरण में 94 लोग हुए लाभान्वित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत आहूत की गई । जिसमें आपसी सहमति और रजामंदी के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया गया। लोक अदालत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला के कुशल मार्गदर्शन में न्यायालय परिसर नैनपुर में आयोजित थी।

लोक अदालत का शुभारंभ माँ सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। जिसे श्री विवेकानंद त्रिवेदी चतुर्थ जिला न्यायाधीश श्रृंख्ला न्यायालय नैनपुर एवं श्री आदिल अहमद खान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति नैनपुर की उपस्थिति में किया गया। ईस अवसर पर अधिवक्ता संघ नैनपुर के उपाध्यक्ष, सचिव सहित सम्मानीय वरिष्ठ / कनिष्ठ अधिवक्तागण तथा खण्डपीठ सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही तहसील नैनपुर अंतर्गत बैंक एवं नगरपालिका नैनपुर के अधिकारी/कर्मचारीगणों के साथ–साथ समस्त न्यायालयीन कर्मचारीगण एवं पक्षकारगण भी उपस्थित रहे। उक्त नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु न्यायालय परिसर नैनपुर में दो खण्डपीठ का गठन किया गया था। जिसमें गठित खण्डपीठ क्रमांक 22 पीठासीन अधिकारी श्री विवेकानंद त्रिवेदी चतुर्थ जिला न्यायाधीश श्रृंख्ला न्यायालय नैनपुर की न्यायालय में कुल 04 प्रकरणों का निराकरण कर एक लाख पचास हजार रूपये की अवार्ड राशि पारित कर 11 व्यक्तियों को लाभांवित किया गया। साथ ही खण्डपीठ क्रमांक 23 पीठासीन अधिकारी श्री आदिल अहमद खान व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड नैनपुर की न्यायालय में कुल 16 प्रकरणों का निराकरण कर ग्यारह लाख सैतालिस हजार दो सौ चौबीस रूपये की अवार्ड राशि पारित कर 46 व्यक्तियों को लाभांवित किया गया साथ ही उक्त खण्डपीठ में 37 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण कर दो लाख अन्ठावन हजार तीन सौ चौदह रूपये की बकाया राशि बसूली की जाकर 37 लोगों को लाभांवित किया गया।

नैनपुर हाईवे एवं बाईपास भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया से किसान आक्रोशित

किसान महापंचायत आहूत कर जताया किसानों ने विरोध

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर में प्रस्तावित हाईवे एवं बाईपास निर्माण में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पा क्षेत्र के किसान आक्रोशित है । कल जामगांव में एक किसान महापंचायत आहूत कर अपना विरोध जताया है। अंचल के किसान अधिग्रहित की जा रही जमीनों के मूल्यांकन और मुआवजा निर्धारण में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगा रहे है। लिहाजा अब इसके विरोध के स्वर सुनाई देने लगे है। क्षेत्र के किसानों की एक बड़ी किसान महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत में किसानों ने एक स्वर में कहा कि प्रशासन द्वारा भूमि का सही मूल्यांकन किए बिना अत्यंत कम मुआवजा निर्धारित किया जा रहा है, जो किसानों के साथ खुला अन्याय है।

किसानों ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत अब तक तीन अलग–अलग सर्वे किए गए, लेकिन अधिकांश किसानों को आज तक यह स्पष्ट नहीं है कि किसकी कितनी जमीन अधिग्रहित हो रही है और किस सीमा तक चिन्हांकन किया गया है। कई स्थानों पर अब तक अंतिम मुनारा (सीमा चिन्हांकन) तक नहीं किया गया है, जिससे किसानों में भारी असमंजस और नाराजगी देखी जा रही है। बताया गया है कि इस मामले में सबसे गंभीर बात यह है कि प्रशासन द्वारा कलेक्टर गाइडलाइन के आधार पर मात्र 2 से 3 लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा रेट तय करने की चर्चा सामने आ रही है। जबकि वास्तविक बाजार मूल्य इससे कई गुना अधिक है। यह पूरा क्षेत्र सिंचित और अत्यंत उपजाऊ कृषि भूमि का क्षेत्र है तथा सड़क किनारे स्थित जमीनों का बाजार मूल्य स्वाभाविक रूप से अधिक होता है, लेकिन इन तथ्यों को नजरअंदाज किया जा रहा है। किसानों ने उदाहरण देते हुए बताया कि धतूरा हल्का नंबर 36 में 31 मार्च 2022 की एक रजिस्ट्री में 0.6 आर (लगभग 15 डिसमिल) भूमि 8 लाख 25 हजार रुपये में खरीदी गई, जिस पर 18,106 रुपये का स्टाम्प शुल्क जमा हुआ है। इतनी उच्च कीमत वाली रजिस्ट्रियों को मुआवजा निर्धारण के मानक में शामिल न करना किसानों के साथ अन्याय माना जा रहा है। महापंचायत में यह भी मुद्दा उठाया गया कि क्षेत्र की अधिकांश जमीनों में बंदोबस्ती, त्रुटि सुधार तथा डिजिटल रिकॉर्ड में भारी असमानताएं हैं। कई खेतों में बोरवेल, पेड़–पौधे, तालाब, मकान और अन्य संरचनाएं मौजूद हैं, लेकिन उनके वास्तविक मूल्यांकन और मुआवजा निर्धारण में उन्हें शामिल नहीं किया जा रहा है। किसानों ने कहा कि मुआवजा साल 2022 के रेट के आधार पर तय किया जा रहा है, जबकि वर्तमान समय में 2026 तक की रजिस्ट्रियों और बाजार दरों को ध्यान में रखते हुए नया मानक तय होना चाहिए था। किसानों ने यह भी स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भूमि अधिग्रहण पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के तहत की जा रही है, जिसमें स्पष्ट प्रावधान हैं कि धारा 23 के अनुसार भूमि का वास्तविक बाजार मूल्य निर्धारित किया जाना अनिवार्य है।

संपादकीय

भारत की कूटनीतिक जीत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच हुई वार्ता और पिछले कुछ दिनों के भीतर ईरान के विदेश मंत्री से भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की चार बार टेलीफोन पर की गई बातचीत का असर दिखने लगा है। नई दिल्ली में ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली द्वारा दिये गए संकेत बताते हैं कि ईरान की तरफ से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारतीय जहाजों को निकलने का रास्ता मिल सकता है।

उन्होंने मीडिया से यहां तक कह दिया कि आप लोग अगले दो-तीन घंटों में ऐसा होता देखेंगे। भारत हमारा मित्र है और हम एक समान हितों के लिए काम करते हैं। दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों मे सहयोग होगा। ईरान के राजदूत फातेही को यहां अंतरराष्ट्रीय कुदस दिवस कांफ्रेंस में विशेष अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। फातेही ने इस कांफ्रेंस के बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और ईरान के बीच काफी अच्छे संबंध हैं। वहीं, गुरुवार देर शाम पीएम मोदी की राष्ट्रपति पेजेशकियन से हुई वार्ता में भी भारत की तरफ से ऊर्जा सुरक्षा और ईरान में रहने वाले अपने नागरिकों की सुरक्षा का मसला उठाया गया था। इस मुद्दे को विदेश मंत्री जयशंकर भी लगातार ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ उठा रहे हैं। आज ही यह सूचना दी गई है कि ईरान से 117 भारतीय सड़क मार्ग से अर्मेनिया पहुंच गये हैं और वहां से अब वो सभी भारत आएंगे।

पश्चिम एशिया में विवाद शुरू होने के बाद यह पहला मौका है कि ईरान की तरफ से साफ तौर पर कहा गया है कि वह भारतीय जहाजों को जाने का रास्ता (होर्मुज जलडमरुमध्य से) देगा। भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में, फारस की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 28 जहाज फंसे हुए थे, और इस सभी जहाजों पर कुल 778 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें 23 जहाज होर्मुज के पश्चिमी हिस्सों में और चार पूर्वी हिस्सों में है। पूर्वी हिस्से वाले जहाजों में से दो भारतीय जहाज अब वहां से निकले हैं लेकिन उनमें किसी अफ्रीकी देश के लिए गैसोलीन भरा हुआ है। पेट्रोलियम मंत्रालय का कहना है कि अगर होर्मुज मार्ग से सभी भारतीय जहाजों को निकलने का रास्ता मिल जाए तो देश में पेट्रोलियम आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चतता काफी हद तक दूर की जा सकती है। पश्चिम एशिया संकट के पैदा होने के साथ ही होर्मुज जल मार्ग बंद पड़ा हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य से रोजाना लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है। यह दुनिया की कुल तेल खपत का पांचवां हिस्सा है। ईरान ने संकेत दिया है कि जो देश अमेरिका या इजरायल के हितों के लिए काम नहीं कर रहे, उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा। हालांकि, किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए भारत के जहाजों को क्लीयरेंस लेना अनिवार्य होगा। ईरान की चेतावनी का मतलब है कि वह अमेरिका या उसे सहयोग करने वाले किसी भी देश के जहाज को वहां से गुजरने नहीं देगा। अभी तक आधे दर्जन जहाजों पर हमले भी हुए हैं। इसकी वजह से भारत समेत तकरीबन सभी एशियाई देशों में ऊर्जा संकट महसूस किया जा रहा है। कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस की कीमतों पिछले दस दिनों में काफी बढ़ चुकी हैं। भारत समेत तकरीबन सभी वैश्विक पूंजी बाजारों में भारी गिरावट का रुख बन गया है। ऐसे में होर्मुज मार्ग को खोलने से भारत हर तरह से काफी राहत की सांस ले सकता है।

दलगत राजनीति से मुक्त हो राष्ट्रपति पद

विश्वनाथ सचदेव
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

देश का राष्ट्रपति देश का प्रथम नागरिक ही नहीं होता, देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति होता है। राष्ट्रपति को कैसे संबोधित किया जाये से लेकर राष्ट्रपति के साथ कैसा व्यवहार किया जाये जैसी बातें एक प्रोटोकॉल के अंतर्गत आती हैं, और अपेक्षा की जाती है कि कोई इसका उल्लंघन नहीं करेगा। हमारे राष्ट्रपति का सम्मान किसी व्यक्ति या पद का सम्मान मात्र नहीं है, वस्तुत: यह देश का सम्मान है, उस संविधान का सम्मान है, जिसके आधार पर हमारी समूची जनतांत्रिक व्यवस्था चलती है। इस पद की मर्यादा को देखते हुए कुछ ऐसी ही अपेक्षा उस व्यक्ति से भी की जाती है, जिसे देश इस पद पर बिठाता है। दलगत राजनीति से कहीं ऊपर होता है इस पद पर बैठा व्यक्ति पूरे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है और पूरे राष्ट्र को संरक्षण भी देता है। आमतौर पर यह माना जाता है कि हमारा राष्ट्रपति विवादों से परे होगा। पिछले सात दशक से भी अधिक समय का इतिहास इस बात का साक्षी है कि इस पद पर बैठे व्यक्तियों ने कुल मिलाकर पद की गरिमा की रक्षा ही की है। ऐसे में जब किसी राष्ट्रपति के संदर्भ में विवादास्पद स्थितियां बनती हैं तो खेद भी होता है और आशंका भी होती है कि देश का यह सर्वोच्च पद विवादों के चलते अपनी गरिमा न खो दे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की हाल की बंगाल-यात्रा को लेकर जिस तरह का वातावरण बन रहा है, वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

हम इस घटना को लेकर कोई टिप्पणी करें उससे पहले इस बात को रेखांकित किया जाना जरूरी है कि एक आदिवासी महिला का इस पद पर पहुंचना हम सबके लिए गौरव की बात है। वे पहली महिला नहीं हैं जो इस पद के लिए चुनी गयी हैं, पर एक आदिवासी महिला यदि अपनी योग्यता-

क्षमता से देश की राष्ट्रपति बनती है तो महिलाओं अथवा आदिवासियों के एक ऊंचे मुकाम पर पहुंचने का ही उदाहरण नहीं है, यह हमारे जनतंत्र की परिपक्वता का भी एक गौरवशाली क्षण है। देश को इस पर गर्व होना चाहिए। हमें है इस बात का गर्व। इसलिए राष्ट्रपति, पद के अपमान को लेकर देश इतना संवेदनशील भी है। इस पद की गरिमा को कम करने की कोई भी घटना अथवा कोई भी कोशिश देश के जागरूक नागरिक को स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

अब बंगाल वाली घटना की बात। संथाल आदिवासियों की एक संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति बंगाल गयी थीं। राष्ट्रपति जब भी किसी राज्य में जाते हैं, भले ही वह यात्रा सामाजिक हो अथवा सरकारी, तो उनके स्वागत का एक निश्चित तरीका होता है, जिसका पालन राज्य सरकार को करना होता है। इस प्रोटोकॉल में मुख्य रूप से यह बात शामिल है कि राज्य का राज्यपाल, मुख्यमंत्री अथवा कोई वरिष्ठ मंत्री स्वागत करने पहुंचता है। यह संभव है कभी किन्हीं कारणों से इस व्यवस्था का पूरा पालन न हो पाता हो, पर ऐसा होने का कोई उचित कारण होना-दिखना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू की इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वागत के लिए नहीं पहुंची थीं। उन्होंने 'पूर्व निर्धारित अन्य कार्यक्रम' और राष्ट्रपति की यात्रा की पूर्व सूचना न मिलने का हवाला देकर अपनी अनुपस्थिति का औचित्य ठहराया है। उनकी बात सही भी हो सकती है, पर ऐसे में वे अपने मंत्रिमंडल के किसी वरिष्ठ सहयोगी को वहां भेज कर अपना कर्तव्य निभा सकती थीं। मुख्यमंत्री की यह चूक हल्के से नहीं ली जानी चाहिए। वे चाहतीं तो चूक को स्वीकार करके विवाद की तल्खी कम कर सकती थीं। पता नहीं क्यों उन्होंने ऐसा करना जरूरी नहीं समझा। राष्ट्रपति के सम्मान को लेकर किसी भी प्रकार की चूक को स्वीकार करना उचित नहीं है। देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को समुचित सम्मान मिलना ही चाहिए। बहरहाल, इस विवाद का एक और पहलू भी है, जो राष्ट्र की चिंता का कारण होना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी चूक का बचाव करने की कोशिश करते हुए राष्ट्रपति की इस यात्रा को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताया है और यह भी कहा है कि राष्ट्रपति केंद्र में सत्तारूढ़ दल के हितों की दृष्टि से आदिवासियों के इस कार्यक्रम में पहुंची थीं। ममता बनर्जी को यह शिकायत भी है कि राष्ट्रपति बार-बार बंगाल क्यों आती हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रपति से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह किसी राजनीतिक दल के हित को दृष्टि में रखकर कुछ काम करेंगी। पर इस आशय के आरोप भी हल्के में नहीं लगने चाहिए।

राष्ट्रपति का सम्मान सर्वोपरि है, इसलिए राष्ट्रपति से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वह भी इस सम्मान की रक्षा के प्रति जागरूक रहेंगी। जिस तरह न्याय होना ही नहीं, होते हुए दिखना भी चाहिए, उसी तरह राष्ट्रपति को भी निष्पक्ष होकर काम करते हुए दिखना चाहिए। ऐसे में जब हम यह देखते हैं कि राष्ट्रपति सार्वजनिक मंच से राज्य के मुख्यमंत्री के व्यवहार की आलोचना कर रही हैं, तो थोड़ा अटपटा लगता है। उचित तो यह होता कि वह टेलीफोन से, या पत्र लिखकर ही सही, अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करतीं। राष्ट्रपति द्वारा खुले मंच से किसी राज्य सरकार या किसी मुख्यमंत्री की आलोचना करना कोई अच्छी परंपरा का उदाहरण नहीं है। इस सारे विवाद का तीसरा पहलू भी है। देश के प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की तीखी आलोचना करते हुए इसे राष्ट्रपति का ही नहीं, एक दलित महिला का, विशेष रूप से एक आदिवासी महिला का अपमान बताना ज़रूरी समझा है।

यह सही है कि हमारी राष्ट्रपति दलित महिला हैं, और आदिवासी भी हैं, पर अब वह देश की सर्वोच्च नागरिक हैं, राष्ट्रपति हैं, उनकी और कोई भी पहचान इस पद से बड़ी नहीं हो सकती। एक परिपाटी सी चल पड़ी है हमारे यहां सहानुभूति बटोरने की परंपरा। पिछड़े वर्ग से जुड़ा राजनेता अपने साथ हुए 'ग़लत बर्ताव' को पिछड़े वर्ग के अपमान के रूप में बताना ज़रूरी समझता है। स्वयं हमारे प्रधानमंत्री कई बार पिछड़े वर्ग के अपमान की दुहाई दे चुके हैं। चालीस सीटें ऐसी हैं जहां आदिवासियों का वोट चुनाव-परिणाम को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में यदि पश्चिम बंगाल के आदिवासी-आयोजन में राष्ट्रपति की उपस्थिति और प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति के अपमान को आदिवासियों का अपमान बताया जाता है तो चुनावी राजनीति पर इसके निहितार्थ समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए। जब कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति जैसे पद पर पहुंच जाता है तो उसकी अगड़ी या पिछड़ी, पुरुष या महिला आदिवासी या वनवासी वाली कोई पहचान नहीं बचती। इस सब का लाभ उठाने की किसी भी कोशिश को जनतांत्रिक मूल्य और आदर्शों के अनुरूप नहीं माना जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की इस हाल की घटना में देश के राष्ट्रपति के साथ कथित अनुचित व्यवहार हुआ है, आदिवासी महिला के साथ नहीं। हर बात को राजनीतिक लाभ उठाने का अवसर बनाने की प्रवृत्ति घटिया राजनीति का उदाहरण है। आवश्यकता इस घटियापन को उजागर करने, इससे उबरने की है।

मानवता चुका रही है भीषण युद्ध की कीमत

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जो भीषण युद्ध छिड़ गया है, उसके बीच संवाद की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। बल्कि हर रोज युद्ध का विस्तार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ईरान है और उसकी जुनूनी सैनिक ताकत, जो अपने शिया सुप्रीमो खामेनेई की मौत का बदला खून की आखिरी बूंद तक लेना चाहती है। दूसरी ओर है अमेरिका की महाशक्ति और मध्यपूर्व का चेहरा इस्राइल, जो कहने को तो ईरान के परमाणु शक्ति बनने पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध में कूदा है। लेकिन उसके निरंकुश मंसूबे किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया में शांति के नाम पर तबाही का पहाड़ा पढ़ा जाने लगा। जहां-जहां भी यह पहाड़ा शुरू हुआ, चाहे यह यूक्रेन और रूस के बीच हो या अब नये युद्ध केन्द्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान या संभावित युद्ध केन्द्र चीन और ताइवान, यह पहाड़ा तबाही का सबब बन रहा है।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका-इस्राइल संघर्ष दुनिया के युद्धरत और दूसरे देश भी संभावित तबाही के भय से कांप रहे हैं। जिस तरह से यह युद्ध आतंकवाद को नियंत्रित करने के नाम पर लेबनान और ब्रिटिश बेसों वाले साइप्रस तक फैल गया है, उससे सबकी चिंता और भी बढ़ गई है। सोचा गया था कि इतनी शक्तियां मिलकर इस युद्ध को कुछ दिन में निपटा देंगी। जिस तेजी से परेशानियां बढ़ रही हैं, उस तेजी से युद्ध निपटने के अवसर भी हैं। लेकिन जहां बड़ी ताकतें अपनी ताकत से मदमत्त हों, वहां हर दिन शांति की गुंजाइश कम होती है और युद्ध की भीषणता की आशंका बढ़ती है। लेकिन इस संभावना में एक और खतरनाक बात भी सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईआईए के न्यूक्लियर वॉच डॉग ने एक और चेतावनी जारी की है कि परमाणु शक्तियों सावधान हो जाओ! जिस तरह से भीषण जंग हो रही है, परमाणु बम चलाए बिना परमाणु तबाही हो सकती है। यह सही है कि अभी तक ऐसी तबाही नहीं हुई है लेकिन परमाणु एजेंसी के मुखिया राफेल ग्रामसी कहते हैं कि चाहे बम नहीं चलाओगे, लेकिन एक-दूसरे को पस्त करने के लिए वैश्विक शक्तियां अगर एक-दूसरे के परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो-एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही के भय से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए राफेल ग्रामसी ने कहा कि जल्द से जल्द इस युद्ध को संवाद की सहायता से रोकिए। वैसे अभी तक रेडिएशन का स्तर सामान्य है, लेकिन यह सामान्य रहेगा, इसकी क्या गारंटी है? वैसे तबाही तो कई और आयामों से भी झांक रही है। इस लड़ाई में तेल आपूर्ति का सामान्य समुद्री मार्ग, जिसमें से तेल टैंकरों की बीस प्रतिशत आवाजाही है, वह ध्वस्त हो गया है। सऊदी अरब स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी ड्रोन हमले की शिकार हो गई है। उसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है।

कतर एनर्जी ने एलएनजी का उत्पादन बंद करने की घोषणा कर दी। पहले झटके में यूरोप में तेल और गैस की कीमतें उछल गई हैं। तीसरी दुनिया के देश और भारत कब तक बचेंगे? पूरा विश्व परेशान हो रहा है। अमेरिका को उम्मीद थी कि अगर ईरान में से खामेनेई और उनके साथी साफ कर दिए जाते हैं तो बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से संत्रस्त जेन-जी युवा विरोध में सड़कों पर उठ खड़े होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि वहां सत्ता पर खामेनेई समर्थकों का ही वर्चस्व है और वे करो या मरो के अंदाज में लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर ट्रम्प अभी परेशान है कि ब्रिटेन और फ्रांस मौन समर्थन दे रहे हैं, युद्ध में कूदे क्यों नहीं? दूसरी ओर रूस और चीन का भी मूक समर्थन ईरान के साथ है। चीन ने अभी फिर अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने पर नाराजगी जताई है। इस समय संघर्ष में बड़े हमले हो रहे हैं। अरब देश जंग में एक या दूसरा पक्ष लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

ऐसी हालत में भारत का स्टैंड यही है कि बंद करो ये मौत का पागलपन, और अपनी लड़ाई को संवाद से रोको। लेकिन यहां तो अमेरिका व इस्राइल का लक्ष्य यह है कि ईरान में सत्ता बदलेगी, तभी संवाद शुरू करेंगे। ऐसे में मौत का यह तांडव कैसे नियंत्रित होगा जबकि संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिए कमजोर शक्ति सिद्ध हो चुका है। अमेरिका द्वारा बनाया गया पीस बोर्ड वजूद में आए, इससे पहले ही यह भयानक जंग शुरू हो गई। इसलिए यह एक सामूहिक तबाही का युद्ध साबित हो सकता है। भारत जैसे विकासशील देश जो अहिंसा की राह पर चलते हुए वसुधैव कुटुम्बकम्? का सपना देख रहे थे, उनके लिए एक मुश्किल इम्तिहान पैदा हो गया। उनके आसमान में तबाहियों के ये मशवरे हर ओर लहराने लगे। इससे बचकर पूरी दुनिया में शांति स्थापना का बिगुल कैसे बजाया जाए, आज तीसरी दुनिया के देशों का नेतृत्व करने वाले भारत के सामने यही चुनौती है।

– सुरेश सेठ

दुनिया का थानेदार कानून करे तार-तार

यह युद्ध तो होना ही था जी। अमेरिका युद्ध न करे तो बताइए क्या करे? अमेरिका तो बना ही युद्ध करने के लिए है न। जब कोलंबस ने उसकी खोज की थी, तभी उसने उसकी किस्मत में लिख दिया था-युद्ध करते रहना बेटा। वैसे ही जैसे घर के बड़े-बुजुर्ग जाते हुए यह सीख देकर जाते हैं कि घर की सुख-समृद्धि का ख्याल रखना। हालांकि, बताते हैं कि गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी युद्ध करने की बात कही है, लेकिन बेबात नहीं। युद्ध से पहले के उनके शांति प्रयास भी कम नहीं रहे और चर्चित भी बहुत रहे।

अमेरिका तो बेबात भी युद्ध कर सकता है। वैसे ही जैसे थानेदार बेबात भी दो डंडे मार सकता है। इसीलिए तो अमेरिका को दुनिया का थानेदार कहा जाता है। तो अमेरिका तो बना ही युद्ध करने के लिए है। वैसे ही जैसे हम शांति के लिए बने हैं। हालांकि, अब नए भारत में यह कोई गर्व करने की बात नहीं रह गयी है। अब हम नेहरू स्टाइल में शांति के कपोत नहीं उड़ाते, मोदी स्टाइल में घर में घुस कर मारने लगे हैं। फिर भी हम बुद्धवाले हैं और अमेरिका युद्धवाला है।

दोष बेचारे ट्रंप ताऊ का भी नहीं है। उन्होंने तो दुनिया में इतनी शांति मचाने की कोशिश की कि इधर जेलेंस्की को व्हाइट हाउस बुलाकर धमकाया तो उधर अस्सी या सौ बार यह दावा कर डाला कि उन्होंने ही भारत और पाकिस्तान के बीच का युद्ध रुकवाया। उन्होंने इतनी शांति मचायी कि अपने को पीस प्रेजिडेंट तक कह डाला। ऐसे में अगर किसी का दोष माना जाएगा तो नोबल वालों का माना जाएगा। अगर उन्होंने ट्रंप ताऊ को नोबल दे दिया होता तो आज दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर न खड़ी होती। बल्कि ट्रंप ताऊ तो इतने शांतिप्रिय हैं कि युद्ध का गम भुलाने के लिए उन्होंने वैसे ही हर रोज टैरिफ का जाप करना शुरू कर दिया जैसे इश्क का गम भुलाने के लिए आशिक हर शाम जाम छलकाने लगते हैं। लेकिन दुनिया वालों ने उनकी टैरिफ भक्ति का भी सम्मान नहीं किया। खुद उनके अपने सुप्रीम कोर्ट ने उसे बकवास करार दे दिया। ऐसे में अगर अमेरिका युद्ध नहीं करता तो बताओ क्या करता।

यह तो कुछ-कुछ वैसा ही हुआ न जनाब कि गुंडा अपनी गुंडई छोड़ने लगे पर, जमाना उसे छोड़ने ही न दे और उसे फिर से गुंडई की ओर धकेल दे। खैर, ऐसे में भाजपा वाले यह दावा जरूर कर सकते हैं कि यह तो मोदी जी इस्राइल के दौरे पर चले गए, जिससे युद्ध दो दिन टल गया, वरना पहले ही हो जाता। अब वह जमाना तो रहा नहीं जनाब जब खलील खां फाख्ते उड़ाया करते थे, माने मोदी जी रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाया करते थे, लेकिन उन्होंने दो दिन तक ईरान-अमेरिकी-इस्राइल युद्ध तो अवश्य ही टाल दिया। नहीं?

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बनी रहे शिक्षक की गरिमा

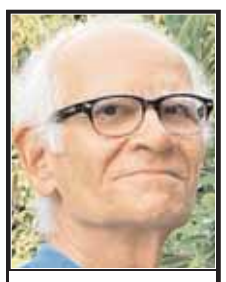

कृष्ण कुमार
लेखक एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक हैं

वर्ष 1990 के दशक के मध्य में नई आर्थिक नीतियों से जो बड़ी उम्मीदें जगी थीं, उनमें से एक यह थी कि लाइसेंस-इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। शायद काम-धंधे की दुनिया में ऐसा हुआ भी, लेकिन शिक्षा जगत में, 'लाइसेंस' और 'इंस्पेक्शन', दोनों के, तौर-तरीके और मज़बूत हुए। स्कूल शिक्षा में, इंस्पेक्टर यानी निरीक्षक शब्द आम था और इस पद के कई स्तर थे। महान हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने 20वीं सदी की शुरुआत में 'सब-डिप्टी इंस्पेक्टर' के तौर पर काम किया। उनका आभार कि उन्होंने ब्रिटिश राज में विद्यालय निरीक्षण का क्या मतलब हुआ करता था, इसकी साफ निशानियां अपनी कहानियों में वर्णित की हैं। ऐसा नहीं कि निरीक्षक वाली भूमिकाएं और इंस्पेक्शन संस्कृति बीते ज़माने की हैं = वे आज़ादी और नई आर्थिक एवं शिक्षा नीति के बाद भी बची हैं। स्कूल निरीक्षण आज भी ऐसा आयोजन है, जिसमें जहां निरीक्षण करने वाला विभाग अपनी ताकत प्रदर्शित करता है वहीं स्कूल स्टाफ विनम्रता दिखाता है। उनके पास नर्मी दिखाने के अलावा कोई चारा भी नहीं।

निरीक्षण संस्कृति औपनिवेशिक काल के दिनों से नहीं बदली। हेडमास्टर को सुनिश्चित करना होता था कि स्कूल भवन साफ़-सुथरा दिखे, गलियारे में गमले सजे हों। बच्चों को होशियार और अध्यापकों को काम में खोए दिखना होता था। अगर कहीं छत में छेद होते, तो उन्हें चिथड़ों से या जो भी हाथ लगे, उससे ढांप दिया जाता था। अगर फ़र्श पर गड्ढे होते, तो हेडमास्टर उन्हें छिपाने के लिए कालीन का इस्तेमाल करते थे। गांधीवादी शिक्षाशास्त्री मार्जोरी साइक्स, जो असल में एक ब्रिटिश नागरिक थीं, ने इस लेखक को बताया कि भारत में होने वाला विद्यालय निरीक्षण इंग्लैंड में निरीक्षण से एकदम उल्ट होता था। वहां हेडमास्टर छेदों के चारों ओर चॉक से गोले खिंचवा देते थे, ताकि सुनिश्चित हो कि वह इंस्पेक्टर की नज़रों में आ जाए और वह मरम्मत का काम करवाए। न कोई डर था, न असलियत छिपाने की ज़रूरत थी। माना गया था कि उदारवाद की आमद से न केवल व्यापार बल्कि हर क्षेत्र में नौकरशाही कमज़ोर होने के साथ इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। लेकिन शिक्षा क्षेत्र में, निरीक्षक राज उल्टा उच्च शिक्षा तक फैल गया। एक्रेडिटेशन (मानकीकरण) और रैंकिंग नई प्रथा के तौर पर शुरू किए गए, और उनकी वजह से निरीक्षण टीमों द्वारा यूनिवर्सिटी और कॉलेज निरीक्षण अनिवार्य हो गया। जब 'नैक' (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) एक इंस्पेक्शन टीम भेजती है, तो कॉलेज व यूनिवर्सिटी के अधिकारी कैंपस सजा देते हैं, आगंतुक टीम को प्रभावित करने के लिए शानदार डेटा डिस्प्ले एवं खूबसूरत फ्लेक्स तैयार किए जाते हैं। इसके सदस्य 'अन्य तरीकों से अपनी तसल्ली' करवाए जाने की अपेक्षा रखते हैं -महज़ साफ-सुथरे शौचालयों और पौधे लगाने भर से नहीं। अगर टीम उच्चतम ग्रेड से कम की रैंकिंग देती है, तो बताए गए कारण अकसर असली कहानी नहीं होते। हर कोई जानता है कि संस्थान मुखिया आंगतुकों को खुश करने में नाकाम रहा। एक रिपोर्ट बताती है कि विद्यालय निरीक्षण के दौरान

और उसके बाद अध्यापकों को किन जोखिमों का सामना करना पड़ता है। पंजाब के शिक्षा मंत्री ने लुधियाना ज़िले के माछीवाड़ा में एक प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उसके बाद संबंधित अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पूछा गया कि निरीक्षण के दौरान उनकी कक्षा के विद्यार्थी पंजाबी में लिखा क्यों नहीं पढ़ पाए और दिए गए गणित के आसान सवाल क्यों नहीं हल कर पाए? हम बीच-बीच में से चुने गए बच्चों के बारे में नहीं जानते। क्या वे पंजाबी भाषी परिवारों से थे, और वे कब से पंजाबी पढ़ना सीख रहे थे? किस किस्म की पठन सामग्री उपयोग की गई? अध्यापकों को किस किस्म के संस्थानों में प्रशिक्षण मिला? क्या बच्चे उस वक्त घबरा गए, जब अनजान लोगों ने उन्हें अचानक खड़े होकर ज़ोर से पढ़ने और गणित के सवाल हल करने के लिए कहा होगा? ऐसे सवाल मंत्री की निरीक्षण टीम की नज़र से ओझल हैं। मुझे ज़रा संदेह नहीं कि इसके सदस्यों को पंजाब के डाइट यानी डिस्ट्रिक्ट इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग की दुर्दशा के बारे में पता नहीं होगा। यह ज़रूरी ढांचा था जो अध्यापन स्तर को बनाए रखता है। सर्व शिक्षा अभियान के तहत अन्य और कई ढांचे बनाए गए। वे भी अब खस्ताहाल हैं। वास्तव में, अध्यापक नीत शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है, निजी शिक्षा संस्थानों में तो हाजिरी भी ज़रूरी नहीं। निरीक्षण टीमों को ऐसी बारीकियों में कोई दिलचस्पी नहीं। उन्हें तो बस प्रदर्शन चाहिए- बच्चों का प्रदर्शन जो अध्यापकों की काबिलियत का सबूत दर्शाता हो। माछीवाड़ा की कहानी में एक विडंबना यह है कि वह प्राथमिक विद्यालय स्मार्ट स्कूलों की सूची में शामिल है। इस शीर्षक का मतलब है कि स्कूल इंटर-एक्टिव पेडागॉजी (दोतरफा संवाद से पढ़ाई) के लिए ज़रूरी डिजिटल उपकरणों से लैस है। पिछले एक दशक में डिजिटल उपकरणों पर आधिकारिक विश्वास तेज़ी से बढ़ा है। जिसे कोविड-19 महामारी ने और बढ़ाया। जो कोई बात यह साबित करे कि यह भरोसा सही नहीं, उसका विरोध किया जाता है- और ऐसा इसलिए नहीं कि स्मार्ट स्कूल परियोजना में काफी निवेश किया गया है। डिजिटल उपकरण कक्षा को आधुनिक स्वरूप प्रदान करते हैं, जिससे अहसास होता है कि तरक्की बहुत हो रही है। यह अहसास सरकारी स्कूलों में एक प्रतीकात्मक उद्देश्य पूरा करने के लिए है। इस संदेश के दो मुख्य हिस्से हैं = पहला, कि सरकार शिक्षा स्तर को बेहतर बनाने के वास्ते फिक्रमंद है, और दूसरा, कि निजी और सरकारी स्कूलों के बीच का अंतर कम हो रहा है। यह संदेश शिक्षा में तकनीक के इस्तेमाल को सैद्धांतिक आभा प्रदान करता है। निजी एवं सरकारी विद्यालय, दोनों में, अध्यापन और शिक्षक-विद्यार्थी रिश्ते पर इसके असली असर पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। बच्चों की तकनीक की मदद से निरंतर परीक्षाओं ने असल अध्यापन को कमजोर किया। स्कूलों को चलाने वाली नौकरशाही मान कर चली थी कि निरंतर परीक्षा प्रणाली से अध्यापक अधिक चौकस एवं जिम्मेदार बनेंगे। यह गलत विचार था, हालांकि कागज़ों पर सही लग रहा था और नीति नियंताओं ने इसे उच्च गुणवत्ता पाने का शॉर्टकट समझ हाथों-हाथ लिया। वे अब भी यह नहीं देख पा रहे कि अध्यापकों की खुशी और गरिमा ही कक्षा में ईमानदार मेहनत की गारंटी है। यह विचार कोई नया नहीं। चार दशक पहले, दार्शनिक डीपी चट्टोपाध्याय की अध्यक्षता वाले नेशनल टीचर कमीशन ने यह सब कुछ कहा था। रिपोर्ट में अध्यापकों को आत्मविश्वास से परिपूर्ण और सार्वभौमिक बनाने के लिए कई नीतियां सुझाई गई थीं। अध्यापक प्रशिक्षण को वास्तविकता और अर्थ देने के लिए इसकी सिफारिशों का उद्देश्य सोचने-समझने वाले टीचरों का एक समूह बनाना था, जो हर बच्चे को बेस्ट राह प्रदान करने को फैसले लेने में सक्षम हो। आयोग की यह कीमती सलाह अब पूरी तरह से भुला दी गई है, हालांकि 2008 में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा आयोग ने भी ऐसी ही सिफारिशें की थीं। और कुछ साल पहले, पंजाब सहित कई राज्यों में अध्यापकों की सार्वभौमिकता एवं क्षमता बढ़ाने के लिए उप-जिला स्तरीय ढांचे के रूप में 'इंस्पेक्शन राज' का एक विकल्प सामने आया था। आज यह सब खस्ताहाल हैं। स्पष्टत: नीतिगत प्रगति के चलते व्यवस्था चौपट हुई है और अध्यापकों में विरक्ति का भाव आ गया।

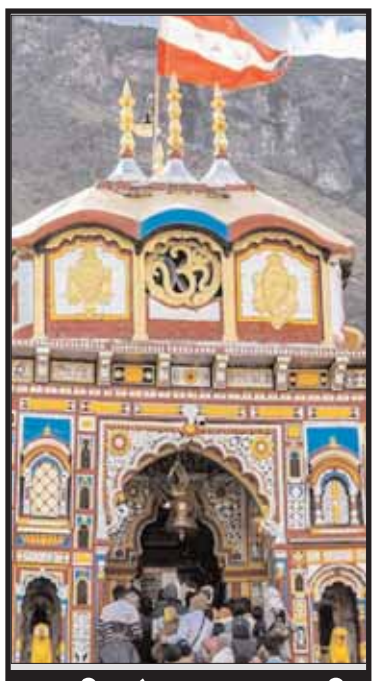

बदरी-केदारनाथ की चोटियों में बर्फबारी नैनीताल में गिरे ओले

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले एक सप्ताह से धूप और बादलों की आंख-मिचौनी के बाद मौसम ने अचानक करवट ले ली है। रविवार सुबह से आसमान में घने बादल छा गए और बदरीनाथ, केदारनाथ, हेमकुंड तथा पिथौरागढ़ की ऊंची चोटियों पर हिमपात शुरू हो गया। वहीं रुड़की, ऋषिकेश, हल्द्वानी और मसूरी में हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि गोपेश्वर, रुद्रप्रयाग और श्रीनगर, कोटद्वार में वर्षा दर्ज की गई। नैनीताल और ऊधम सिंह नगर के कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हुई। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश की संभावना बनी हुई है। इससे तापमान में गिरावट आने की भी संभावना है। कुमाऊं में सुबह से ही मौसम का मिजाज बदल रहा है। अधिकांश स्थानों पर तेज हवाओं के साथ ही बूंदाबादी हुई है। पिथौरागढ़ की उच्च हिमालयी चोटियों पर बर्फबारी हुई तो नैनीताल व बाजपुर क्षेत्र में ओलावृष्टि भी हुई है। वर्षा के आसार बने हुए हैं।

मौसम अपडेट

जिला मुख्यालय पौड़ी में हल्की बारिश हुई शुरू।

रुद्रप्रयाग जनपद में मौसम ली करवट। केदारनाथ समेत ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी, जबकि निचले इलाकों में बारिश शुरू हो गई है। जिससे एक बार फिर मौसम ठंडा हो गया है।

नैनीताल में बारिश जारी।

बदरीनाथ और हेमकुंड साहिब की चोटियों में बर्फबारी, निचले स्थानों में बारिश।

ऋषिकेश व ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। जल्दी बारिश शुरू हुई है। हवाओं के साथ हल्की ठंड भी महसूस हो रही है।

जनपद में सुबह से छाए हैं बादल। बारिश के आसार।

जिला मुख्यालय नई टिहरी सहित आसपास के क्षेत्रों में छाए हैं बादल। मौसम में ठंडक फिर लौटी

कोटद्वार में बारिश शुरू।

मौसम ने ली करवट, रात से छाए हैं बादल। रुक रुक कर हो रही बूंदाबांदी। तापमान 12 डिग्री सेल्सियस।

चंपावत में हल्की बूंदाबांदी शुरू।

पिथौरागढ में ऊंची चोटियों पर बर्फबारी भी हुई।

आसमान घनघोर। वर्षा के आसार। चल रही ठंडी हवा।

तेज हवाओं के साथ ही बूंदाबादी।

जंग रोकने की शर्तें मंजूर नहीं: ट्रंप

वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फिलहाल ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किसी समझौते पर बात नहीं बनी है। ट्रंप का कहना है कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन उसकी शर्तें अभी अमेरिका के लिए स्वीकार करने लायक नहीं हैं। ईरान की तरफ से उनके इस ताजा बयान पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन मैं अभी इसके लिए तैयार नहीं हूं, क्योंकि उसकी शर्तें अभी अच्छी नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर भविष्य में कोई समझौता होता है तो उसकी शर्तें बहुत मजबूत होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि हाल-फिलहाल ईरान की तरफ से क्या शर्तें रखी गई हैं और समझौते के लिए किस तरह उनसे संपर्क किया गया है। ट्रंप ने यह भी साफ किया कि किसी भी युद्धविराम या समझौते की एक बड़ी शर्त यह होगी कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह छोड़ दे। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करता रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और इजरायल की जंग तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर गई है। इन हमलों की वजह से मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ रहा है। इसका असर वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार पर भी पड़ रहा है। लगातार हमलों के कारण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर असर पड़ा है और तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का कारण बनती जा रही है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका उन देशों से मदद मांग रहा है जिनका तेल व्यापार होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। उनका कहना है कि इन देशों को इस अहम समुद्री रास्ते को सुरक्षित रखने में योगदान देना चाहिए। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी संख्या में तेल के टैंकर गुजरते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि कई देशों ने इस रास्ते की सुरक्षा में मदद करने का भरोसा दिया है, हालांकि उन्होंने इन देशों के नाम नहीं बताए।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बाद बाब अल-मंडेब होगा बंद!

दुबई

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्ध अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था दांव पर लगी है। खाड़ी क्षेत्र में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पहले से ही बंद होने की खबरों के बीच, अब यमन के हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंडेब स्ट्रेट को ब्लॉक करने की धमकी दी है। युद्ध के तीसरे हफ्ते में एंट्री लेते ही यमन स्थित हूती विद्रोहियों ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। ईरान के समर्थित इस लड़ाकू समूह ने कहा है कि वो किसी भी पल जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। हूती नेता अब्दुल मलिक अल-हूती ने बताया कि उनके बल ट्रिगर पर उंगली रखे हुए हैं और संघर्ष बढ़ने की स्थिति में वो हस्तक्षेप करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि ये ईरान की तीन चरणों वाली रणनीति का हिस्सा है। पहला चरण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करना है, जो पहले ही किया जा चुका है। दूसरा चरण लेबनान और गाजा के मोर्चों से इजरायल को उलझाना है और तीसरा चरण हूतियों के जरिए बाब अल-मंडेब को बंद करना है। बाब अल-मंडेब का मतलब आंसुओं का द्वार है, जो दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। ये यमन को जिबूती और इरिट्रिया से अलग करता है। ये लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से जोड़ता है। स्वेज नहर के माध्यम से एशिया और यूरोप के बीच होने वाले व्यापार के लिए हर जहाज को इसी 29 किलोमीटर चौड़े रास्ते से गुजरना पड़ता है।

दक्षिणी दिल्ली के नेचर बाजार में आग लगने से 50 दुकानें जलकर खाक

नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के अंधेरिया मोड़ इलाके में स्थित रविवार सुबह आग लगने से करीब 50 दुकानें जलकर खाक हो गईं। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने नौ फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया। नेचर बाजार में अलग-अलग राज्यों के पारंपरिक परिधान और क्राकरी, कारपेट आदि की दुकानें हैं। दिल्ली फायर सर्विसेज के अनुसार, आग लगने की सूचना रविवार सुबह 7.37 बजे मिली, जिसके बाद आग पर काबू पाने के लिए आनन-फानन में दमकल विभाग की 9 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग लगने से सामान जलने के साथ इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। भीड़भाड़ वाले इस बाजार में आग तेजी से फैली और इलाके में चारों ओर धुएं का गुब्बार छा गया। आग बुझाने में मदद के लिए पुलिस टीम भी पहुंची।

इजरायल का प्रहार: तेहरान में स्पेस रिसर्च सेंटर और एयर डिफेंस फैक्ट्री तबाह

तेहरान

इजरायली डिफेंस फोर्सेस ने ईरान की राजधानी तेहरान और उसके आसपास के इलाकों में भीषण हवाई हमले कर ईरानी सैन्य ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। इजरायली वायुसेना ने दावा किया है कि इस हमले में ईरान का मुख्य स्पेस रिसर्च सेंटर और एयर डिफेंस सिस्टम बनाने वाली एक बड़ी फैक्ट्री पूरी तरह तबाह हो गई है। इस हवाई हमलों की लहर में तेहरान में स्थित ईरानी शासन के दर्जनों बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया। सबसे महत्वपूर्ण निशाना वह स्पेस रिसर्च सेंटर था, जिसमें ऐसी रणनीतिक प्रयोगशालाएं थीं जो डिफेंस सैटेलाइट के विकास के लिए इस्तेमाल की जा रही थीं। इन सैटेलाइट्स का उपयोग पूरे मध्य पूर्व में निगरानी और हमलों के लिए दिशा-निर्देश देने में किया जाना था। इसके अतिरिक्त, इजरायल ने ईरान के हवाई रक्षा तंत्र को बनाने वाली एक प्रमुख फैक्ट्री को भी ध्वस्त कर दिया है। इस हमले से ईरान की अपने हवाई रक्षा नेटवर्क को फिर से खड़ा करने और उसे सुदृढ़ करने की क्षमता को काफी हद तक कमजोर कर दिया गया है। यह हमला ईरान के उस सुरक्षा कवच पर सीधा वार है जो उसे हवाई खतरों से बचाता था।

आपको बता दें कि मिडिल ईस्ट जंग का आज 16वां दिन है। 28 फरवरी को, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर ताबड़तोड़ हमले किए थे जिसमें ईरान के तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के साथ-साथ वरिष्ठ सैन्य कमांडर और आम नागरिक भी मारे गए थे। इसके जवाब में, ईरान ने मध्य पूर्व में इजरायल और अमेरिका के ठिकानों तथा संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की झड़ी लगा दी थी।

कांशीराम की विरासत पर सपा-कांग्रेस की नजर

लखनऊ

अगले वर्ष विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के बीच दलित वोटों को लेकर घमासान मचा है। पिछले डेढ़ दशक से कई चुनावों में खराब प्रदर्शन कर रही बसपा से खिसकते कैडर वोट को भी लपकने की कोशिश में दूसरे दल जुट गए हैं। बसपा के संस्थापक कांशीराम के सम्मान का सहारा लेकर समाजवादी पार्टी इसमें सबसे आगे दौड़ रही है। कांग्रेस भी अब इस रेस में शामिल हो गई है। पार्टी के सांसद राहुल गांधी ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में कांशीराम के सम्मान और उनको मुख्यमंत्री बनाने जैसे बयान देकर इसी रणनीति के तहत दलितों को लुभाने का दांव चला। सपा की कोशिशों से पहले ही जूझ रहीं बसपा सुप्रीमो मायावती का राहुल के दांव से भी बेचैन होना स्वाभाविक है। शनिवार को दोनों ही पार्टियों पर तीखा हमला करते हुए मायावती ने आरोप लगाया कि वे कांशीराम की विरासत को चुनावी लाभ के लिए अपनाने की कोशिश कर रही हैं। कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन वोट बैंक को साधने के लिए यह 'नया अवसरवादी राजनीतिक फैशन' बन गया है। इस तरह दलित वोटों के लिए मचा घमासान थमने के बजाय और तेज होते ही दिख रहा है। दरअसल, राज्य की 403 विधानसभा सीटों में से भले ही 85 सीटें आरक्षित हैं लेकिन 100 से अधिक सामान्य सीटों पर भी 25 प्रतिशत तक दलितों की चुनाव परिणामों में निर्णायक भूमिका रहती है।

यही कारण है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न दलों के बीच दलित समाज तक पहुंच बढ़ाने की प्रतिस्पर्धा तेज होती दिख रही है। वर्ष 1984 में कांशीराम द्वारा स्थापित बहुजन समाज पार्टी ने खासतौर से दलितों-वंचितों को संगठित कर प्रदेश की राजनीति में मजबूत आधार बनाया। मायावती के नेतृत्व में पार्टी ने राज्य में चार बार सरकार भी बनाई। हालांकि, वर्तमान में पार्टी का कोई सांसद नहीं, सिर्फ एक विधायक है। मायावती के खत्म होते 'जादू' को देखते हुए भाजपा, सपा और कांग्रेस जैसे दलों ने दलित समाज के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस कोशिश में डा. बीआर आंबेडकर व अन्य महापुरुषों के साथ कांशीराम से जुड़े दिवसों पर आयोजन की रणनीति अपनाई जा रही है। चूंकि अगले वर्ष के शुरूआत में ही चुनाव होने हैं इसलिए अबकी सपा प्रदेशभर में कांशीराम जयंती पर पीडीए दिवस का आयोजन कर रही है। शुक्रवार को कांग्रेस ने सामाजिक परिवर्तन दिवस आयोजित कर अपने इरादे भी दिखा दिए। कार्यक्रम में कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग उठी और राहुल ने कहा कि कांग्रेस की कमियों से कांशीराम जैसे नेता उभरे। नेहरू जिंदा रहते तो कांशीराम मुख्यमंत्री बनते। इस पर मायावती ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने केंद्र की सत्ता में रहते डॉक्टर आंबेडकर को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। 'भारत रत्न' भी नहीं दिया। कांग्रेस-सपा पर निशाना साधते बसपा प्रमुख ने कहा कि 2006 में कांशीराम के निधन के समय केंद्र की कांग्रेस सरकार ने न राष्ट्रीय शोक और न ही प्रदेश की सपा सरकार ने राज्य में शोक घोषित किया। मायावती ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल एक ओर बसपा को कमजोर करने की कोशिश में हैं तो दूसरी ओर कांशीराम की विरासत का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं। बहुजन मतदाताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए मायावती ने कहा, 'सबकी सुनो, लेकिन अपने वोट की ताकत को वोट के सौदागरों के हाथ में मत जाने दो'।

तेल निकालने के उपकरण बनाने वाली फर्म पर छापा, 3.4 करोड़ रुपए वसूले

देहरादून

सेलाकुई क्षेत्र में तेल उत्खनन के उपकरण बनाने वाली फर्म पर राज्य कर विभाग ने छापा मारा। जांच में पाया गया कि फर्म लंबे समय से टैक्स चोरी में लिप्त है। अपनी कर देयता कम करने और गलत ढंग से इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ प्राप्त करने के लिए फर्जी खरीद दिखाई जा रही है। ताकि विभाग को बताया जा सके कि फर्जी खरीद पर उसने टैक्स अदा किया है और उस टैक्स को आइटीसी के रूप में प्राप्त किया जा सके या अपनी कर की देयता को घटाया जा सके। यह कार्रवाई आयुक्त राज्य कर सोनिका के निर्देशन, अपर आयुक्त डीएस नबियाल और संयुक्त आयुक्त अजय सिंह के मार्गदर्शन में उपायुक्त सुरेश कुमार की टीमों ने की। कुल सात टीमों ने फर्म और उसी परिसर में स्थित कुछ अन्य फर्मों पर एक साथ छापा मारा। जांच में पता चला कि फर्म अपनी ही सहयोगी फर्मों के साथ फर्जी खरीद और बिक्री दर्शा रही है। इसके अलावा कुछ अस्तित्वहीन फर्मों के साथ भी माल का फर्जी परिवहन दिखाया गया, जबकि वास्तव में माल का परिवहन किया ही नहीं गया था।जांच के दौरान अधिकारियों ने बड़ी संख्या में कारोबार से संबंधित दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक डाटा कब्जे में लिया। विभाग के हाथ कर चोरी के पुख्ता प्रमाण लग जाने के बाद तेल उत्खनन के उपकरण बनाने वाली फर्म और उसकी सहयोगी फर्मों ने मौके पर 3.4 करोड़ रुपये जमा करा दिए।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

रिलीज से पहले कानूनी पचड़े में फंसी धुरंधर-2

रणवीर सिंह की धुरंधर : द रिवेंज का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इस मूवी में उनके साथ आर माधवन, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल नजर आएंगे। मूवी 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का रिलीज से एक दिन पहले पेड़ प्रिव्यू रखा गया है जिसकी एडवांस बुकिंग पहले ही बहुत शानदार हुई है।

हालांकि, ऑफिशियल रिलीज से पहले ही फिल्म विवादों में घिरती नजर आ रही है। सिख समुदाय ने फिल्म में रणवीर सिंह के चित्रण पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि फिल्म सिख समुदाय की छवि को धूमिल करने का प्रयास करती है। महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्ता विक्की थॉमस सिंह ने फिल्म के निर्माता-निर्देशक और सिख किरदार निभाने वाले अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में सिख कम्यूनिटी ने सवाल उठाया कि फिल्म में कई जगह रणवीर को सिगरेट पीते दिखाया गया है जोकि उनके धर्म में वर्जित है। इसलिए, फिल्म में ऐसा दृश्य दिखाना न केवल धार्मिक रूप से असंवेदनशील है, बल्कि पूरे सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं का अपमान भी है। विक्की थॉमस सिंह ने मांग की है कि फिल्म से सिख किरदार को धूम्रपान करते हुए दर्शाने वाले सभी दृश्यों को तुरंत हटा दिया जाए। इसके अलावा, उन्होंने अनुरोध किया है कि ऐसे सीन्स को सभी संबंधित पोस्टरों, ट्रेलरों और अन्य प्रचार सामग्री से भी हटा दिया जाए।

इस नोटिस में विक्की ने धुरंधर: द रिवेंज से सभी ईशनिंदापूर्ण, आपत्तिजनक और धार्मिक रूप से असंवेदनशील सामग्री को तुरंत हटाने की मांग की गई है। इसमें सिख समुदाय से सार्वजनिक माफी मांगने की भी मांग की गई है, क्योंकि फिल्म में ऐसे दृश्य और प्रचार सामग्री शामिल हैं जिनसे सिखों की धार्मिक भावनाओं को गंभीर ठेस पहुंची है। बता दें कि फिल्म में रणवीर सिंह जसकीरत सिंह रांगी नाम के एक काल्पनिक जासूस की भूमिका निभाई है जो पाकिस्तान में दुश्मन के ठिकानों में घुसपैठ करने और भारत को खुफिया जानकारी देता है। उनके किरदार का नकली नाम हमजा अली मजारी होता है। फिल्म के दूसरे पार्ट में हमें जसकीरत के हमजा बनने की कहानी और ल्यारी पर उसके कब्जे की कहानी दिखाई गई है।

चरक : आस्था की आड़ में खौफनाक अंधविश्वास का काला सच

खुद के संतान सुख प्राप्ति के लिए किसी दूसरे बच्चे की बलि देना सुनने में अजीब लगेगा, लेकिन फिल्म चरक : फेयर ऑफ फेथ बंगाल में प्रचलित चरम तांत्रिक प्रथाओं और अंधविश्वास के इर्द-गिर्द बुनी गई कहानी है। फिल्म नरबलि और बच्चों के लापता होने की घटनाओं को केंद्र में रखती है। मान्यता है कि चरक मेला मां काली और शिव भगवान को प्रसन्न करने के लिए आयोजित किया जाता है। द केरल स्टोरी के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने चरक के जरिए फिल्म निर्माण में कदम रखा है। फिल्म मेले की आड़ में होने वाले अंधविश्वास को लेकर झकझोरती है। चरक: फेयर ऑफ फेथ की कहानी चांदपुर में चरक मेले से दो सप्ताह पहले शुरू होती है। बिकास (सुब्रत दत्त) और सुकुमार (शशि भूषण) बचपन के जिगरी दोस्त हैं। बिकास के बेटे बिरसा (शंखदीप) को निसंतान सुकुमार और उसकी पत्नी बहुत प्यार करते हैं। सुकुमार चरक मेले में इस बार बड़ा पुजारी बना है। उधर, बिकास से जुआ में हारा जगन (नलनीश नील) उससे पैसे वापस मांगता है जो उसने मेले में दुकान लगाने के लिए रखे होते हैं। बिकास मना कर देता है। आपसी अनबन के बाद जगन उसे सबक सिखाने की ठान लेता है।

वहीं पुलिस इंस्पेक्टर सुभाष शर्मा (सहीदुर रहमान) और उसकी लेखिका पत्नी शेफाली (अंजलि पाटिल) शादी के 12 साल बाद भी निसंतान हैं। शेफाली बच्चा गोद लेने को कहती है, लेकिन सुभाष उसके लिए राजी नहीं है। ऐसी मान्यता है कि निसंतान श्रद्धालु अगर अघोरियों के जरिए किसी बच्चे की बलि दें तो संतान सुख प्राप्त कर सकते हैं।

चरक की तैयारियों के बीच बिरसा और उसका जिगरी दोस्त कानू (शौनक श्यामल) लापता हो जाते हैं। स्थानीय विधायक का निर्देश है कि मेले के दौरान पुलिस कोई मामला दर्ज न करें, लेकिन लोगों की नाराजगी को देखते हुए पुलिस उनकी तलाश में जुटती है। आखिर बिरसा और कानू के लापता होने के पीछे कौन जिम्मेदार है? क्या इनकी बलि दी जाएगी? कहानी इस संबंध में हैं। आस्था और अंधविश्वास के बीच की पतली रेखा को तर्क ही अलग करता है। शिलादित्य मौलिक द्वारा निर्देशित और संजय हल्दर की लिखी कहानी इसी मुद्दे को उठाती है।

फारुख मलिक के लिखे स्क्रीनप्ले में कई सामाजिक पहलुओं को जोड़ा गया है जैसे संतान न होने के लिए औरत को दोषी ठहराना, शिक्षित सुभाष का अपनी मां के कहने पर तांत्रिक बाबा की दवाई लेना, जात-पात और बच्चों की चोरी जैसी घटनाएं। फिल्म का पहला हिस्सा मुख्य रूप से चरक मेले और पात्रों की स्थापना में बीत जाता है। मेले के आयोजन और उससे जुड़ी परंपराओं पर ज्यादा फोकस किया गया है। इंटरवल के बाद कहानी रफ्तार पकड़ती है क्लाइमैक्स चौंकाता है लेकिन उसे थोड़ा और गहराई से दिखाने की गुंजाइश थी। सुकुमार से जुड़े कुछ सवाल अनुत्तरित रह जाते हैं। शरीर को लोहे की छड़ों से भेदने और अघोरियों के खोपड़ी से पानी पीने जैसे दृश्य कुछ दर्शकों को विचलित कर सकते हैं। फिल्म के अंत में वर्तमान समय में गैरकानूनी तरीके से दी जा रही नरबलि से जुड़ी अखबारों की खबरों की क्लिप भी दिखाई जाती है। तकनीक पक्ष की बात करें तो विशाख ज्योति का संगीत फिल्म के भाव और वातावरण को प्रभावी ढंग से उभारता है। वहीं सिनेमेटोग्राफर मानस भट्टाचार्य और प्रशांतनु मोहपात्रा ने चरक उत्सव के साथ गांव की प्राकृतिक सुंदरता को खूबसूरती से कैमरे में कैद किया है। कलाकारों में अंजलि पाटिल और साहीदुर रहमान प्रभावशाली हैं। उन?होंने अपने किरदारों को उचित भावों के साथ जीया है। बिरसा के शराबी और जुआरी पिता के रूप में सुब्रत दत्त तथा उसकी मां के रूप में मनोश्री बिस्वास का अभिनय सराहनीय है। बाल कलाकार शंखदीप और शौमल श्यामल भी प्रभावित करते हैं। सुकुमार के रूप में शशि भूषण और उनकी पत्नी की भूमिका में श्रेया भट्टाचार्य ने भी अपने किरदारों को सहजता से निभाया है। कुल मिलाकर चरक : फेयर आफ फेथ एक गंभीर सामाजिक मुद्दे को उठाती है। हालांकि इसकी कहानी और प्रस्तुति थोड़ी और सशक्त होती तो इसका प्रभाव कहीं ज्यादा गहरा हो सकता था।

कलेक्टर रजनी सिंह 12 किमी दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में पैदल चलकर भारिया जनजातीय बाहुल्य ग्राम बड़ागांव में पहुंची

कलेक्टर ने जनसंवाद शिविर में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं :आगामी सप्ताह में बड़ागांव तक पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य होगा प्रारंभ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर दुर्गम पहाड़ी पर स्थित जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत मोहपानी के आदिवासी बाहुल्य ग्राम बड़ागांव में शनिवार को जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। इस गांव में मुख्य रूप से भारिया जनजाति के नागरिक निवास करते हैं। शिविर का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना तथा उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। दुर्गम मार्ग होने के कारण कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य अधिकारी 12 किमी दूरी पहाड़ों पर पैदल चलकर भारिया जनजातीय बाहुल्य ग्राम बड़ागांव पहुंचे और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। शिविर में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि गांव तक पहुंच मार्ग की समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। इस दौरान संबंधित अधिकारी ने अवगत कराया कि आगामी सप्ताह में बड़ागांव तक पहुंच मार्ग के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को स्वसहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूहों के माध्यम से आटा चक्की, मुर्गी पालन, बकरी पालन सहित विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से जुड़कर महिलाएं अपनी आय बढ़ा सकती हैं। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण तथा स्वरोजगार के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने आगामी 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में ग्रामीणों को जल संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया। कलेक्टर ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से जल संरक्षण करने पर गांव में पानी की समस्या का स्थायी समाधान संभव होगा। कलेक्टर ने शिविर में हर घर जल मिशन, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण कार्यक्रम, आंगनवाड़ी सेवाएं, स्कूल शिक्षा विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, वाटरशेड एवं जल संरक्षण आदि योजनाओं, कार्यक्रमों व गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने दी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

जनसंवाद शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विभाग के उप संचालक श्री मोरिस नाथ ने किसानों को विभागीय योजनाओं एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में बताया। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. सुनील बृजपुरिया ने मुर्गी पालन, बकरी पालन, गौवंशीय पशुपालन सहित पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। सीएचओ गोटीटोरिया सौम्या ब्रह्माण ने आयुष्मान कार्ड, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जननी सुरक्षा योजना, टीकाकरण अभियान सहित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया। साथ ही आधार, समग्र आईडी और जाति प्रमाण पत्र से संबंधित प्रक्रियाओं से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा महिलाओं, बुजुर्गों, नागरिकों और बच्चों का मौके पर ही स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सलाह और आवश्यक दवाईयां वितरित की गई।

कलेक्टर ने किया आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण-कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम बड़ागांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी में दर्ज बच्चों तथा कुपोषित बच्चों की जानकारी ली और आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।कलेक्टर को अवगत कराया गया कि गांव में एक बच्चा कुपोषित पाया गया है। कलेक्टर ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व सीएचओ को निर्देशित किया कि उक्त बच्चे के घर जाकर उसका स्वास्थ्य परीक्षण करें और आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस दौरान कलेक्टर स्वयं सेम बच्चे के अभिभावक को समझाइश देने के उद्देश्य से उनके घर पहुंची। घर पहुंचकर कलेक्टर ने बच्चे के अभिभावक को समझाइश दी कि बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराने से उसे उचित उपचार और पोषण मिल सकेगा तथा वह जल्द स्वस्थ हो जाएगा। कलेक्टर की इस समझाइश पर अभिभावक ने बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराने के लिए सहमति व्यक्त की।

कलेक्टर ने किया आवासों का किया अवलोकन

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्रधानमंत्री आवास- ग्रामीण और प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत ग्राम बड़ागांव में निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हितग्राही श्री मोहन भारिया, श्री शंकर भारिया एवं श्री विनोद भारिया के आवासों का अवलोकन किया और निर्माण कार्य की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान हितग्राही श्री मोहन भारिया का आवास निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर ने आवास का अवलोकन करते हुए निर्माण कार्य की सराहना की और हितग्राही से संवाद कर योजना के संबंध में जानकारी ली। वहीं हितग्राही श्री शंकर भारिया, श्री विनोद भारिया एवं एक अन्य हितग्राही के आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

एलपीजी से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए

जिला स्तर पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। एलपीजी की आपूर्ति को दृष्टिगत रखते हुए एलपीजी से संबंधित जिले में आपूर्ति एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण कराने के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। यह नियंत्रण कक्ष जिला आपूर्ति कार्यालय में बनाया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने निर्देश दिए हैं कि उक्त अधिकारी एवं कर्मचारी नियमित रूप से गैस एजेंसियों एवं ऑयल कम्पनी के क्षेत्रीय सेल्स ऑफीसर से समन्वय कर एलपीजी की आपूर्ति एवं आमजनों से प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण करेंगे।जारी आदेश के मुताबिक तहसील नरसिंहपुर व चांवरपाठा के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रंजना सिंह के मोबाइल नंबर 8319776870, कम्प्यूटर ऑपरेटर सुश्री शिखा पाठक के मोबाइल नंबर 6268349919 व श्री राजाराम केवल के मोबाइल नंबर 9340378969, गोटेगांव व करेली के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री शंकर पटेल के मोबाइल नंबर 9098678058, कम्प्यूटर ऑपरेटर सुश्री सविता केवट के मोबाइल नंबर 8359084446 व श्री सौरभ राय के मोबाइल नंबर 7999303662 और सांईखेड़ा व गाडरवारा के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री राम नारायण दीक्षित के मोबाइल नंबर 8800728857, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री चंद्रशेखर सराठे के मोबाइल नंबर 9644875087 व श्री टीकाराम रजक के मोबाइल नंबर 7999803985 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

विक्रमोत्सव 2026 के तहत 19 मार्च को सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। राज्य शासन के निर्देशानुसार विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत जिला मुख्यालय में 19 मार्च 2026 को पूर्वान्ह सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिए डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर ने सहायक संचालक सामाजिक न्याय एवं निश्शक्तजनकल्याण श्रीमती अंजना त्रिपाठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। श्रीमती त्रिपाठी का मोबाइल नंबर 8750559888 उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के संस्कृति विभाग के द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत जिला मुख्यालय में 19 मार्च को पूर्वान्ह सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसके प्रचार-प्रसार के ?लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी एवं आयोजन स्थल की जानकारी का चयन कर सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ब्लैकमेलिंग से परेशान युवक ने लगाई फांसी, आरोपी गिरफ्तार

हटा (स्वतंत्र मत)। गैसाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मुहरई में शनिवार को ब्लैकमेलिंग से परेशान एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया था। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम मुहरई निवासी रोहित उर्फ कृष्णकांत राय 22 वर्ष पिता सुंदरलाल राय 14 मार्च शनिवार की सुबह करीब 10 बजे घर से घूमने जाने की बात कहकर निकला था। कुछ समय बाद धुबयाई तलैया के पास खेत की मेड़ पर लगे महुआ के पेड़ से रस्सी के फंदे पर उसका शव लटका मिला।बताया जा रहा है कि आत्महत्या से पहले युवक ने अपने एक दोस्त को व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल किया था।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ज्ञान संवर्धन कार्यशाला का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद के सभागार में मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी के मार्गदर्शन में ज्ञान संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नगर क्षेत्र में कार्यरत महिला सफाई मित्रों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं को जागरूक करना, उनके कौशल एवं आत्मविश्वास का संवर्धन करना तथा महिला सशक्तिकरण की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के साथ महिला सशक्तिकरण संवाद आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता के महत्व, आत्मनिर्भरता, सामाजिक सहभागिता, आजीविका के अवसरों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित महिलाओं को समाज में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नगर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला सफाई मित्रों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि महिला सफाई मित्र एवं स्व-सहायता समूह की महिलाएं नगर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी ने महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यों की सराहना की तथा उन्हें निरंतर उत्कृष्ट कार्य करते हुए नगर के विकास में सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। वार्ड पार्षद सिल्लू रजक, विकास तिवारी, जितेंद्र सिंह, प्रभात पांडे, संध्या पांडे, स्वच्छता नोडल अधिकारी पुनीत त्रिपाठी, स्वच्छता प्रभारी मोतीलाल सिंह, स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया, आईसी इंचार्ज गौरव विश्वकर्मा एवं आईईसी टीम के सदस्य सहित बड़ी संख्या में महिला सफाई मित्र समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

संसार की बातों पर ध्यान न देकर लक्ष्य की ओर बढ़ें : हेमंत कृष्ण दीक्षित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर के समीपी ग्राम आमपुरा (सांगई) के शक्ति दरबार में संगीतमय श्री महाशिवपुराण कथा का आयोजन जारी है। कथा के आयोजन से ग्राम का माहौल धर्ममय बना हुआ है एवं ग्रामवासी भगवान शिव की आराधना में लीन दिखाई दे रहे है। रविवार को शिव महापुराण कथा सुनाते हुए कथावाचक हेमंत कृष्ण दीक्षित ने कहा कि शिव महापुराण की कथा अत्यंत महिमामयी है। सामान्यत: सात दिवसीय च्शिव पुराण कथाज् में चौथे दिन का प्रसंग भगवान शिव के विवाह और उनके गृहस्थ स्वरूप पर केंद्रित होता है। इस दिन की कथा भक्त के हृदय में प्रेम, भक्ति और वैराग्य का सुंदर संगम कराती है। उन्होंने कहा कि चौथे दिन की कथा की शुरुआत माँ पार्वती के कठोर तप से होती है। नारद जी के उपदेश पर माता पार्वती भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए हज़ारों वर्षों तक तपस्या करती हैं। ?पंचाक्षरी मंत्र- तप के दौरान उन्होंने च्? नम: शिवायज् मंत्र का जाप किया।उन्होंने अन्न-जल त्याग दिया, जिसके कारण उनका नाम च्अपर्णाज् पड़ा।

?जब पार्वती जी का तप अपनी पराकाष्ठा पर पहुँचा, तो शिवजी ने उनकी परीक्षा लेने का निर्णय लिया। भगवान शिव एक वृद्ध ब्राह्मण (बटु) का रूप धरकर उनके पास आए। बटु रूपी शिव ने स्वयं अपनी ही निंदा की ताकि पार्वती का मन डोल जाए। उन्होंने कहा- च्तुम उस भस्मधारी, गले में सांप लपेटने वाले और श्मशान में रहने वाले से विवाह क्यों करना चाहती हो?ज्तो माता पार्वती ने अत्यंत दृढ़ता से उत्तर दिया कि उनका मन केवल शिव में ही रमा है।

उनकी अडिग भक्ति देखकर शिवजी अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट हुए और उन्हें स्वीकार किया।?उन्होंने कथा में आगे बताया कि भगवान शिव की बारात निराली थी। इसमें देवता, गंधर्व, यक्षों के साथ-साथ भूत-प्रेत, पिशाच और नंदी-भृंगी जैसे गण भी शामिल थे। यह कथा सिखाती है कि भगवान शिव के लिए सुंदरता या कुल का कोई महत्व नहीं है, वे केवल सच्चे भाव के भूखे हैं।

श्री दीक्षित ने आगे कहा कि कथा में शिवजी के अर्धनारीश्वर स्वरूप की महिमा बताई जाती है। यह स्वरूप दर्शाता है कि पुरुष और प्रकृति (शक्ति) एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। सृष्टि के संचालन के लिए दोनों का सामंजस्य अनिवार्य है। ?चौथे दिन की कथा हमें च्संकल्पज् की शक्ति सिखाती है।

जैसे पार्वती जी ने तमाम बाधाओं और शिवजी की निंदा सुनने के बावजूद अपना मार्ग नहीं बदला, वैसे ही एक भक्त को भी संसार की बातों में न आकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। आयोजन ?समिति एवं समस्त ग्रामवासियो ने क्षेत्रीय श्रद्धालुओं से प्रतिदिन शिव महापुराण कथा में उपस्थित होने की अपील की है।

किसानों की आवाज अनसुनी, भारतीय किसान संघ की पूरी जिला कार्यकारिणी ने छोड़ी जिम्मेदारी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) किसानों की समस्याओं को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे भारतीय किसान संघ की जिला इकाई ने आखिरकार बड़ा और भावनात्मक फैसला लेते हुए सामूहिक रूप से अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि किसानों की आवाज बार-बार उठाने के बावजूद शासन-प्रशासन से कोई ठोस समाधान नहीं मिला, जिससे आहत होकर यह निर्णय लेना पड़ा।

जानकारी के अनुसार भारतीय किसान संघ जिला डिंडौरी के पदाधिकारी लंबे समय से जिले के किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सक्रिय रहे। संगठन के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर किसानों की समस्याएं सुनते रहे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए कई ग्राम समितियों का गठन भी किया गया। किसानों की उम्मीद थी कि उनकी आवाज शासन तक पहुंचेगी और समस्याओं का समाधान होगा। किसानों की मांगों को लेकर 29 दिसंबर 2025 से शहपुरा के रानी दुर्गावती स्टेडियम में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन भी शुरू किया गया था। आंदोलन के दौरान किसानों की 29 प्रमुख मांगों को लेकर जबलपुर संभाग के आयुक्त को ज्ञापन सौंपा जाना था। लेकिन लंबे समय बीतने के बाद भी किसानों की मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

जिला पदाधिकारियों का कहना है कि किसान हितों की लड़ाई में संगठन के कार्यकर्ताओं ने अपनी क्षमता से बढ़कर मेहनत की। कई बार व्यक्तिगत स्तर पर समय और धन भी खर्च किया गया, लेकिन इसके बावजूद किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। इसी निराशा और पीड़ा के चलते जिला कार्यकारिणी ने सामूहिक रूप से अपने दायित्वों से मुक्त होने का निर्णय लिया।

इस संबंध में जिला अध्यक्ष बिहारी लाल साहू और जिला मंत्री एडवोकेट निर्मल कुमार साहू के हस्ताक्षरयुक्त पत्र संगठन के प्रांत पदाधिकारियों को भेजा गया है। पत्र में लिखा गया है कि किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए हर संभव प्रयास किए गए, लेकिन अपेक्षित सहयोग और सकारात्मक परिणाम नहीं मिलने से मन व्यथित है और इसी कारण पद छोड़ने का निर्णय लिया गया है।

खड़ेरी में स्वामित्व योजना अतिक्रमण की भेंट चढ़ी

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रदेश सरकार की स्वामित्व योजना ग्राम पंचायत खड़ेरी में अतिक्रमण की भेंट चढ़ गई है। क्षेत्रीय पटवारी को स्वामित्व योजना के अंतर्गत सर्वे कर शासकीय आवासी भूमिधारियों की सूची का प्रकाशन करना था लेकिन तत्कालीन पटवारी द्वारा भूमिधारियों के नाम की सूची के प्रकाशन किए बिना ही लेनदेन कर मन माने तरीके से नाम जोड़कर हॉट बाजार से लेकर सड़क किनारे तक अतिक्रमण करा दिए गए। यहां तक की वार्ड नंबर एक और दो में गांव की जो आवासीय भूमि है जहां लोग निवास करते हैं, उसको सर्वे में शामिल न कर खसरा नंबर 45 में से 46/1/2 गांव के बाहर जो खाली पड़ी जमीन है। आवासीय भूमि दर्शाकर शासन की योजना पर पलीता लगाया गया है। जब गांव के लोगों को मिली तब इस तरह हो रहे अतिक्रमण को हटाने ग्राम सभा में प्रस्ताव भी पारित किया गया।

नेशनल लोक अदालत का किया गया आयोजन, 2749 प्रकरणों का हुआ निराकरण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण काशीनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में किया गया। जिला शहडोल में नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में कुल 23 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया। इनमें जिला न्यायालय में 11 खंडपीठ, श्रम न्यायालय शहडोल के श्रम न्यायाधीश अभिषेक कुमार त्रिपाठी की 1 खंडपीठ, तहसील न्यायालय ब्यौहारी में 4 खंडपीठ, तहसील न्यायालय बुढ़ार में 4 खंडपीठ तथा तहसील न्यायालय जयसिंहनगर में 3 खंडपीठ गठित किए गए। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा वर्चुअली माध्यम से चीफ जस्टिस के मार्गदर्शन में तथा भौतिक रूप से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश काशीनाथ सिंह द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नेशनल लोक अदालत के लाभों की जानकारी देते हुए कहा कि लोक अदालत में राजीनामे के माध्यम से प्रकरण समाप्त होने पर दोनों पक्षों की जीत होती है और मुकदमा पूर्ण रूप से समाप्त हो जाता है, जिसकी अपील भी नहीं होती। साथ ही पक्षकारों को वाद शुल्क की वापसी भी हो जाती है। पारिवारिक मामलों में सुलह होने से परिवार टूटने से बच जाते हैं। उन्होंने अधिवक्ताओं एवं उपस्थित जनों से अधिक से अधिक प्रकरणों का राजीनामे के माध्यम से निराकरण कराने का आह्वान किया। उक्त अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा विधिक सेवा प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें नालसा एवं सालसा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी तथा ब्रोशर आमजन के लिए उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय शशिभूषण शर्मा, विशेष न्यायाधीश दीपाली शर्मा, जिला न्यायाधीश कमलेश कोल, कृष्ण पाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपेन्द्र सिंह मडावी, सीताशरण यादव, प्रीति सिंह बघेल, अदिति कुमार शर्मा, श्वेता यादव, दीप्ति चौहान, जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रभारी सचिव देवेन्द्र सिंह परस्ते, डीपीओ हरिओम कुसुमाकर बैश्य, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ राकेश सिंह बघेल, उपाध्यक्ष सतीश पाठक, सचिव अधिवक्ता संघ अनिल तिवारी सहित अधिवक्ता संघ के अन्य सदस्य, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल कुंजबिहारी द्विवेदी, समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पैनल अधिवक्ता, पैरालीगल वालंटियर तथा न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते द्वारा किया गया। नेशनल लोक अदालत के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में विद्युत विभाग, नगरपालिका, राष्ट्रीयकृत बैंक एवं बीएसएनएल सहित अन्य विभागों के स्टॉल भी लगाए गए। इस नेशनल लोक अदालत में कुल 552 लंबित प्रकरण एवं 2197 प्री-लिटिगेशन प्रकरण, इस प्रकार कुल 2749 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें कुल 4,14,38,985 रुपये की राशि का अवार्ड पारित हुआ।

शासकीय छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

स्थान रिक्त होने वाले दूसरे चरण के लिए 6 अप्रैल से 10 जून तक कर सकेंगे आवेदन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शासकीय छात्रावासों में वर्ष 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस वर्ष विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। इसके लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से विशेष ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका एवं बालक छात्रावासों में विशेष रूप से वंचित वर्ग के बालक-बालिकाओं को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पारदर्शी ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली प्रारंभ की गई है। ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली एक समेकित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया, सीट आवंटन, अभिलेख संधारण और प्रशासनिक कार्यों को ऑनलाइन एवं पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए विकसित किया गया है। ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय केजीबीवी टाइप-१ एवं टाइप-३ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस एनएससीबी बालक/बालिका छात्रावासों के पारदर्शी प्रबंधन और उनमें प्रवेश की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित की गई है। छात्रावासों में कक्षा 6वीं एवं अन्य कक्षाओं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थी प्रथम चरण में 30 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रथम चरण के बाद सीट्स रिक्त रहने की स्थिति में द्वितीय चरण के

30 मार्च तक ऑनलाइन करना होगा आवेदन

आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। यह 06 अप्रैल से 10 जून तक चलेगी। छात्रावास में प्रवेश के लिए अभिभावकों, विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह आवेदन एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेन्टर के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जाकर करना होगा। इसके साथ ही यदि किसी अभिभावक/ पालक /विद्यार्थी को आवेदन फॉर्म भरने में किसी प्रकार की समस्या आती है, तो वे संबंधित वार्डन के सहयोग से भी आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। छात्रावासों में लक्ष्य के अनुसार 50, 100, 150, 175, 200, 220 तथा 275 सीटें उपलब्ध हैं। कक्षा 6 से 8 तक की बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाइप एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावासों में प्रवेश दिया जाता है। वहीं कक्षा 6 से 12 तक की बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाइप-२ में प्रवेश की पात्रता होती है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्रावास की मार्गदर्शिका के अनुसार 75 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं के लिए निर्धारित हैं, जबकि 25 प्रतिशत सीटें गरीबी रेखा से नीचे बीपीएल जीवन-यापन करने वाले परिवारों की बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं। इनमें अस्थि बाधित, अनाथ एवं बेसहारा बालिकाओं को चयन में प्राथमिकता दी जाती है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावासों में कक्षा 3 से 8 तक के पात्र बालकों को प्रवेश दिया जाता है। ये छात्रावास विशेष रूप से शाला अप्रवेशी एवं शाला त्यागी बालकों के लिए संचालित किए जाते हैं। ऐसे बालकों को उनकी आयु के अनुरूप कक्षा में दर्ज कर विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से आवश्यक दक्षताएं विकसित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाता है। छात्रावासों में विशेष रूप से ऐसे बच्चों को प्रवेश दिया जाता है, जो रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड के प्लेटफॉर्म पर रहने वाले, पन्नी बीनने वाले, पलायन करने वाले परिवारों के बच्चे, घर से भटके हुए बच्चे, विमुक्त डिनोटीफाइड ट्राइब्स एवं प्रिमिटिव ट्राइबल परिवारों के बच्चे और वन ग्राम पट्टाधारी परिवारों के बच्चों को आवासीय सुविधाएं प्रदान कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण कराई जाती है।

शिक्षकों को टीईटी की तैयारी के लिए गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त रखें

कटनी (स्वतंत्र मत)।

संचालक लोकशिक्षण के पत्र ने मध्यप्रदेश में शासकीय विद्यालयों में नियुक्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए टीईटी शिक्षक पात्रता परीक्षा को न केवल अनिवार्य कर दिया है, बल्कि माह जुलाई- अगस्त 2026 में उक्त की परीक्षाएं कराने का निर्णय भी ले लिया है। यह अलग बात है कि शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश सहित प्रदेश के लगभग समस्त शिक्षक संगठन इस शिक्षक विरोधी एवं विधिविरूद्ध आदेश का विरोध कर रहे है, फिर भी जैसी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मंशा है, यदि उक्त पात्रता परीक्षा होती ही है, तो फिर प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों को टीईटी शिक्षक पात्रता परीक्षा की तैयारी के लिए जनगणना, बीएलओ कार्य, सेवाकालीन प्रशिक्षण सहित अन्य गैर शैक्षणिक कार्यों को करते हुए पात्रता परीक्षा की तैयारी करना मुश्किल होगा। शासकीय शिक्षक संगठन के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे ने आयुक्त लोकशिक्षण, आयुक्त ट्रायबल, संचालक राज्य शिक्षा केंद्र सहित मध्यप्रदेश के समस्त कलेक्टर को पत्र लिखा है कि शासन तो अपना कार्य किसी से भी करा लेगा, परन्तु चूंकि यह परीक्षा, परीक्षा की उम्र पार कर चुके शिक्षकों को रोजी-रोटी का प्रश्न है, अत: वरिष्ठ अधिकारी मध्यप्रदेश में समस्त संभागीय संयुक्त संचालक लोकशिक्षण, जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण को भी निर्देशित करें, कि मध्यप्रदेश के समस्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की तैयारी को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालय के अतिरिक्त अन्य गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त रखें एवं इन शिक्षकों के एनपीएस की गुमशुदा राशि, बकाया एरियर्स तथा सेवा-पुस्तिका का पूर्ण अद्यतन 01 जुलाई 2026 के पूर्व होना सुनिश्चित हो, ताकि परीक्षा के नाम पर रोजी-रोटी छिनने के बाद अपने बकाया देयकों के लिए संबंधित शिक्षकों को दर-दर न भटकना पडे, क्योंकि जब वे सेवा में रहते हुए अपने वित्तीय प्रकरणों का निपटारा नहीं करा पा रहे हैं, तो उस समय न तो सक्षम होंगे और न मानसिक स्वस्थ। अत: जितनी तत्परतापूर्वक इनकी परीक्षा की कार्यवाही हो रही है उतनी ही तत्परता से इनके आर्थिक प्रकरण भी आगामी दो माहों में निपटाए जाएं।

श्रमिकों के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना

कटनी (स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले रेहड़ी-पटरी वाले, रिक्शा चालक, घरेलू कामगारों के लिए शुरू की गई है। इसके पात्रता के लिए आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा मासिक आमदनी 15 हजार रूपये से कम हो। उनके लिये केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना प्रारम्भ की गई है। योजना में पंजीकृत श्रमिक को 60 वर्ष की आयु के बाद प्रतिमाह 3 हजार रुपये निश्चित मासिक पेंशन दिये जाने का प्रावधान है। इस योजना में श्रमिक और सरकार द्वारा अंशदान दिया जाता है। अंशदान की राशि श्रमिक की आयु अनुसार 55 रूपये से 200 रुपये तक निर्धारित है। यदि लाभार्थी की मृत्यु हो जाती है तो पति, पत्नी को पेंशन का 50 प्रतिशत 1500 रूपये दिये जाने के प्रावधान है। इस योजना में पंजीयन कॉमन सर्विस सेंटर अथवा आधार कार्ड और बैंक खाते के साथ किया जा सकता है।

पन्ना-कटनी रोड पर भीषण हादसा

ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को रौंदा, एक की मौत, दो गंभीर

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पन्ना-कटनी मुख्य मार्ग पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शाहनगर थाना क्षेत्र के केन नदी के पास हुआ, जहाँ गड्ढों से बचने की कोशिश में एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर गहरे गड्ढे होने के कारण वाहन चलाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। घटना के समय ट्रक चालक गड्ढे से बचने की कोशिश कर रहा था, तभी वाहन अचानक अनियंत्रित होकर गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में आ गया और सामने से आ रही बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। एक युवक ट्रक के नीचे बुरी तरह फंस गया था, जिसे पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। हादसे का शिकार हुए तीनों युवक पड़ोसी जिले कटनी के निवासी बताए जा रहे हैं। घायलों की पहचान इस प्रकार हुई है:- भारत केवट 22 वर्ष, निवासी ग्राम पिपरा, थाना विजयराघवगढ़, राजकुमार केवट 24 वर्ष, निवासी ग्राम पिपरा, अमित केवट 28 वर्ष, निवासी ग्राम पिपरा जानकारी के अनुसार, ये तीनों एक सीमेंट प्लांट में काम करते थे और रविवार की छुट्टी होने के कारण बाइक से अपने घर जा रहे थे।

हादसे के तुरंत बाद वन रक्षक आशीष पांडेय, राजकमल पांडेय और अन्य राहगीरों ने सक्रियता दिखाते हुए घायलों की मदद की। सूचना मिलते ही शाहनगर पुलिस मौके पर पहुँची और स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शाहनगर पहुँचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल कटनी रेफर कर दिया है।

राष्ट्रीय कवि कुंभ में शरद जायसवाल और अनिल मिश्र की शानदार प्रस्तुति

कटनी (स्वतंत्र मत)। हास्य कवि शरद जायसवाल एवं गीतकार अनिल मिश्र ने ब्यावरा (राजगढ़) में आयोजित राष्ट्रीय कवि कुंभ में अपनी हास्य व्यंग्य की रचनाओं के माध्यम से उपस्थिति दर्ज की। मध्य प्रदेश कलमकार परिषद् ब्यावरा द्वारा अंजनी लाल मंदिर परिसर में आयोजित राष्ट्रीय कवि कुंभ में राष्ट्रीय स्तर के देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कर साहित्य जगत में एक नई परम्परा को जन्म दिया। इस अभूतपूर्व आयोजन का संयोजन हास्य कवि डालचंद मनमौजी ब्यावरा ने किया। इस आयोजन में पंकज अंगार ललितपुर, ऋतुराज शाजापुर, शीतल देवयानी इंदौर, डॉ. एमएस गौर सागर, मदन तन्हाई इटारसी, सविता बांगड़ भोपाल, भेरु सुनार मनासा आदि ख्यातिलब्ध साहित्यकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

युवक ने खेत में फांसी लगाकर की आत्महत्या

कटनी (स्वतंत्रमत)। ग्राम बनहरी में एक 21 वर्षीय युवक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने का मामला प्रकाश में आया है। युवक का शव उसके अपने ही खेत में पेड़ से लटका पाया गया। भंवर सिंह 21 वर्ष, पिता स्व. नारायण सिंह मरावी, निवासी ग्राम बनहरी। घटना 13 मार्च की रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। शनिवार सुबह जब परिजनों ने युवक को खेत में फांसी पर लटका देखा, तो क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना सउनि रघुवीर सिंह द्वारा थाना बड़वारा में दी गई। पुलिस ने मर्ग क्रमांक 20/26 दर्ज कर लिया है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

पाठ्यक्रम तब्दीली से पैदा मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा

कटनी (स्वतंत्र मत)।

आयुध निर्माणी विद्यालय को 2026-27 से सीबीएसई पाठ्यक्रमानुरूप संचालित करने के निर्णय को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति के द्वारा एक ज्ञापन सौंपते हुए, उठाए गए मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की अपेक्षा की गई है। गौरतलब है कि आयुध निर्माणी कटनी के पूर्वी परिक्षेत्र में वर्षों से संचालित उच्चतर माध्यमिक शाला को चालू सत्र तक माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल से सम्बद्धता थी तथा मूलत: यह विद्यालय हिंदी माध्यम से संचालित होता आ रहा है। और तो और इस विद्यालय से अब तक हजारों-हजार विद्यार्थियों ने शिक्षा प्राप्त की है। इसी आयुध निर्माणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को सत्र 2026-27 से सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम द्वारा संचालित किए जाने का एक तरफा निर्णय लिया जा चुका है। अपने इसी एकपक्षीय थोपे गए निर्णय को पूरी तरह से अमलीजामा पहनाने की श्रृंख्ला में आयुध निदेशालय, कोलकाता समन्वय एवं सेवाएँ के निर्देशानुसार फील्ड यूनिट जबलपुर के उच्च अधिकारियों द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के माता-पिता अभिभावकों के साथ गत दिवस एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की सूचना मिलते ही संयुक्त संघर्ष समिति, आ. नि. कटनी महासचिव संजय तिवारी ने इस विषय में अनेक अभिभावकों से मुलाकात करके उनका अभिमत लेने के बाद, संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक बुलाई। इस बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने म.प्र. बोर्ड के सीबीएसई पाठ्यक्रम संचालन में परिवर्तन के गुण-दोष, हानि-लाभ, पक्ष-विपक्ष का बेहतर मूल्यांकन करने के उपरांत आयुध निदेशालय कोलकाता को एक ज्ञापन प्रेषित किया है। सौंपें गये ज्ञापन में उन्होंने जहाँ एक ओर इस परिवर्तन के पक्ष में लाभ बताए वहीं इस परिवर्तन के विपक्ष को अधिक प्रभावशाली बताया है। संघर्ष समिति द्वारा ज्ञापन में सबसे अहम बोर्ड परिवर्तन के कारण फीस में वृद्धि को रेखांकित किया गया है क्योंकि अब तक इस विद्यालय में शिक्षा लगभग नि:शुल्क थी। फीस वृद्धि से निम्न वर्ग के अभिभावकों पर आर्थिक बोझ पड़ेगा तथा इस वर्ग के बच्चों की शिक्षा से वंचित रह जाने की संभावना बढ़ेगी। इसके अलावा अंग्रेजी माध्यम में अचानक परिवर्तन होने से अध्ययनरत बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही यह भी कहा गया है कि, यह परिवर्तन क्षेत्रीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं हिंदी भाषा के प्रचार को कम करता है तथा बोर्ड परिवर्तन से दाखिला प्रक्रिया भी ऑनलाइन हो सकती है। इसके कारण आसपास के बच्चों को विद्यालय में दाखिला लेना बेहद कठिन हो जाएगा। संघर्ष समिति के संजय तिवारी, शिवजी प्रताप सिंह, विष्णुकांत तिवारी, मनीष तिवारी, फिरोज अहमद, सत्यनारायण लोहार आदि ने अपेक्षा की है किए संबंधित सक्षम प्राधिकारियों द्वारा, ज्ञापन में उठाए गये विविध पहलुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए पाठ्यक्रम को अमल में लाने के पूर्व अवश्य ही विचार किया जाएगा।

सनशाइन एकेडमी में समर कैंप का आयोजन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

बच्चों के लिए समर कैंप एक बेहतरीन जरिया है, जहां वे मस्ती के साथ-साथ रचनात्मक कलाएं, खेल, योग और आत्मनिर्भरता सीखते हैं। सनशाइन अकैडमी रायवाड़ा में समर कैंप का आयोजन 9 से 14 मार्च 2026 तक किया गया। इस शिविर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया है स बच्चों को समर कैंपों में डांस, जुंबा, योगा, वेदिक गणित आर्ट एंड क्राफ्ट जैसी गतिविधियों कराई गई। वहां बच्चों को खेल कला संगीत और पेंटिंग जैसी कई गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलता है जिससे वह अपनी छिपी हुई प्रतिभा को पहचान सकते हैं। इस गतिविधि का मुख्य महत्व मनोरंजन के साथ-साथ कौशल विकास, आत्मविश्वास और सामाजिक मेल जोड़ को बढ़ावा देना है। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद का महत्व भी बताया गया उनके लिए विभिन्न प्रकार के गेम्स और पजामा पार्टी का आयोजन किया गया इसमें बच्चों ने बहुत ही आनंद के साथ भाग लिया। समर कैंप का आयोजन न केवल बच्चों को व्यस्त रखने के लिए किया जाता है बल्कि उन्हें एक बेहतर और अनुशासित व्यक्तित्व प्रदान करने के लिए भी किया जाता है इस कैंप के लास्ट दिन पजामा पार्टी के साथ बच्चों को इनाम वितरण भी किए गए जिसमें वह बहुत ही प्रसन्नित नजर आए।

विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं ने बच्चों का मार्गदर्शन किया सनिर्देशिका जूही जैन और स्कूल की वाइस प्रिंसिपल शबनम अख्तर की स्कूल में उपस्थिति रही और उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस समर कैंप का आयोजन शाला की इंचार्ज नजनीन मैम के मार्गदर्शन द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दहेज हत्या के मामले में सजा काट रहे कैदी की मौत

कटनी (स्वतंत्रमत)।

दहेज हत्या के मामले में जिला जेल में 10 वर्ष की सजा काट रहे एक कैदी की अचानक तबियत बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। कैदी को अचानक सीने में दर्द और घबराहट होने की शिकायत के बाद तत्काल अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। प्रथम दृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। कैदी के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद जेल प्रशासन ने शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया। जेल प्रशासन का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही कैदी की मौत के वास्तविक कारणों की पूरी तरह पुष्टि हो सकेगी। जिला जेल में बंद कैदी की अचानक मौत होने से एक बार फिर कैदियों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है। इस संबंध में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बहोरीबंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बचैया निवासी 51 वर्षीय रमेश पटेल जिला जेल की बैरक नंबर 7 में बंद था। शुक्रवार देर रात उसे अचानक सीने में तेज दर्द और बेचैनी महसूस हुई। जेल में मौजूद चिकित्सकों ने उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर उसे जिला अस्पताल रिफर किया गया। अस्पताल में चिकित्सकों की टीम ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस को सूचना दी गई। जेल अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी ने बताया कि रमेश पटेल को दहेज हत्या के मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 304-बी के तहत माननीय न्यायालय द्वारा 10 वर्ष की सजा सुनाई गई थी। वह पिछले लगभग दो वर्षों से जिला जेल में सजा काट रहा था।

दो दिनों से लापता युवक का शव पेड़ से लटका मिला

कटनी (स्वतंत्र मत)। रीठी थाना क्षेत्र के ग्राम नयाखेड़ा में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाने से मौत हो गई। मृतक राममनोहर 22 वर्ष, पिता भंगी पटेल, 12 मार्च की रात से लापता था। काफी खोजबीन के बाद 14 मार्च की सुबह करीब 09 बजे उसका शव कन्छेदी गड़ारी के खेत में महुआ के पेड़ से लटका मिला। मृतक के पिता भंगी पटेल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग क्रमांक 20/26 दर्ज किया है। पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया।

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

कटनी (स्वतंत्र मत)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चरी में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहाँ बिजली का करंट लगने से एक 55 वर्षीय महिला की जान चली गई। मृतिका चन्दाबाई पटेल 55 वर्ष, पति वृन्दावन पटेल, निवासी ग्राम चरी, शनिवार सुबह घर के कार्यों के दौरान अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गईं। परिजनों द्वारा उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतिका के पुत्र शुभम पटेल की सूचना पर कैमोर पुलिस ने मर्ग क्रमांक 06/26 (धारा 194) दर्ज किया है। पुलिस मामले की गहनता से जाँच कर रही है कि करंट लगने का मुख्य कारण क्या था।

निगमाध्यक्ष मनीष पाठक ने नेशनल लोक अदालत का किया निरीक्षण

नागरिकों से संवाद कर समस्याएं सुनीं, कर बकाया प्रकरणों में छूट का लाभ लेने, की अपील

कटनी (स्वतंत्र मत)। नगर पालिक निगम कटनी परिसर में आयोजित नेशनल लोक अदालत का निगमाध्यक्ष मनीष पाठक ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से चर्चा करते हुए नागरिकों को बेहतर एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगमाध्यक्ष ने लोक अदालत में पहुंचे नागरिकों से आत्मीयतापूर्वक संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों एवं प्रकरणों का नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को सरल, पारदर्शी एवं सुगम प्रशासन उपलब्ध कराना है। निगमाध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से संपत्ति कर एवं जलप्रभार से संबंधित बकाया प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष छूट प्रदान की जा रही है। संपत्ति कर के प्रकरणों में 50,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट, 50,000 रुपये से 1,00,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट तथा १,00,000 रुपये से अधिक बकाया पर अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार जलप्रभार के प्रकरणों में 10,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट, 10,000 रुपये से 50,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट तथा 5०,000 रुपये से अधिक बकाया पर अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है। निगमाध्यक्ष नें जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन नगर पालिक निगम कटनी परिसर के अतिरिक्त जोन कार्यालय तथा सुभाष चौक में भी किया गया है, ताकि शहर के अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकें।

निगमाध्यक्ष मनीष पाठक ने शहर के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे नेशनल लोक अदालत में पहुंचकर शासन द्वारा प्रदान की जा रही इस विशेष छूट का लाभ उठाएं और अपने लंबित कर प्रकरणों का निराकरण कर अनावश्यक असुविधा से बचें। उन्होंने कहा कि नगर निगम कटनी शहर के विकास के साथ-साथ नागरिकों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रहा है।

चंद्रिका ने जीता गोल्ड मेडल

भारत ने पांच पदकों के साथ किया टूर्नामेंट का शानदार अंत

बैंकॉक (वार्ता)।

चंद्रिका पुजारी ने महिलाओं के 51 किग्रा भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप में उज्बेकिस्तान की मार्दोनोवा नाजोकत को सर्वसम्मत फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ भारत ने इस टूर्नामेंट एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। यूथ ओलंपिक की अलग-अलग भार श्रेणियों में हिस्सा लेते हुए भारत की अंडर-19 पुरुष और महिला टीमों ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ लगातार शानदार प्रदर्शन किया, और टीम के आधे सदस्य पदक जीतकर घर लौटे।वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष गेनाडी गोलोवकिन और बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह की मौजूदगी में बैंकॉक में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। तीन भारतीय मुक्केबाज अपने-अपने वर्गों के फाइनल में पहुंचने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। गुंजन (48 किलोग्राम) इंग्लैंड की अपनी प्रतिद्वंद्वी से 5-0 से हार गईं, जबकि जॉयश्री देवी (54 किलोग्राम) ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अमेरिका की मुक्केबाज से 4-1 से हार गईं। पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में, एल. अंबेकर मीतेई को भी फाइनल मुकाबले में यक्रेन के मुक्केबाज से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इससे पहले टूर्नामेंट में, राधामणि लोंगजाम (57 किलोग्राम) ने कांस्य पदक जीता। वह सेमीफाइनल में यूक्रेन की येवानहेलिना पेत्रुक के खिलाफ कड़े मुक़ाबले के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं।

पाक के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

कराची (वार्ता)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। इसके साथ ही उनके लगभग दो दशक लंबे शानदार करियर का अंत हो गया। कराची में जन्मे इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने नवंबर 2007 में जयपुर में भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैच से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 54 टेस्ट, 117 एकदिवसीय और 61 टी-20 मैच खेले, जिनमें उन्होंने 6,164 रन बनाए। इनमें छह शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। विकेट के पीछे रहते हुए सरफराज ने 315 कैच लपके और 56 स्टंपिंग कीं। सरफराज ने सभी फॉर्मेट को मिलाकर 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी भी की, जिनमें 50 एकदिवसीय, 37 टी-20 और 13 टेस्ट मैच शामिल हैं। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान टी-20 रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर पहुंचा और लगातार 11 टी-20 सीरीज जीतने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। उनकी कप्तानी को सबसे ज़्यादा 2017 में इंग्लैंड में हुई आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की जीत के लिए याद किया जाता है। इस टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को 180 रनों से हराकर आठ साल से चले आ रहे आईसीसी खिताब के सूखे को खत्म किया था। इस जीत के साथ ही सरफराज पाकिस्तान के ऐसे एकमात्र कप्तान बन गए, जिन्होंने जूनियर और सीनियर, दोनों ही स्तरों पर पाकिस्तान को आईसीसी खिताब दिलाया। इससे पहले उन्होंने 2006 में श्रीलंका में हुए अंडर-19 विश्व कप में भी टीम की कप्तानी करते हुए जीत दिलाई थी।

मेदवेदेव और सिनर के बीच होगी इंडियन वेल्स की खिताबी भिड़ंत

कैलिफोर्निया (वार्ता)। रूस के दिग्गज खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव और इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर के बीच इंडियन वेल्स का खिताबी मुकाबला खेला जायेगा। डेनिल मेदवेदेव ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्काराज को हराकर इंडियन वेल्स के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उनका मुकाबला जैनिक सिनर होगा। रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने तेज शुरुआत की और एक घंटा 37 मिनट तक चले मुकाबले में अल्काराज पर 6-3, 7-6 (7-3) से जीत हासिल की। अल्काराज ने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी और मेदवेदेव से मुकाबला होने तक वे लगातार 16 मैच जीत चुके थे। इस जीत के साथ ही मेदवेदेव ने अल्काराज की इस साल चली आ रही 16 जीतों के सिलसिले को समाप्त कर दिया। मुकाबला जीतने के बाद मेदवेदेव ने कहा, कार्लोस जैसे खिलाड़ी को हराना - जो दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी है - एक शानदार एहसास है।

एक तरह से, जब आप उनके साथ, या जैनिक सिनर, या नोवाक जोकोविच के साथ खेलते हैं, तो रैंकिंग कोई मायने नहीं रखती। उनके साथ खेलना ही एक बेहतरीन एहसास है, और उन्हें हराना, जाहिर है, और भी अधिक अच्छा लगता है। अल्काराज़ ने कहा, मुझे डनिल को इसका श्रेय देना होगा। मुझे लगता है कि उन्होंने एक जबरदस्त मैच खेला। मैच की शुरुआत से लेकर आखिर तक, वे अविश्वसनीय खेल रहे थे, मुझे यह कहना ही पड़ेगा। सच कहूं तो, मैंने डनिल को इस तरह खेलते हुए पहले कभी नहीं देखा। इससे पहले दिन में,इटली के जैनिक सिनर ने चौथे वरीयता प्राप्त जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार इंडियन वेल्स फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने चौथे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 6-2, 6-4 से हराया। विश्व नंबर दो खिलाड़ी ने आठ ऐस लगाए और केवल 13 अनफोर्स्ड एरर किए, जो उनके प्रतिद्वंद्वी से आठ कम थे, जबकि उन्होंने अपने आठ नेट पॉइंट्स में से सात जीते।ज्वेरेव ने शुरुआती दौर में अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले सेट में अपनी पकड़ मजबूत कर ली, लेकिन सिनर ने दो बार ब्रेक लेकर सेट अपने नाम कर लिया और फिर दूसरे सेट में 4-3 पर एक बार फिर ब्रेक लेकर मैच जीत लिया। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं हारा है। मुकाबले के बाद सिनर ने यह एक बड़ी उपलब्धि है। पहली बार फाइनल में पहुंचना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह तीसरी बार है जब मैंने यहां सेमीफाइनल खेला है। मेरी तरफ से शानदार प्रदर्शन रहा। वह आज अच्छा नहीं खेला।

कोच्चि में होगा भारत का हांगकांग के खिलाफ आखिरी एशियन कप क्वालिफायर मैच

नयी दिल्ली (वार्ता)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) रविवार को कहा है कि कोच्चि का जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम 31 मार्च एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालिफायर के फाइनल राउंड में भारत की सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के हांगकांग के खिलाफ होने वाले आखिरी मैच की मेजबानी करेगा।यह पिछले 10 सालों में पहली बार होगा जब कोच्चि का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम ब्लू टाइगर्स (भारतीय टीम) की मेजबानी करेगा। मार्च 2016 में भारत ने इसी स्टेडियम में फीफा विश्व कप क्वालिफायर में तुर्कमेनिस्तान का सामना किया था। वह आखिरी मौका भी था जब भारतीय सीनियर पुरुष टीम ने केरल में कोई मैच खेला था। एआईएफएफ के एक सूत्र ने बताया कि एएफसी एशियन कप 2027 में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका भारत अब अपने क्वालिफाइंग अभियान का समापन जीत के साथ करना चाहेगा। हालांकि क्वालिफायर के संदर्भ में यह मैच अब सिर्फ एक औपचारिकता मात्र है, क्योंकि हांगकांग भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है, फिर भी यह मैच काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें फीफा रैंकिंग के अंक दांव पर लगे हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

माउंट माउंगानुई (वार्ता)। नकोबानी मोकोएना (तीन विकेट) और गेराल्ड कोएत्जी, ओटनील बार्टमैन तथा केशव महाराज (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कॉनर एस्टरहाउजन (नाबाद 45) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 20 गेंदें शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। 92 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 28 रन के स्कोर तक अपने दो विकेट गंवा दिये। टोनी डीजॉर्जी (दो) और रूबिन हरमन (सात) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेसन स्मिथ ने कॉनर एस्टरहाउजन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने जेसन स्मिथ (10) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने 16.4 ओवरों में तीन विकेट पर 93 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कॉनवे (एक), टॉम लैथम (सात), टिम रॉबिन्सन (छह), निक केली (दो) और बेवन जैकब्स (10) रन बनाकर आउट हुये। एक समय न्यूजीलैंड ने 36 रन पर अपने पांच विकेट गंवा दिये थे। इसके बाद कप्तान मिचेल सैंटनर और जेम्स नीशम की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट लिये 22 रन जोड़े। 10वें ओवर में केशव महाराज ने मिचेल सैंटनर (15) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कोल मैककॉन्ची ने भी पारी को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने नीशम के साथ सातवें विकेट के लिए 26 रन जोड़े। नीशम ने 21 गेंदों में 26 रन बनाये। कोल मैककॉन्ची ने 11 गेंदों में 15 रन बनाये। दोनों ही बल्लेबाजों को नकोबानी मोकोएना ने आउट किया। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 14.3 ओवरों में 91 रन के स्कोर पर समेट दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए नकोबानी मोकोएना ने तीन विकेट और गेराल्ड कोएत्जी, ओटनील बार्टमैन तथा केशव महाराज दो-दो विकेट लिये।

आईसीसी ने आगा सलमान को लगाई फटकार और एक डिमेरिट अंक दिया

दुबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मीरपुर में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए पाकिस्तान के बल्लेबाज आगा सलमान को फटकार लगाई गई और एक डिमेरिट अंक दिया गया। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार आगा सलमान को आर्टिकल 2.2 का दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों या मैदान से जुड़ी चीजों के दुरुपयोग से संबंधित है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के 39वें ओवर में उस समय हुई जब अजीबो गरीब तरीके से रनआउट होने के बाद आगा ने अपने ग्लव्स और हेलमेट मैदान पर फेंक दिए। 62 गेंद पर 64 रन बनाने वाले आगा नॉन स्ट्राइकर छोर पर क्रीज से बाहर थे। मोहम्मद रिजवान ने गेंद को सीधे गेंदबाज मेहदी हसन मिराज की ओर खेला और मिराज ने गेंद को पैर से रोक लिया। आगा अभी भी क्रीज से बाहर थे और गेंद उठाकर गेंदबाज को देने ही वाले थे, तभी मिराज ने गेंद पकड़कर थ्रो करते हुए विकेट गिरा दिए।इस तरह से आउट होने के बाद आगा गुस्से में दिखे।

चावल, गेहूं नरम- चीनी में तेजी

नयी दिल्ली (वार्ता)।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गये। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देख गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 50 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,782 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 25 रुपये सस्ता होकर 2,794 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव 10 रुपये गिरकर 3,301 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।दालों की कीमत में घट-बढ़ रही। सप्ताह के दौरान चना दाल औसतन 24 रुपये और मसूर दाल 16 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं, उड़द दाल की कीमत 36 रुपये और तुअर दाल की 11 रुपये बढ़ गयी। मूंग दाल आठ रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।बीते सप्ताह खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव देखा गया। सरसों तेल की औसत कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। सूरजमुखी तेल 360 रुपये और पाम ऑयल 332 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 267 रुपये और सोया तेल की 119 रुपये बढ़ गयी। वनस्पति भी 26 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में सप्ताह गुड़ के औसत भाव 10 रुपये प्रति क्विंटल घट गये।

दूसरी तरफ चीनी 22 रुपये महंगी हुई।दाल चना 7693.81 रुपये, मसूर काली 8040.21 रुपये, मूंग दाल 10142.29 रुपये, उड़द दाल 10759.19 रुपये, तुअर दाल 11134.55 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2793.78 रुपये और चावल 3782.38 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3300.85 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4327.06 रुपये और गुड़ 4975.15 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

सरसों तेल 17645.51 रुपये, मूंगफली तेल 18569.40 रुपये, सूरजमुखी तेल 17045.80 रुपये, सोया तेल 14238.92 रुपये, पाम ऑयल 13093.22 रुपये और वनस्पति 14577.25 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट

मुंबई (वार्ता)। विदेशी मुद्रा भंडार में 06 मार्च को समाप्त सप्ताह 11.683 अरब डॉलर की गिरावट रही और सप्ताहांत पर यह 716.81 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 9.88 अरब डॉलर बढ़कर 563.245 अरब रुपये रह गयी। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, ब्रितानी पाउंड और यूरो शामिल हैं जिनके मूल्य का निर्धारण डॉलर के मुकाबले उनके संदर्भ दर से होता है।स्वर्ण भंडार में 1.612 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गयी और यह 06 मार्च को 130.017 अरब डॉलर रहा। आरक्षित निधि 4.5 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 14.6 करोड़ डॉलर घटकर क्रमश: 4.828 अरब डॉलर और 18.72 अरब डॉलर पर रहे।

शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटा

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही बड़ी गिरावट से बीएसई की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 4,48,478 करोड़ रुपये कम हो गया है। बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक 89,306 करोड़ रुपये का साप्ताहिक नुकसान सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक को हुआ। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के एमकैप में 61,715 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस में 59,082 करोड़ रुपये की गिरावट रही।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी टीसीएस को इस मामले में 53,314 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक को 42,205 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 38,689 करोड़ रुपये और विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का 33,290 करोड़ रुपये घट गया है।सार्वजनिक बीमा कंपनी एलआईसी का एमकैप 31,245 करोड़ रुपये और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का 24,230.96 करोड़ रुपये कम हुआ। एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनीलिवर के एमकैप में 15,402 करोड़ रुपये की गिरावट रही। बाजार पूंजीकरण के मामले में 18,68,293 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही। एचडीएफसी बैंक 12,57,392 करोड़ के साथ दूसरे और एयरटेल 10,28,432 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर रही।

एफएसएसएआई द्वारा स्थायी लाइसेंस देने का निर्णय परिवर्तनकारी : कैट

नयी दिल्ली (वार्ता)। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं संरक्षा प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा खाने-पीने की चीजों को व्यवसायियों को स्थायी लाइसेंस देने के निर्णय को परिवर्तनकारी बताया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री लोकसभा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि इससे व्यवसायियों को बार-बार लाइसेंस नवीनीकरण नहीं कराना होगा और अनुपालना का बोझ कम होगा। उन्होंने कहा कि ये बड़े सुधार सरकार के उस विजन के अनुरूप हैं जिसके तहत नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाकर व्यापारियों, छोटे उद्यमियों और स्ट्रीट वेंडर्स के लिए पारदर्शी और व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाया जा रहा है। यह कारोबार की आसानी को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि समय-समय पर लाइसेंस का नवीनीकरण करना लंबे समय से एक जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया रही है, जिससे व्यापारियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था और कई बार इसमें देरी तथा भ्रष्टाचार की संभावनाएं भी पैदा हो जाती थीं। स्थायी लाइसेंस की नयी व्यवस्था ऐसे सभी अवरोधों को समाप्त करेगी और खाद्य व्यवसाय संचालकों के लिए अनुपालन को काफी सरल बनायेगी।

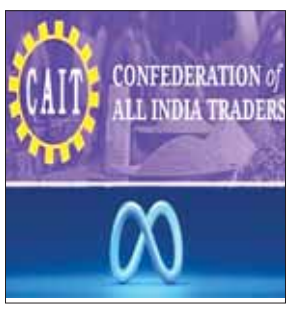

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया ने कहा कि इन सुधारों से देशभर में लगभग 2.5 करोड़ खाद्य व्यवसाय संचालकों को, जिनमें छोटे व्यापारी, खाद्य निर्माता, रेस्टोरेंट संचालक और स्ट्रीट फूड विक्रेता शामिल हैं, बड़ा लाभ मिलेगा। कैट के अध्यक्ष ब्रजमोहन अग्रवाल ने बताया कि एफएसएसएआई के बेसिक पंजीकरण के लिए टर्नओवर सीमा 12 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 करोड़ कर दी गयी है।

ईरान युद्ध की स्थिति से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह से जारी भारी गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में भी ईरान युद्ध की स्थिति ही निवेश धारणा को तय करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक होगा। ईरान युद्ध जिस तरह से लंबा खिंच रहा है उससे दुनिया भर के शेयर बाजारों के साथ भारतीय शेयर बाजार भी दबाव में हैं। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता है तो आने वाले सप्ताह में भी बिकवाली जारी रह सकती है। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक और उसके बयान पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। यह बैठक 17-18 मार्च को होने वाली है। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को छोड़कर बाकी के चार दिन गिरावट रही। बीएसई का सेंसेक्स कुल मिलाकर 4,354.98 अंक (5.52 प्रतिशत) टूटकर सप्ताहांत पर 74,563.92 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 1,299.35 अंक यानी 5.61 फीसदी गिरकर 23,151.10 अंक पर आ गया। दोनों सूचकांकों का यह 11 महीने का निचला स्तर है। इस साल 26 फरवरी के बाद से सेंसेक्स 7,685 अंक (9.34 प्रतिशत) और निफ्टी-50 सूचकांक 2,345.45 अंक (9.20 प्रतिशत) टूट चुका है। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांकों में भी बड़ी साप्ताहिक गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 4.77 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 3.66 प्रतिशत लुढ़क गया।

सेंसेक्स की 30 में से 27 कंपनियों में साप्ताहिक गिरावट रही। एलएंडटी का शेयर सबसे अधिक 12.86 प्रतिशत गिरा। अल्ट्राटेक सीमेंट में 11.51 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 11.47, मारुति सुजुकी में 11.03, बजाज फाइनेंस में 9.99, एक्सिस बैंक में 9.02, भारतीय स्टेट बैंक में 8.46, कोटक महिंद्रा बैंक में 8.33, अडानी पोर्ट्स में 7.67 और टाटा स्टील में 7.61 प्रतिशत की गिरावट रही।

सप्ताह के दौरान बजाज फिनसर्व का शेयर 6.98 प्रतिशत, इटरनल का 6.96, ट्रेंट का 6.24, बीईएल का 6.14, टीसीएस का 5.76, इंडिगो का 5.61, एचडीएफसी बैंक का 4.68, इंफोसिस का 4.57 और आईसीआईसीआई बैंक का 4.50 प्रतिशत टूट गया।

टाइटन का शेयर 3.98 फीसदी, एशियन पेंट्स का 3.66, भारती एयरटेल का 3.63, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.94, आईटीसी का 2.66, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 2.31 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.75 प्रतिशत लुढ़का। एनटीपीसी में 1.05 प्रतिशत की तेजी रही। पावरग्रिड और सनफार्मा के शेयर भी साप्ताहिक बढ़त में रहे।

दक्षिण के द्वार नेपानगर को बनायेंगे प्रदेश के विकास का प्रमुख द्वार : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री नेपानगर में जनजातीय सम्मेलन में हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नेपानगर अद्भुत नगरी है। यह कृषि और उद्योग का बेजोड़ संगम है। बुरहानपुर जिला मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता का जीवंत उदाहरण है। हम बुरहानपुर के एग्री एक्सपोर्ट और प्रोसेसिंग का हब बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। प्रदेश के जनजातीय वर्ग का समग्र विकास हमेशा से ही हमारी पहली प्राथमिकता रही है। जनजातीय समाज के समग्र कल्याण के लिए नए वित्त वर्ष 2026-27 के सालाना बजट में 26 प्रतिशत की वृद्धि कर 47 हजार 428 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा है, जिससे जनजातीय वर्ग के चहुंमुखी विकास और कल्याण में कोई कमी न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय पीएम जन-मन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत कराए जा रहे कार्य प्रदेश में जनजातीय कल्याण का नया अध्याय लिख रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बुरहानपुर जिले के जनजातीय बहुल नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा क्षेत्र को 363 करोड़ 82 लाख रुपए के 127 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 191 करोड़ 62 लाख रुपए

लागत के 81 विकास कार्यों का भूमिपूजन (30.59 करोड़ से सातपायरी में औद्योगिक प्रक्षेत्र के भूमिपूजन सहित) और 172 करोड़ 20 लाख रुपए लागत के 46 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास तभी सार्थक है, जब इसके प्रकाश का पूरा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन विकास कार्यों की सौगात मिली है, यह इस क्षेत्र के जनजातीय बंधुओं के कल्याण में मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इतिहास के पन्नों में नेपानगर दक्षिण के द्वार के रूप में अंकित है। कभी खानदेश और दक्षिण की काशी के रूप में पहचाने जाने वाले नेपानगर को हमारी सरकार महाराष्ट्र के छोर पर मध्यप्रदेश के विकास के प्रमुख द्वार के रूप में विकसित करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में दो प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं (झिरमिट्टी मध्यम सिंचाई परियोजना एवं नावथा वृहद सिंचाई परियोजना) को शासकीय मंजूरी मिलने की जानकारी देते हुए कहा कि ये सिंचाई परियोजनाएं इस क्षेत्र के 34 हजार 400 किसान परिवारों की तकदीर और तस्वीर बदल देंगी। उन्होंने बताया कि कुल 2598.97 करोड़ रुपये की इन दोनों परियोजनाओं से जनजातीय बहुल क्षेत्र में 51800 हेक्टेयर कृषि रकबे में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। इन परियोजनाओं से 132 गांव लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी के भी अनर्गल प्रलाप से कतई प्रभावित न हों। इन परियोजनाओं के निर्माण में हमारी सरकार किसी भी व्यक्ति या किसान को घर से बेघर नहीं होने देगी। हम सबके हितों का बराबर ध्यान रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेपानगर पेपर मिल इस क्षेत्र की पहचान है। यह मिल हमेशा की तरह चलती रहेगी। इस चलाए रखने के लिए हम सभी व्यवस्थाएं और समुचित प्रबंधन करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार इस मिल के कागज भी खरीदेगी और श्रमिक को उसके रोजगार से जोड़े रखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएँ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते एक माह के दौरान ही दो कार्यक्रमों में बुरहानपुर जिले को करीब 1100 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगातें मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर के शासकीय महाविद्यालय में कृषि संकाय की पढ़ाई प्रारंभ कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपानगर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की स्मृति में एक आकर्षक उद्यान बनाया जाएगा। धूलकोट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रोन्नत किया जाएगा। लोखंडिया से हसीनाबाद मार्ग के चौड़ीकरण के साथ ताप्ती नदी पर वर्तमान रपटे के स्थान पर एक उच्च स्तरीय पुल बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र की पहचान असीरगढ़ के किले को भव्य पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश के वनवासियों को दिए गए वन अधिकार पट्टों को अब राजस्व विभाग के माध्यम से संपत्ति की रजिस्ट्री के रूप में बदला जाएगा, इसकी रजिस्ट्री शुल्क का खर्चा राज्य सरकार उठाएगी। क्षेत्रीय जनजातीय बन्धुओं को वनाधिकार पट्टों का लाभ देने के लिए जल्द ही पुनः सर्वे कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि, बागवानी और मसाला उत्पादन के लिए मशहूर निमाड़ क्षेत्र में सभी प्रकार की फसलों का बीमा कराने और इस क्षेत्र में शीघ्र ही रीजनल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित करने की बात कही।

अध्ययन भ्रमण विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने, सीखने का सुअवसर : पटेल

राज्यपाल की राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के अध्ययनरत अधिकारियों से सौजन्य भेंट

भोपाल (स्वतंत्र मत)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि अध्ययन भ्रमण आपदा प्रबंधन, प्रशासनिक समन्वय और संसाधन प्रबंधन के विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने का अवसर होता है। अधिकारियों से अपेक्षा की है कि वे भ्रमण के दौरान समझने और सीखने का प्रयास करें। प्रतिदिन भ्रमण के अंत में दिनभर की गतिविधियों और अनुभवों का चिंतन करें। भ्रमण टीप का अभिलेखन करें। राज्यपाल श्री पटेल रविवार को लोकभवन में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली में अध्ययनरत वरिष्ठ सैन्य एवं सिविल अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। दल 15 से 21 मार्च तक मध्यप्रदेश के अध्ययन भ्रमण आया है। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भ्रमण नये अनुभवों, सामाजिक विशिष्टताओं, आध्यात्मिक आस्था और विकास के विभिन्न आयामों को देखने और उनसे प्रेरणा प्राप्त करने का सुअवसर होता है। विगत दिनों बौद्ध अवशेषों को कोलंबो, श्रीलंका से वापस भारत लाने की उनकी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रीलंका में 7 दिवस की अवधि के लिए प्रदर्शित पवित्र अवशेषों का 14 लाख लोगों ने दर्शन किया। प्रदर्शन के आखिरी दिन सारी रात लाखोंश्रद्धालुओं ने लाइन लगाकर दर्शन किए। आस्था के प्रति समर्पण और आध्यात्मिकता का उनके लिए यह अद्भुत अनुभव रहा है।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सामरिक क्षेत्रों में आई क्रांतिकारी प्रगति, वास्तव में एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विराट स्वरूप को समझने का सुअवसर है। जरूरी है कि आप प्रशासनिक ढांचे, विकास योजनाओं तथा सामाजिक-आर्थिक प्रगति के विभिन्न आयामों को नजदीक से देखे उनमें लोकतांत्रिक मूल्यों, की महत्ता का अनुभव करें।उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य की धरती आदिम सभ्यता, प्राचीन भारत की ऐतिहासिक, आध्यात्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत स्वरूप है।

यहां कि विश्व धरोहर सांची स्तूप, भीमबेटका और खजुराहों, उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग जैसे पवित्र स्थल हमारे गौरवशाली इतिहास के साक्षी है। भ्रमण अवसर पर ग्रामीण विकास, शहरी प्रबंधन, पर्यटन संवर्धन तथा औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के मॉडल में जन सहभागिता की भूमिका और महत्व को भी जानने का प्रयास करें।

घरेलू गैस सिलेंडर समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)

अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरूण शमी ने घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर समय पर उपलब्ध कराने तथा एजेंसियों के माध्यम से वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने भी अधिकारियों को प्रतिदिन समीक्षा के निर्देश दिए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रेस ब्रीफ जारी कर नागरिकों से पैनिक बुकिंग नही करने का अनुरोध किया है। मंत्रालय द्वारा जारी एडवाइजरी में एजेंसी पर जाकर बुकिंग करने के स्थान पर डिजिटल माध्यम से बुकिंग करने की सलाह दी गयी है। ऑयल कंपनियों द्वारा मोबाइल एप, एसएमएस, व्हाट्सएप तथा आईवीआरएस कॉल द्वारा गैस बुकिंग की सुविधा प्रदान की गयी है। अतःउपभोक्ता बुकिंग के लिए इन डिजिटल माध्यम का प्रयोग करें । देश में घरेलू गैस के उत्पादन में 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । इसके अलावा स्ट्रैट ऑफ़ हॉर्मुज से एलपीजी के दो शिप भारत के लिए रवाना हो गए हैं, जो 16-17 मार्च तक भारत के कांडला (गुजरात) और मुंद्रा पोर्ट (मुंबई) पर पहुँच जायेंगे।

1357 सिलेंडर जप्त- एलपीजी की कालाबाजारी तथा जमाखोरी के विरूद्ध जारी निर्देशों के पालन में प्रदेश भर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में 1025 स्थानों पर कार्यवाही कर 1357 सिलेंडर जब्त किये गए तथा 08 प्रकरण में एफआईआर की गयी। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी तथा घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता के सम्बन्ध में ऑयल कंपनियों से समन्वय के लिए राज्य स्तर पर 6 सदस्यीय समिति भी गठित की गयी है, जो प्रदेश में कामर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी करेगी। पीएनजी गैस का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं से अपील की गयी है कि वह अनावश्यक रूप से एलपीजी गैस बुकिंग नहीं करें। पेट्रोल, डीजल ,घरेलू पीएनजी तथा सीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता है और इनकी आपूर्ति भी निरंतर एवं बिना कटौती के जारी रहेगी। गैस एजेंसियों के संचालन, सिलेंडर वितरण की समयबद्धता और उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की जा रही है। समस्त जिला कलेक्टर को निर्देश दिए गए है कि यदि कहीं वितरण व्यवस्था में अनियमितता या विलंब की शिकायत मिलती है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए। जिला प्रशासन गलत सूचनाओं का प्रसार और अफवाहों को सख्ती से रोकें और उपभोक्ताओं तक मीडिया के माध्यम से सही सूचना पहुंचाएं। नागरिकों के बीच सकारात्मक माहौल बनाए और सूचना-तंत्र मजबूत कर अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करें। ऑयल कंपनी के स्टेट नोडल ऑफिसर श्री अजय श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में गैस सिलेण्डर का पर्याप्त स्टॉक है तथा प्रदेश के 11 बॉटलिंग प्लांट एवं वितरकों के गोदाम में पर्याप्त सिलेण्डर उपलब्ध हैं। घरेलू उपभोक्ताओं से अपील की गयी है कि विगत अंतिम रिफिल के 25 दिन बाद पुनः बुकिंग करायें। प्रशासन द्वारा वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं वैकल्पिक ईंधन स्रोतों को अपनाने की सलाह भी दी गयी है। जहां पीएनजी लाइन उपलब्ध है वहां पीएनजी के कनेक्शन लेने और जिन कामो में गैस ज्यादा खर्च होती है उनको नियंत्रित करने एवं विकल्प तैयार करने के लिए प्रेरित किया जाए। प्रदेश में घरेलू गैस की पर्याप्त आपूर्ति जारी है, उपभोक्ता अनावश्यक रूप से अफवाहों से भ्रमित न हों। देश की रिफायनरी उच्च क्षमता पर कार्य कर रही हैं तथा पश्चिम एशिया के अतिरिक्त अन्य स्थानों से भी कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

शहर में गैस की पर्याप्त उपलब्धता : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर अनिल राठौर ने शनिवार को शहर के विभिन्न गैस गोदामों और एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गैस स्टॉक, वितरण व्यवस्था और उपभोक्ताओं को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गैस वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर राठौर ने कहा शहर में एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता हैं और जिन उपभोक्ताओं ने सिलेंडर के लिए बुकिंग कराई हैए उन्हें समय पर गैस सिलेंडर मिल जाएगा। उन्होंने नागरिकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की। कलेक्टर श्री राठौर ने बताया कुछ समय के लिए सर्वर से संबंधित तकनीकी समस्या सामने आई थी जिसके कारण फोन या ऑनलाइन बुकिंग में दिक्कत आ रही थी।

तेंदूखेड़ा में गैस कंपनी की जांच

दमोह (स्वतंत्र मत)

तहसीलदार तेंदुखेड़ा विवेक व्यास एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी तेंदूखेड़ा आदित्य दाहिया द्वारा संयुक्त रूप से प्रियंका गैस सर्विस तेंदूखेड़ा में घरेलू गैस की उपलब्धता के संबंध में जांच की। जांच में पाया गया कि गैस कंपनी से लगातार सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है एवं उपभोक्ताओं को भी लगातार बुकिंग के आधार पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जांच समय तक 266 उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं।

जुझार निवास साजन असाटी ने जिला अस्पताल में किया रक्तदान

दमोह (स्वतंत्र मत)

जरूरत के समय किसी की मदद करना ही सच्ची सेवा मानी जाती है। इसी भावना को साकार करते हुए ग्राम जुझार निवासी साजन असाटी ने जिला अस्पताल पहुंचकर एक मरीज को रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। बताया गया है कि रामजी असाटी नामक मरीज का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है और उन्हें तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। जैसे ही इसकी जानकारी साजन असाटी को मिली, वे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे और रक्तदान कर मरीज की सहायता कीएसाजन असाटी जो कि अखिल भारतीय असाटी महासभा की युवा समिति के राष्ट्रीय युवा प्रचार सचिव हेमेंद्र असाटी राजन के बड़े भाई है। लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय बताए जाते है, उनके इस कदम से न केवल मरीज और उसके परिजनों को राहत मिलीए बल्कि समाज में रक्तदान के प्रति सकारात्मक संदेश गया।

साहू समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणि माँ कर्मा देवी की 1010वीं जयंती मनाई गई

दमोह (स्वतंत्र मत)

साहू समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की 1010वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। दमोह नगर में साहू धर्मशाला बड़ापुल में हवन पूजन सुबह 8 बजे से जलूस प्रारंभ हुआ एवं शोभायात्रा सुबह 10 बजे से आरम्भ हुई। शोभायात्रा बड़ापुल से धगट चौराहा, घंटाघर, बकोली, पुराना थाना महाकाली चौक होते हुए बापिस साहू धर्मशाला में समापन हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम पुरस्कार वितरण दोपहर 1 बजे बजे से आरम्भ हुआ, प्रसाद वितरण चूल से सपरिवार भंडारा सम्पन्न हुआ। मां भक्त शिरोमणि कर्मा देवी जयंती समारोह सम्पूर्ण जिले में दमोह, रनेह, हिण्डोरिया, हटा, नरसिंहगढ, बटियागढ, तेंदूखेड़ा, अभाना, तेजगड, नोहटा सहित कई जगह में धूमधाम से मनाई गई। शोभायात्रा में स्वजातीय बंधु माताएँ बहने भक्तिमयता से झूमते झामते शामिल हुए. विभिन्न जगहों पर सर्व समाज द्वारा स्वागत किया गया। दमोह में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र तुलाराम साहू, संतोष साहू, नगर अध्यक्ष कल्पेश साहू, रितेश साहू, लकी साहू, अन्नू साहू, गुड्डा साहू, सौरभ साहू, रिंकेश साहू, विक्रम साहू, माखन साहू, बटियागढ़ में भगवतीशरण साहू, रनेह में नायक श्याम साहू, राजेश साहू, नरसिंहगढ में संतोष मोदी, हिण्डोरिया में जिलाध्यक्ष एड संजय साहू कमल साहू,नरेश साहू, बबलू साहू, हरिशंकर साहू ने सभी स्वजातीय बंधुओं के साथ जयंती मनाई।

जन कल्याण में ही हमारा आत्म कल्याणः आशीष शुक्ला

दमोह (स्वतंत्र मत)

पथरिया के ग्राम बिलानी में चल रहे विशाल अखंड दुर्गा चालीसा पाठ के समापन की बेला में योगीराज शक्तिपुत्र महाराज की विचारधारा से अवगत कराते हुए विशाल जनसमुदाय को भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय मुख्य सचिव सिद्धाश्रमरत्न आशीष शुक्ला ने कहा की जब तक हम प्रत्येक परिवार में मां की दिव्य ज्योत जलाकर हर परिवार नशा मुक्ति मांसाहार मुक्त एवं चरित्रवान का जीवन नहीं जिएगा तब तक प्रत्येक परिवार खुशहाली का जीवन यापन नहीं कर सकेगा। गुरुवर की विचारधारा है कि समाज को विभिन्न बुराइयों से निजात पाने के लिए समाज को नशा मुक्ति भय भूख भ्रष्टाचार मुक्त ऊच नीच एवं छुआछूत जैसी बुराइयों से दूर करना होगा एवं मानवीय जीवन यापन करना होगा तभी समाज का कल्याण संभव है। गुरुवर की विचारधारा पर चलकर आज लाखों परिवार खुशहाली का जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने अपने घर में ही मां की दिव्य जोत जलकर सुबह शाम ध्यान साधना परिवार सहित कर रहे हैं जिससे विभिन्न प्रकार की विपदाओं का सामना आसानी से किया जा सकता है। बड़े ही सौभाग्य के क्षण हैं कि आज सिद्धाश्रम धाम का 15 मार्च को 31 वर्ष स्थापना के पूर्ण हुए हैं और हम आज बिलानी गांव में मां की साधना आराधना कर जन कल्याण कर रहे हैं। जनकल्याण में ही हमारा आत्म कल्याण छुपा हुआ है रजोगुण एवं तमोगुण में सामंजिस स्थापित करना चाहिए, तभी मानवीय जीवन लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। मनुष्य जीवन दुर्लभ है यह समस्त प्राणियों में भगवती मां आदि शक्ति जगत जननी जगदंबा की सबसे बहुमूल्य कृति है, एक समय निश्चित आएगा कि हमारा प्रदेश नशा मुक्त होगा और हमारा देश नशा मुक्त होगा तभी हम विश्व गुरु बन सकते हैं। यह आयोजन भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंच ज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम धाम के संयुक्त तत्वाधान में किया गया जो गांव तहसील जिला एवं प्रदेश देश स्तर पर मां भगवती की साधना आराधना कर देश-विदेश में समाज में परिवर्तन किया है।

हटा न्यायालय में नेशनल लोक अदालत आयोजित

हटा (स्वतंत्र मत)

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के मार्गदर्शन में शनिवार को हटा न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण कर कई पक्षकारों को राहत प्रदान की गई। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित 78 प्रकरणों तथा प्रीलिटिगेशन के 177 प्रकरणों का निराकरण किया गया। द्वितीय जिला न्यायाधीश सुनील कुमार द्वारा 19 विद्युत चोरी के प्रकरणों एवं 2 आपराधिक अपील प्रकरणों का निराकरण किया गया। साथ ही विद्युत विभाग से संबंधित 160 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का भी समाधान किया गया। प्रथम जिला न्यायाधीश सिराज अली ने 1 मोटर दुर्घटना दावा, 2 आपराधिक अपील तथा 4 अन्य प्रकरणों का निराकरण किया। तृतीय जिला न्यायाधीश राम सिंह बघेल के न्यायालय में 2 मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 20 लाख 65 हजार रुपये का अवार्ड पारित किया गया। इसके अलावा 3 अन्य प्रकरणों का भी निराकरण कर कुल 15 पक्षकारों को लाभान्वित किया गया। न्यायालय श्रीमती निधि जैन द्वारा 10 आपराधिक, 3 चेक बाउंस तथा 2 घरेलू हिंसा से संबंधित प्रकरणों का निराकरण कर कुल 40 पक्षकारों को लाभ मिला।

राज्यसभा चुनावः कांग्रेस के नए चेहरों ने बढ़ाई टेंशन

भाजपा में सियासी हलचल तेज

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए जून में होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों दलों में उम्मीदवारों को लेकर दावेदार सक्रिय हो गए हैं, जिससे प्रदेश की राजनीति में नया समीकरण बनता दिखाई दे रहा है। इन तीन सीटों में से दो सीटें भाजपा के खाते में और एक सीट कांग्रेस के खाते में मानी जा रही है। ऐसे में नेताओं ने राज्यसभा तक पहुंचने के लिए अपनी-अपनी राजनीतिक रणनीतियां तैयार करनी शुरू कर दी हैं। माना जा रहा है कि आने वाले तीन महीने प्रदेश की राजनीति के लिहाज से काफी हलचल भरे रहने वाले हैं। मध्यप्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटें जून 2026 में खाली हो रही हैं। इन सीटों में दो पर भाजपा के सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी और जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, जबकि एक सीट कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पास है। दिग्विजय सिंह पहले ही यह संकेत दे चुके हैं कि वे अब राज्यसभा जाने के इच्छुक नहीं हैं। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस में नए चेहरे को मौका मिलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इसी कारण पार्टी के भीतर कई नेता सक्रिय होकर अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुट गए हैं।

कांग्रेस में नए चेहरे की चर्चा- कांग्रेस में इस बार नया चेहरा राज्यसभा भेजे जाने की संभावना ज्यादा बताई जा रही है। दिग्विजय सिंह के पीछे हटने के बाद कई नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का नाम सबसे प्रमुख माना जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन भी संभावित दावेदारों में शामिल हैं। यदि पार्टी अनुसूचित जाति वर्ग से किसी नेता को अवसर देती है, तो पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा और प्रदीप अहिरवार के नाम भी चर्चा में हैं। इन संभावित नामों ने कांग्रेस की आंतरिक राजनीति को काफी रोचक बना दिया है।

भाजपा में भी दावेदारों की लंबी सूची- भाजपा में भी राज्यसभा की दो सीटों के लिए कई वरिष्ठ नेता सक्रिय हो गए हैं। मौजूदा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी और जॉर्ज कुरियन को दोबारा मौका मिल सकता है, हालांकि पार्टी के भीतर अन्य दावेदार भी मजबूत तरीके से सामने आ रहे हैं। भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं, जिनमें पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, जयभान सिंह पवैया और लाल सिंह आर्य जैसे नेता शामिल बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व ही करेगा, लेकिन दावेदारों की बढ़ती संख्या से पार्टी के भीतर राजनीतिक समीकरण दिलचस्प हो गए हैं। कुल मिलाकर मध्यप्रदेश में होने वाले आगामी राज्यसभा चुनाव ने भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के भीतर हलचल बढ़ा दी है। दावेदारों की बढ़ती संख्या और बदलते राजनीतिक समीकरणों के चलते आने वाले महीनों में प्रदेश की राजनीति और भी रोचक होने की संभावना है।

बुजुर्ग के पेट से निकले पथरी के छोटे बड़े 500 टुकड़े, डॉक्टर भी हुए हैरान

दूरबीन पद्धति से डॉक्टर्स ने किया सफल ऑपरेशन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया जहां एक निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने 78 वर्षीय बुजुर्ग मरीज की पेशाब की थैली का सफल ऑपरेशन किया इसमें चौंका देने वाली बात यह थी कि चुनौतीपूर्ण सर्जरी के दौरान मरीज के शरीर से छोटे और बड़े आकार के कुल 500 से अधिक पथरी के टुकड़े बाहर निकाले गए । जिसके बाद यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में पथरी का पाया जाना सामान्य नहीं है। मरीज लंबे समय से मूत्र मार्ग से जुड़ी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा था। उसे यूरिन के

दौरान तेज जलन, और रुक-रुककर पेशाब के साथ यूरिन में खून आने जैसी शिकायतें थीं। इन लक्षणों के चलते बुजुर्ग कमजोर हो गए थे। प्रारंभिक चिकित्सीय जांच में यूरिन की थैली के भीतर भारी मात्रा में पथरी होने की पुष्टि हुई थी, जिसके बाद विशेषज्ञों ने सर्जरी का निर्णय लिया।

आधुनिक तकनीक और दूरबीन पद्धति से मिली सफलता

इस जटिल आपरेशन को दूरबीन पद्धति के जरिए अंजाम दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार यह एक बेहद ही संवेदनशील ऑपरेशन था लेकिन तकनीक के सही तालमेल से इसे सुरक्षित रूप से पूरा कर लिया गया। ऑपरेशन के बाद अब मरीज की स्थिति पूरी तरह स्थिर है । ऑपरेशन के बाद मरीज के परिजनों ने राहत की सांस ली है।

पथरी पर क्या कहते हैं विशेषज्ञ

विशेषज्ञों का कहना है कि मानव शरीर में खनिज पदार्थों के असामान्य जमाव के कारण पथरी बनने की समस्या उत्पन्न होती है। इससे बचाव के लिए स्वास्थ्य के प्रति सजगता अनिवार्य है। प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और संतुलित आहार का सेवन करना इस समस्या को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका है। समय पर लक्षणों की पहचान और उचित डॉक्टरी परामर्श से ऐसी गंभीर स्थितियों से बचा जा सकता है।

15.96 करोड़ से अधिक राजस्व वसूल कर नगर निगम ने बनाया रिकार्ड

बकाया टैक्स जमा करने लोक अदालत में जनता ने दिखाया उत्साह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की लोक अदालत में सफलता का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राजस्व वसूली के मामले में निगम ने इस बार अपने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। जहाँ मार्च 2025 की लोक अदालत में 7 करोड़ 22 लाख रुपये की वसूली हुई थी, वहीं मार्च 2026 में यह आंकड़ा 15 करोड़ 96 लाख रुपये के पार पहुंच गया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 220 प्रतिशत से भी अधिक की शानदार वृद्धि है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राजस्व प्रभारी डॉ. सुभाष तिवारी और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने निगम की पूरी टीम को बधाई दी है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि लोक अदालत की सफलता के बाद अब निगम प्रशासन का लक्ष्य शत-प्रतिशत वसूली पर है।

आज से मैदान पर उतरेगा अमला- आज 15 मार्च से 31 मार्च तक निगम का पूरा अमला वसूली के लिए मैदान में सक्रिय रहेगा। करदाताओं के पास अधिभार से बचने के लिए अब केवल 15 दिनों का समय शेष है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने कहा कि 1 अप्रैल से बकाया करों पर डबल अधिभार लगना शुरू हो जाएगा। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार से करदाताओं से अपील की है कि वे निगम की अप्रिय वैधानिक कार्यवाही से बचने के लिए 31 मार्च के पूर्व अपने बकाया करों का भुगतान करें। समय पर कर चुकाकर आप न केवल अतिरिक्त जुर्माने से बच सकते हैं, बल्कि शहर के विकास में भी भागीदार बन सकते हैं।

अधिवक्ता संघ ने किया नारी शक्ति का सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला अधिवक्ता संघ के तत्वाधान में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के द्वारा विधि क्षेत्र में दिये गये योगदान एवं अधिवक्ता मातृ शक्ति का सम्मान कार्यक्रम व व्याख्यान माला 'नारी तू नारायणी' का आयोजन 14 मार्च को एन. कोटिश्रवर सिंह, विवेक अग्रवाल, कृष्ण मूर्ति मिश्रा ,राधेलाल गुप्ता, मनीष मिश्रा, डीके. जैन, निखिल तिवारी के अतिथ्य में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कल्चर एण्ड एल्फार्मेशन कन्वेंशन सेंटर में कार्यगिम आयोजित किया गया । स्वागत वेला के बाद न्यायमूर्ति एन. कोटिश्रयर सिहं ने 'नारी तू नारायणी' पर विस्तृत उद्बोधन दिया गया । इसके पश्चात् जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के वरिष्ठ सदस्यों और अधिवक्ता मातृ शक्ति को अतिथिगणों द्वारा सम्मानित किया।

नदी के भंवर में समाए सेंट एलॉयसियस के दो छात्र

48 घंटे बाद भी नहीं मिला छात्रों का सुराग, जमतरा में रेस्क्यू जारी

जबलपुर

जमतरा घाट पर पिकनिक मनाने और नहाने का उत्साह उस वक्त मातम में बदल गया, जब सेंट एलॉयसिस कॉलेज के दो होनहार छात्र नदी की गहराई में समा गए। घटना बीते 13 मार्च की है, जब कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र एडविन जॉर्ज और जॉनी इक्का अपने साथियों के साथ जमतरा पहुंचे थे। पानी में नहाने के दौरान दोनों छात्र अचानक नदी के एक तेज भंवर की चपेट में आ गए और देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गए। गौर चौकी प्रभारी नितिन पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल और गोताखोरों की टीम को मौके पर तैनात कर दिया गया था। पिछले दो दिनों से लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है, लेकिन नदी की गहराई और कठिन भौगोलिक स्थिति के कारण अभी तक दोनों छात्रों का कोई पता नहीं चल सका है। 48 घंटे से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी छात्रों का सुराग न मिलना प्रशासन और परिजनों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

हॉस्टल में रहकर कर रहे थे पढ़ाई- जानकारी के मुताबिक, एडविन और जॉनी दोनों ही कॉलेज के हॉस्टल में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे थे। इस दुखद खबर के बाद कॉलेज परिसर और हॉस्टल में सन्नाटा पसरा हुआ है और साथी छात्र गहरे सदमे में हैं। पुलिस प्रशासन ने लापता छात्रों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है और रेस्क्यू अभियान को और तेज कर दिया गया है। जमतरा के इस खतरनाक भंवर वाले क्षेत्र में पहले भी हादसे हो चुके हैं।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर जनता को किया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर रविवार को खाद्य आपूर्ति विभागद्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष नागरिक उपभोक्ता दर्शन मंच जी पांडे, प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन जानकी देवी, अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ उत्तम सिंह आदि उपस्थित हुए। इस अवसर पर उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति एक उपभोक्ता है और उसे कई महत्वपूर्ण अधिकार प्राप्त हैं, जैसे सुरक्षा का अधिकार, जानकारी पाने का अधिकार, अपनी पसंद से वस्तु चुनने का अधिकार तथा उनके साथ कोई धोखाधड़ी होने पर शिकायत निवारण का अधिकार। कार्यक्रम में नागरिकों से अपील की गई कि वे एलपीजी की कमी से संबंधित किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्हें किसी प्रकार की पैनिक बुकिंग कराने की आवश्यकता नहीं है। उपभोक्ताओं से अपील की किए वे वस्तु खरीदते समय बिल अवश्य लें। उत्पाद की गुणवत्ता तथा एक्सपायरी डेट की जांच करें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित उपभोक्ता मंच में शिकायत दर्ज कराएं।

डिंडोरी को पराजित कर फाइनल में पहुंचा जबलपुर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संभागीय क्रिकेट संघ द्वारा 13 मार्च से अंतर जिला सीनियर महिला एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन एमपीसीए स्टेडियम नीमखेड़ा जबलपुर में किया जा रहा है। 15 मार्च को पहले सेमीफाइनल मुकाबले में जबलपुर विरूद्ध डिंडोरी जिले के मध्य खेले गए मैच में जबलपुर जिले ने डिंडोरी जिले को 185 रनों से हरा कर फाइनल में जगह बनाई। इस मैच में टास जीतकर जबलपुर टीम ने पहले बल्लेबाज़ी ?करते हुए 50 ओवरों में 07 विकेट पर 296 रन बनाए, माधुरी पासी कप्तान प्रांजलि दुबे, आफिया ख़ान ने शानदार प्रदर्शन किया 7 वहीं डिंडोरी जिले से शशिकला टेकाम ने 03 , विकेट, परागय द्विवेदी और स्मोली कैथेल ने 1-1 विकेट चिटकाए। डिंडोरी टीम 10 विकेट पर 111 (32.1) रन ही बना सकी, कप्तान मोनिका पंवार ही एक मात्र बल्लेबाज रही जिसने 56 (70) रनों की पारी में 09 चौके लगाए, जबलपुर जिले से आकांशा चौरसिया ने सर्वाधिक 03 विकेट, पायल बाल्मीक, भूमि पटेल और एलिसा विक्टर ने 2-2 तथा शालिनी रजक ने एक विकेट लिया।

प्रतिष्ठानों से कई गैस सिलेंडर जब्त अवैध रेत पर भी हुई कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशों के परिपालन में रविवार को अनुभागीय राजस्व अधिकारी शहपुरा और पुलिस विभाग द्वारा शहपुरा में एलपीजी गैस सिलेंडर की अवैध उपयोग की जांच की गई। जांच के दौरान 10 अलग-अलग प्रतिष्ठानों से 10 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इसके अलावा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी शहपुरा के मार्गदर्शन में तहसील शहपुरा में एक रेत से भरा डम्पर जब्त कर थाना चरगवां भेजा गया। ड्राइवर के कथन से तथ्यों का मिलान न होने के कारण आवश्यक कार्यवाही की गई। कार्यवाही के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

पिस्टल लेकर घूम रहा था फरार आरोपी

घमापुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। घमापुर थाना एवं क्राईम ब्रांच की टीम द्वारा 1 फरार आरोपी को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पिस्टल और कारतूस जब्त किए हैं। जानकारी अनुसार थाना प्रभारी घमापुर उप निरीक्षक दिनेश गौतम ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मंगल पराग ग्राउण्ड के पास संदिग्ध अवस्था में खड़ा है, जो कोई घटना करने अथवा पिस्टल बेचने के लिए कमर में खोसे है। सूचना पर थाना एवं क्राईम ब्रांच की सयुंक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई। मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति मंगल पराग ग्राउण्ड में जामुन के पेड़ के नीचे बैठा दिखा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। नाम पूछने पर अपना नाम अभय वर्मा पिता सरोज वर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी हनुमान टोरिया कांचघर बताया। तलाशी लेने पर कमर में दाहिने तरफ एक पिस्टल खोसे मिला, मैगजीन चैक करने पर 1 कारतूस लोड पाया गया।

भू-राजस्व न चुकाने पर माँ अन्नपूर्णा वेयर हाउस सील

जबलपुर। सिहोरा तहसील में राजस्व टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को राजस्व एवं हल्का पटवारी एवं ग्राम कोटवार की उपस्थिति में निरीक्षक गोसलपुर की टीम ने भूमि स्वामी जुगल किशोर पटेल द्वारा भू राजस्व एवं पंचायत उपकर के 2 लाख 05 हजार 200 जमा न करने पर उनकी भूमि खसरा नंबर 530 रकबा 2.04 हेक्टेपयर के कॉलम नंबर 12 पर बकाया राशि दर्ज कर ली है। इसके साथ ही, टीम ने मौके पर मौजूद मां अन्नपूर्णा वेयर हाउस को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है।

विश्व के जादुई क्षितिज पर जबलपुर का उल्लेखनीय योगदान

जादूगर निगम के 78वें जन्मोत्सव पर हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एक के बाद एक रंग बदलते रूमाल, हवा में विभिन्न वस्तुओं को फेंककर एक के बाद एक जादू करिश्मों के प्रदर्शन से शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में उपस्थित कलाप्रेमी दर्शक रोमांचित हो उठे। लगातार एक घंटा तक चले इस जादुई कार्यक्रम में अध्रिप्रदेश से पधारे जादूगर स्टिक मनोहर जिन्हें जादू स्वाभिमान दिवस पर लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया साथ ही उड़ीसा से पधारे जादूगर डॉ. भारतभूषण जिन्हें 18 वे जादू स्वाभिमान दिवस पर जादू श्री सम्मान से सम्मानित किया गया इन्होंने भी अपने जादुई चमत्कारों से हथप्रभ कर दिया।

इनकी रही उपस्थिति- अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर एसके निगम के 78वें जन्मदिवस पर इस गरिमामय कार्यक्रम में महापौर जगतबहादुर, सांसद आशीष दुबे, पूर्व मंत्री व विधायक अजय विशनोई, विधायक लखन घनघोरिया, समाजसेवी बाबू विश्वमोहन, पूर्व विधायक नित्यनिरंजन खम्परिया उपस्थित रहें और इस अवसर पर भारतीय जादू को रेखांकित किया और जबलपुर के योगदान की सराहना की और जादूगर निगम को अलौकित विलक्षण व्यक्तिव निरूपित किया। इस अवसर पर स्वागत समिति के ओर से पूर्व न्यायाधीश मीना भट्ट, किरण खरे, डॉ. रोमिल सिंघई, सुरेन्द्र मोटवानी भी मंचासीन रहे। सभी अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की ओर से विजय जायसवाल, आर. के. टेहनगुरिया, प्रतुल श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता निगम, जसवीर चौपड़ा, राजीव गुप्ता, प्रमोद जैन, चंदन शर्मा ने किया। गुंजन कला सदन, शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ट, सैम सीनियर सिटीजन क्लब, गूंज, महर्षि संस्थान, संस्कारधानी आर्टिस्ट ऑगानाईजेशन, जादू अकादमी के संयुक्त आयोजन में प्रारंभ में राखी मजूमदार, सुनीता जायसवाल, राश्मि-विजय श्रीवास्तव, अमरजीत के भक्ति गीतों से प्रारंभ बबलू मैथ्यूज, मुन्ना गूजर आर्केस्टा संगीत ने कार्यक्रम को इंद्रधनुषय रंग से सरोवर कर दिया। आभार प्रदर्शन राजेश पाठक प्रवीणने किया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**